परिचम एशिया में तनाव से शेयर बाजार में गिरावट जारी सेंसेक्स 852 अंक टूटा- 10

ईरान युद्ध अमेरिका की सेना पर भारी अब नौसेना प्रमुख ने दिया त्याग पत्र - 11

होर्मुज के बारूदी सुरंगों को हटाने में लग सकता है छह महीने का वक्त - 11

'मैदान पर आने से पहले होटल में ही छोड़ देता हूं अहंकार' - 12

आज का मौसम
42.0° अधिकतम तापमान
26.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.38
सूर्यास्त 06.42

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष अष्टमी 07:22 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2083

शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026, वर्ष 36, अंक 76, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी की जानकारी स्वीकार नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह सभी प्रतिष्ठित लेखकों और विचारकों के विचारों का सम्मान करता है, लेकिन वह 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' से मिली जानकारी स्वीकार नहीं कर सकता। नौ जजों की संविधान पीठ ने यह टिप्पणी उस समय की, जब वह केरल के सबरीमाला मंदिर सहित धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव और विभिन्न धर्मों द्वारा अपनाई जाने वाली धार्मिक स्वतंत्रता की सीमा एवं दायरे से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। दाऊदी बोहरा समुदाय के प्रमुख की ओर से पेश अधिवक्ता नीरज किशन ने शशि थरूर द्वारा लिखे गए एक लेख का हवाला दिया, जिसमें धार्मिक राहत से जुड़े मामलों में न्यायिक संयम की बात कही गई थी।

भारत महान देश, नरक वाले पोस्ट पर विवाद के बाद ट्रंप का यू-टर्न

नई दिल्ली/वाशिंगटन। भारत को 'नरक' बताने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप का 24 घंटे के अंदर ही सुर बदल गया है। ट्रंप ने भारत को एक 'महान देश' बताया है। ट्रंप ने उन विवादित रीपोस्ट पर सफाई दी है जिसमें भारत को 'नरक जैसी जगह' कहा गया था। नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास ने सफाई देते हुए कहा कि ट्रंप भारत को 'एक महान देश' मानते हैं। साथ ही उन्होंने मोदी को एक 'बहुत अच्छा दोस्त' बताया है। भारत में स्थित अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा, राष्ट्रपति ने कहा है कि भारत एक महान देश है। इससे पहले ट्रंप के रीपोस्ट में भारत, चीन को नरक कहा गया था।

बंगाल में 91.78% मतदान, आजादी के बाद सर्वाधिक, कई जगह हुई हिंसा

पहले चरण में 152 सीटों पर वोटिंग, तमिलनाडु की 234 सीटों पर 85.05% मतदान

- बीरभूम, मुर्शिदाबाद, दिनाजपुर आसनसोल में झड़प की घटनाएं
- दिनाजपुर में भाजपा उम्मीदवार शुभेंदु सरकार से हाथापाई

कोलकाता/चेन्नई, एजेंसी

प. बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में गुरुवार को बंपर वोटिंग हुई। बंगाल की 294 सीटों में से 152 सीटों पर पहले फेज में 91.78% मतदान हुआ। वहीं, तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 85.05% वोटिंग हुई। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि प. बंगाल में आजादी के बाद से अब तक का सर्वाधिक मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया है। बंगाल में 2011 में 84.72% मतदान दर्ज किया गया था। राज्य में दूसरे चरण के चुनाव में 142 सीट पर 29 अप्रैल को मतदान होगा। विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को एकसाथ आएंगे।

बंगाल में मतदान के दौरान बीरभूम, मुर्शिदाबाद, दिनाजपुर, आसनसोल में झड़प की घटनाएं हुई। कम से कम तीन उम्मीदवारों पर हमले हुए। निर्वाचन आयोग ने हिंसा के संबंध में अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है। बीरभूम जिले के खारिसोल में अंतिम घंटों के दौरान तनाव काफी बढ़ गया, जब मतदाताओं ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के पक्ष में डाले गए वोट भाजपा के खाते में दर्ज हो रहे हैं। चुनाव अधिकारियों और नाराज मतदाताओं के बीच बहस छिड़ने के बाद स्थिति और बिगड़ गई, जिसके बाद स्थानीय लोगों का एक समूह मतदान केंद्र के बाहर इकट्ठा हो गया और प्रदर्शन करने लगा। यहां स्थानीय लोगों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प हो गई। इससे पहले, दक्षिण दिनाजपुर के कुमारगंज में भाजपा उम्मीदवार शुभेंदु सरकार के साथ उस समय हाथापाई की गई जब वह गड़बड़ी की खबरों के बाद एक मतदान केंद्र की ओर जा रहे थे। शुभेंदु सरकार ने दावा किया कि पुलिस की मौजूदगी में उनकी पिटाई की गई और उनके वाहन में तोड़फोड़ की गई। वहीं, एक अन्य घटना में आसनसोल दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के रहमत नगर में भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल की कार पर पथराव किया गया जिससे उसकी पिछली खिड़कियों के शीशे टूट गए। मुर्शिदाबाद के नौदा में आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) और तृणमूल के समर्थकों के बीच झड़पें हुईं। वाहनों में तोड़फोड़ और पथराव के बाद भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा।

मालदा में मतदान केंद्र पर वोट डालने पहुंचे मतदाता।

ईसी ने बूथ से नदारद रहने पर कर्मचारियों को किया निलंबित

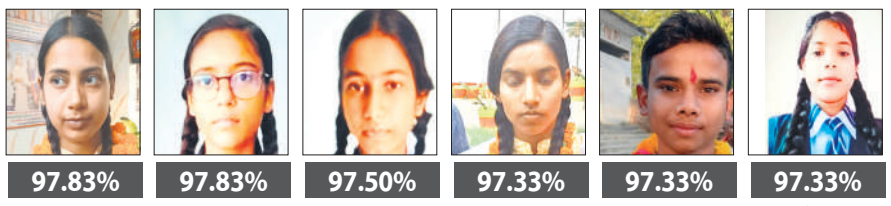

कोलकाता। मेदिनीपुर के पिंगला विधानसभा क्षेत्र में मतदान के दौरान एक मतदान केंद्र से नदारद रहने के आरोप में निर्वाचन आयोग ने संबंधित बूथ के सभी मतदानकर्मियों को निलंबित कर दिया। आयोग ने घटना की जांच के आदेश भी दिए और जिला निर्वाचन अधिकारी को रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

बंगाल में आंकड़ों से यकीन, भाजपा को शानदार जीत मिलेगी

कृष्णानगर। प्रधानमंत्री ने बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में बड़ी संख्या में वोट देने के लिए राज्य की जनता को बधाई दी और मतदान के अब तक के आंकड़ों को परिवर्तन के लिए शानदार जनादेश का संकेत बताया। मोदी ने कहा कि निर्वाचन आयोग इस बात के लिए बधाई का पात्र है कि उसने चुनाव में हिंसा की कोई बड़ी घटना नहीं होने दी। मोदी ने कहा, पिछले 50 वर्षों के चुनावी इतिहास में यह पहली बार है कि हिंसा की घटनाएं कम हुईं।

हाईस्कूल में कशिश-अंशिका संयुक्त टॉपर, इंटरमीडिएट में शिखा अव्वल

यूपी बोर्ड — हाईस्कूल में टॉप-3

97.83%	97.83%	97.50%	97.33%	97.33%	97.33%
कशिश वर्मा सीतापुर	अंशिका वर्मा बाराबंकी	अदिति बाराबंकी	अर्पिता सीतापुर	ऋषभ साहू झांसी	परी वर्मा बाराबंकी

यूपी बोर्ड — इंटरमीडिएट में टॉप-3

97.60%	97.20%	97.20%	97.00%	97.00%
शिखा वर्मा सीतापुर	नंदनी गुप्ता बरेली	श्रिया वर्मा बाराबंकी	सुरभि यादव बरेली	पूजा पाल बाराबंकी

- परिणाम जारी होते ही मुख्यमंत्री योगी ने सभी टॉपर और सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद के वर्ष 2026 के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम गुरुवार को घोषित कर दिए गए। इस वर्ष भी बेटियों का शानदार प्रदर्शन कायम रहा। हाईस्कूल में सीतापुर की कशिश वर्मा और बाराबंकी की अंशिका वर्मा संयुक्त रूप से टॉपर बनीं, जबकि इंटरमीडिएट में सीतापुर की शिखा वर्मा ने प्रदेश में पहला स्थान, जबकि दूसरे व तीसरे स्थान पर बरेली और बाराबंकी की बेटियां संयुक्त टॉपर रहीं।

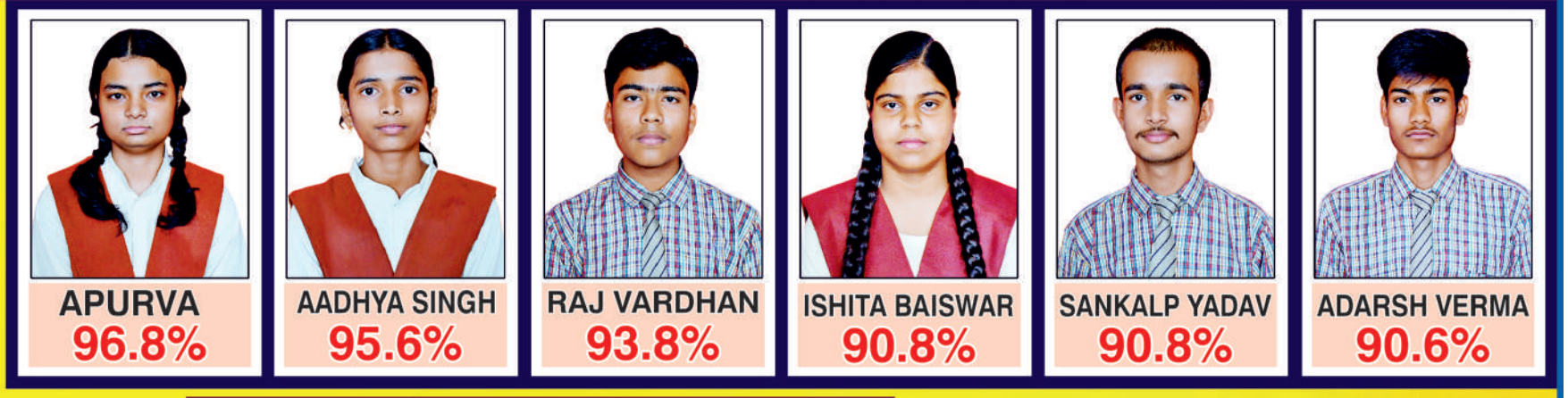

हाईस्कूल का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 90.42 रहा, जबकि इंटरमीडिएट में 80.38 प्रतिशत छात्र-छात्राएं सफल घोषित किए गए। परीक्षा 22 फरवरी से 9 मार्च के बीच 8,265 केंद्रों पर आयोजित हुई थी। इस वर्ष हाईस्कूल में सीतापुर की कशिश वर्मा व बाराबंकी की अंशिका वर्मा ने 97.83 % अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल किया। दूसरे पर बाराबंकी की अदिति (97.50%) रहीं, जबकि तीसरे पर सीतापुर की अर्पिता, झांसी के ऋषभ साहू और बाराबंकी की परी वर्मा रहे। 12वीं में सीतापुर की शिखा वर्मा ने 97.60 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर बरेली की नंदिनी गुप्ता और बाराबंकी की श्रेया वर्मा (97.20%) रहीं, जबकि तीसरे स्थान पर बरेली की सुरभि और बाराबंकी की पूजा पाल (97%) ने जगह बनाई।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ानों को लगा 'सुरक्षा नियम' का ब्रेक

सीईओ की नागरिकता बनी अड़ंगा, अधर में लटका प्रोजेक्ट, गृह मंत्रालय ने सुरक्षा नियम में ढील से किया इनकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बीसीएएस की मंजूरी अटकी जहाजों की उड़ान शुरू होने की समयसीमा अनिश्चित

अमृत विचार: बहुप्रतीक्षित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ानें शुरू होने में अब तकनीकी नहीं, बल्कि नीतिगत अड़चन सबसे बड़ी बाधा बन गई है। कागजों पर तैयार दिख रहा यह प्रोजेक्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय के एक सुरक्षा नियम में उलझकर फिलहाल अधर में लटक गया है।

दरअसल, ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी के 2011 के नियम के अनुसार, किसी भी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) भारतीय नागरिक होना जरूरी है, क्योंकि वही सुरक्षा समन्वयक की भूमिका निभाता है। इसी नियम में ढील देने का प्रस्ताव गृह मंत्रालय ने खारिज कर दिया, जिसके बाद जेवर एयरपोर्ट की उड़ानों की समयसीमा फिर अनिश्चित हो गई है। जेवर एयरपोर्ट का संचालन यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रालि. कर रही है, जो स्विस कंपनी जुरिच एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी की सहायक है। कंपनी के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन स्विस नागरिक हैं। यहीं से पूरा विवाद खड़ा हुआ, क्योंकि नियम के तहत सुरक्षा समन्वयक के रूप

में भारतीय नागरिक की अनिवार्यता तय है।

एयरपोर्ट को वाणिज्यिक संचालन शुरू करने के लिए सबसे अहम मंजूरी एयरड्रोम सिक्योरिटी प्रोग्राम (एएसपी) की होती है, जो बीसीएएस जारी करता है। हालांकि तकनीकी रूप से एयरपोर्ट लगभग तैयार है और उसे डीजीसीए से एयरोड्रोम लाइसेंस भी मिल चुका है, लेकिन सीईओ की नागरिकता को लेकर सुरक्षा मंजूरी लंबित होने से एएसपी की स्वीकृति अटक गई है। इसका सीधा असर संचालन तैयारियों पर पड़ा है। एयरलाइंस अपनी योजना को अंतिम रूप नहीं दे पा रही हैं और यात्रियों के लिए उड़ान शुरू होने की कोई स्पष्ट तारीख सामने नहीं है।

एयरपोर्ट से जुड़े अधिकारी यह भी मानते हैं कि क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने इस प्रोजेक्ट के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, इसलिए उन्हें पूरी तरह हटाना कंपनी के लिए आसान फैसला नहीं होगा। यही वजह है कि बीच का रास्ता निकालने की कोशिश चल रही है। कंपनी ने यह तर्क भी दिया है कि प्रबंधन ढांचे में राज्य सरकार और नेएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. के अधिकारी भी शामिल हैं, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां इस पर सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि सुरक्षा समन्वयक का पद अत्यंत संवेदनशील होता है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की ढील संभव नहीं है।

ये हैं विकल्प

- सीईओ पद पर भारतीय नागरिक की नियुक्ति
- सुरक्षा समन्वयक की भूमिका अलग अधिकारी को सौंपना
- नियमों में संशोधन की संभावनाएं (फिलहाल कम)

विदेशी निवेश में राष्ट्रीय सुरक्षा का पेंच

नरेंद्र मोदी ने 28 मार्च को एयरपोर्ट का उद्घाटन किया था और उम्मीद थी कि जल्द ही उड़ानें शुरू होंगी। लेकिन एक महीने बाद भी स्थिति जस की तस है, क्योंकि अंतिम सुरक्षा मंजूरी नहीं मिल सकी है। यह मामला अब केवल एक एयरपोर्ट तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विदेशी निवेश और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन की बड़ी बहस को भी सामने ला रहा है। फिलहाल समाधान की कोशिशें जारी हैं, लेकिन जब तक गृह मंत्रालय और बीसीएएस से अंतिम मंजूरी नहीं मिलती, जेवर एयरपोर्ट से उड़ानों की शुरुआत इंतजार में ही रहेगी।

जमीन विवादों के निस्तारण को विशेष टीमें बनाने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

- मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में 200 फरियादियों की सुनी समस्याएं

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जमीनी विवादों को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया है कि ऐसे मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए विशेष टीमें गठित की जाएं। उन्होंने साफ कहा कि किसी भी व्यक्ति की जमीन पर दबंगों का कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

गोरखनाथ मंदिर में गुरुवार को आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार परिसर में पहुंचे सीएम ने एक-एक फरियादी से मुलाकात कर उनकी शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तत्काल व संतोषजनक निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जमीन का स्वामित्व उसके वास्तविक मालिक के पास ही रहना चाहिए। यदि कहीं अवैध कब्जे की शिकायत मिलती है तो प्रशासन तत्काल कार्रवाई कर जमीन को कब्जामुक्त कराए और दोषियों को सख्त सजा दिलाए।

न्यूज ब्रीफ

संस्कृत बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट आज शाम को

अमृत विचार, लखनऊ: उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद की वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम शुक्रवार को शाम 4 बजे घोषित किया जाएगा। परिषद की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, पूर्व मध्यमा द्वितीय (कक्षा 10), उत्तर मध्यमा प्रथम (कक्षा 11) और उत्तर मध्यमा द्वितीय (कक्षा 12) का रिजल्ट एक साथ जारी होगा। परिणाम लखनऊ स्थित शिक्षा निदेशालय के शिविर कार्यालय से घोषित किया जाएगा। परीक्षार्थी अपना रिजल्ट परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन देख सकेंगे। परिषद ने सभी परीक्षार्थियों को परिणाम के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि वे आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ही सही और प्रमाणिक जानकारी प्राप्त करें। रिजल्ट देखने के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.upmssp.com पर जाएं, रोल नंबर दर्ज करें और परिणाम स्क्रीन पर देखें और डाउनलोड करें।

प्रदेश को जल्द मिलेंगे पांच नए स्टेडियम

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश में खेल अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है। जल्द ही गाजीपुर, चंदौली, हापुड़, संभल और शामली में पांच नए स्पोर्ट्स स्टेडियम तैयार होने जा रहे हैं। इससे खिलाड़ियों को अपने ही जिलों में बेहतर प्रशिक्षण और प्रतियोगिता की सुविधाएं मिलेंगी। प्रदेश में वर्तमान में 71 जिलों में 84 स्टेडियम संचालित हैं, जबकि नए स्टेडियमों का निर्माण तेजी से जारी है। गाजीपुर में निर्माण लगभग पूरा हो चुका है, हापुड़ में करीब 70 प्रतिशत, संभल में 26 प्रतिशत कार्य पूरा हुआ है, जबकि शामली में निर्माण शुरू हो गया है। चंदौली में टेंडर प्रक्रिया चल रही है। खेल निदेशक डॉ. आरपी सिंह के अनुसार, इन परियोजनाओं से क्षेत्रीय प्रतिभाओं को उभरने का अवसर मिलेगा और खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। नए स्टेडियमों में मल्टीपर्पज हॉल, स्विमिंग पूल, बैडमिंटन-टेनिस कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, जिम, हॉकी-फुटबॉल मैदान और एथलेटिक्स ट्रैक जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

सड़कों की मरम्मत को 106 करोड़ मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ग्रामीण सड़कों के अनुरक्षण और मरम्मत कार्यों के लिए 106 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि स्वीकृत की है। यह राशि वित्तीय वर्ष 2026-27 में सड़कों की स्थिति सुधारने और आवागमन को सुगम बनाने में मदद करेगी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर ग्राम्य विकास विभाग ने कुल 21282.52 लाख रुपये के प्रावधान के सापेक्ष पहली किश्त के रूप में 10641.26 लाख रुपये जारी किए हैं। संबंधित शासनादेश भी जारी कर दिया गया है।

'रश्मिरथी पर्व' की शुरुआत आज से

अमृत विचार, लखनऊ: राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कालजयी कृति रश्मिरथी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर राजधानी लखनऊ में 24 से 26 अप्रैल तक तीन दिवसीय 'रश्मिरथी पर्व' आयोजित किया जाएगा। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होने वाले इस आयोजन की शुरुआत शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे, जबकि केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य वक्ता होंगे। उद्घाटन सत्र में 'रश्मिरथी संवाद' स्मारिका का लोकार्पण होगा। इसके बाद राष्ट्रीय परिसंवाद में विद्वान दिनकर के साहित्य, राष्ट्रवाद और समकालीन प्रासंगिकता पर चर्चा करेंगे। शाम को रश्मिरथी पर आधारित नाटक का मंचन मुख्य आकर्षण रहेगा।

राहत : बारिश से खराब गेहूं भी एमएसपी पर खरीदेगी सरकार

15 जून तक चलेगी खरीद, 18 मंडलों में नोडल अधिकारी होंगे तैनात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 70% तक चमकविहीन और 20% तक सिकुड़े व टूटे गेहूं की होगी खरीद

अमृत विचार: बेमौसम बारिश से प्रभावित गेहूं किसानों को बड़ी राहत देते हुए योगी आदित्यनाथ सरकार ने विशेष प्रावधान लागू किए हैं। रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद अब प्रदेश में चमकविहीन और सिकुड़े गेहूं की भी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद की जाएगी।

सरकार के इस निर्णय के तहत किसानों का 70 प्रतिशत तक चमकविहीन गेहूं और 20 प्रतिशत तक टूटा या सिकुड़ा गेहूं सरकारी क्रय केंद्रों पर बिना किसी कटौती

के खरीदा जाएगा। यह फैसला उन किसानों के लिए राहत भरा है, जिनकी फसल बारिश के कारण गुणवत्ता में प्रभावित हुई है। प्रदेश में हाल की बारिश से गेहूं के दानों में सिकुड़न और चमक में कमी आई है, जिससे किसानों को बाजार में उचित दाम मिलने में कठिनाई हो रही थी। ऐसे में राज्य सरकार के अनुरोध पर केंद्र ने यह विशेष अनुमति दी है, ताकि किसानों को नुकसान से बचाया जा सके। सरकार ने सभी 18 मंडलों के लिए नोडल अधिकारियों की तैनाती भी की है, जो खरीद प्रक्रिया की निगरानी करेंगे और किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह सुनिश्चित करेंगे। यह पहल किसानों को आर्थिक सुरक्षा देने और उनकी आय को सुरक्षित रखने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

सत्यापन न होने पर भी खरीद

नई व्यवस्था के तहत जिन किसानों का पंजीकरण सत्यापन अभी पूरा नहीं हुआ है, उनसे भी गेहूं खरीदा जाएगा। क्रय केंद्र प्रभारी राजस्व और चकबंदी अभिलेखों के आधार पर खरीद सुनिश्चित करेंगे। प्रदेश के सभी जनपदों में 15 जून तक गेहूं खरीद जारी रहेगी। अधिक भीड़ होने पर किसानों को टोकन प्रणाली के तहत निर्धारित तिथि पर गेहूं बेचने की सुविधा दी जाएगी।

हरदोई में 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी के आगमन को लेकर स्थलीय निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

मल्टी-लेयर सुरक्षा में न हो चूक व्यवस्थाएं रहें चाक-चौबंद : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/हरदोई

- प्रधानमंत्री के हरदोई आगमन की तैयारियों का मुख्यमंत्री ने किया स्थलीय निरीक्षण
- 29 को गंगा एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण कार्यक्रम करेंगे मोदी

अमृत विचार: हरदोई में 29 अप्रैल को प्रस्तावित प्रधानमंत्री के आगमन एवं गंगा एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण कार्यक्रम को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बिलग्राम तहसील के मल्लावां कट स्थित कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हेलीपैड, सभा स्थल, वीआईपी मार्ग, पार्किंग, बैरिकेडिंग, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सहित सभी तैयारियों का गहनता से जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री का कार्यक्रम पूरी तरह सुव्यवस्थित, सुरक्षित और गरिमामय ढंग से संपन्न कराया जाए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता पर रहे और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके लिए पुलिस और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए मल्टी-लेयर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सभा स्थल का निरीक्षण करते हुए मुख्यमंत्री ने बैठने की समुचित व्यवस्था, पंडाल की गुणवत्ता, पेयजल उपलब्धता, स्वच्छता, शौचालय और निर्बाध विद्युत आपूर्ति को मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में आने वाले आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित हों। यातायात प्रबंधन की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि कार्यक्रम के समय ट्रैफिक व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

मुख्यमंत्री ने हेलीपैड और वीआईपी मूवमेंट से जुड़ी व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया और सभी प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने आपातकालीन सेवाओं-एम्बुलेंस, अग्निशमन और चिकित्सा सुविधाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। इस अवसर पर मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

तीन वर्ष में कहां लगे कितने पौधे, होगी डिजिटल निगरानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश सरकार सैटेलाइट-ड्रोन से पौधरोपण का कराएगी वेरिफिकेशन
- गड़बड़ी पर सख्त कार्रवाई के निर्देश, तकनीक से बढ़ेगी पारदर्शिता

अमृत विचार: योगी सरकार ने प्रदेश में किए गए बड़े पैमाने के पौधारोपण अभियानों की सख्त निगरानी का फैसला किया है। अब पिछले तीन वर्षों में लगाए गए पौधों की वास्तविक स्थिति का आकलन सैटेलाइट और ड्रोन तकनीक के जरिए किया जाएगा।

सरकार ने थर्ड पार्टी जांच के साथ-साथ विभागीय स्तर पर भी विस्तृत सत्यापन कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए मुख्य वन संरक्षकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो अपने-अपने क्षेत्रों में पौधारोपण स्थलों का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार करेंगे। प्रदेश में बीते वर्षों में 242 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जाने का दावा किया गया है, जबकि इस वर्ष मानसून में 35 करोड़ से अधिक पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है। ऐसे में सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि लगाए गए पौधों का वास्तविक लाभ धरातल पर दिख रहा है या नहीं।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने स्पष्ट किया है कि जांच में किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आधुनिक तकनीक से होगी निगरानी

जांच प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए ड्रोन सर्वे, सैटेलाइट इमेजिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाएगा। पौधारोपण स्थलों का चयन रैंडम तकनीक से होगा, जिससे किसी भी प्रकार की पक्षपात की संभावना खत्म होगी।

थर्ड पार्टी के साथ विभागीय जांच

पिछले वर्ष पौधारोपण की थर्ड पार्टी जांच का जिम्मा वन अनुसंधान संस्थान को सौंपा गया था। अब इसके साथ विभागीय जांच भी कराई जाएगी, जिससे रिपोर्ट की विश्वसनीयता और बढ़ेगी।

14 फर्मों के खाद्य तेल पर प्रतिबंध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एफएसडीए के विशेष अभियान में 210 नमूनों की जांच, मिलावट व मानकों में खामियां उजागर

अमृत विचार : खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग ने प्रदेश की 14 फर्मों के खाद्य तेल एवं वसा उत्पादों के विनिर्माण, भंडारण, वितरण और विक्रय पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह कार्रवाई विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत लिए गए नमूनों की जांच में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने के बाद की गई है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की आयुक्त डॉ.रोशन जैकब के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान के दौरान प्रदेश स्तर पर 58 खाद्य सचल दल गठित किए गए, जिन्होंने विभिन्न स्थानों से लगभग 210 नमूने संग्रहित किए। इनमें से 206 नमूने खाद्य तेल और वसा से संबंधित थे। इन नमूनों की जांच अत्याधुनिक उपकरणों के माध्यम से भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की ओर से अधिकृत प्रयोगशालाओं में कराई गई।

विश्लेषण के दौरान कई नमूने असुरक्षित और मानक से नीचे पाए गए। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ उत्पादों में लेड (सीसा) की मात्रा अधिक थी, जबकि कई मामलों में विभिन्न खाद्य तेलों का अनाधिकृत मिश्रण कर विक्रय किया जा रहा था। इसके अलावा, फोर्टिफाइड तेलों में आवश्यक विटामिन की निर्धारित मात्रा से कम मिलावट कर उपभोक्ताओं को गुमराह किया जा रहा था।

कार्रवाई के तहत जिन 14 फर्मों के उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया गया है, उनमें प्रमुख रूप से लखनऊ, कानपुर नगर, कानपुर देहात, हाथरस, आगरा, मेरठ, हापुड़ और गोरखपुर की फर्में शामिल हैं। इन फर्मों द्वारा निर्मित सरसों तेल, रिफाइंड सोयाबीन ऑयल, पामोलीन ऑयल, राइस ब्रान ऑयल, तिल एवं अलसी तेल सहित विभिन्न उत्पादों को जांच में असुरक्षित या अधोमानक पाया गया।

प्रदेश सरकार की 11 विशेष अपीलें एक साथ खारिज

विधि संवाददाता, लखनऊ

- देरी से दाखिल की गई अपीलों पर हाईकोर्ट सख्त, पीडब्ल्यूडी के कई जूनियर इंजीनियरों को मिली राहत
- कहा, सरकारी विभागों की लापरवाही और उदासीनता को नहीं दिया जा सकता बढ़ावा

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में प्रदेश सरकार द्वारा दाखिल 11 विशेष अपीलों को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि सरकार अपीलें दाखिल करने में हुई देरी के लिए पर्याप्त कारण प्रस्तुत नहीं कर सकी। सरकार की विशेष अपीलें खारिज होने के बाद पीडब्ल्यूडी के तमाम जूनियर इंजीनियरों को बड़ी राहत मिली है।

उक्त आदेश मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की खंडपीठ ने राम गोपाल गुप्ता व अन्य के विरुद्ध राज्य सरकार द्वारा अलग-अलग दाखिल विशेष अपीलों पर एक साथ सुनवाई करते हुए पारित किया। ये सभी अपीलें 9 सितंबर 2025 को एकल पीठ द्वारा दिये गए फैसले के खिलाफ दाखिल की गई थीं। एकल पीठ ने पीडब्ल्यूडी में 1984 से 1989 के बीच डेली वेजेज अथवा वर्क चार्ज कर्मचारी के रूप में बड़ी संख्या में नियुक्त याची जूनियर इंजीनियरों को 2006 के बजाय 2001 से विनियमित करने का आदेश दिया था, जिसके परिणाम स्वरूप इन जूनियर इंजीनियरों को अन्य तमाम लाभों के साथ-साथ पुरानी पेंशन स्कीम का लाभ मिलना भी तय हो गया है। राज्य सरकार ने एकल पीठ के आदेश को विशेष अपीलें दाखिल कर, दो जजों की खंडपीठ के समक्ष चुनौती दी थी। अपीलों पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने पाया कि सभी अपीलें समय सीमा समाप्त होने के बाद दाखिल की गई थीं, जिनमें देरी 93 दिन से लेकर 195 दिन तक की थी। राज्य सरकार की ओर से अपीलों के दाखिल में देरी के लिए फाइलों के मूवमेंट, विभागीय प्रक्रिया, छुट्टियों और विधानमंडल सत्र जैसे कारण बताए गए, लेकिन खंडपीठ ने इन्हें पर्याप्त नहीं माना। कोर्ट ने टिप्पणी की कि सरकार के पास सुव्यवस्थित तंत्र और संसाधन होते हैं, ऐसे में सिर्फ प्रशासनिक प्रक्रियाओं का हवाला देकर देरी को उचित नहीं ठहराया जा सकता। यह भी स्पष्ट किया कि देरी माफी के आवेदन पर विचार करते समय मुख्य प्रश्न यह होता है कि देरी के लिए उचित कारण है या नहीं, सरकारी विभागों की सुस्ती को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता, यदि ऐसी देरी को स्वीकार किया गया, तो यह न्याय व्यवस्था में अनिश्चितता पैदा करेगा और आम वादकारियों के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। इन टिप्पणियों के साथ कोर्ट ने सभी विलंब माफी प्रार्थना पत्र खारिज कर दिए, जिसके परिणामस्वरूप सभी 11 विशेष अपीलें भी स्वतः निरस्त हो गईं।

बढ़ते कदम | 'विकसित कृषि–विकसित भारत @2047' के लिए उप्र. कृषि अनुसंधान परिषद की पहल

एआई–ड्रोन तकनीकों से खेती को मिली नई ताकत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने कहा कि एआई, ड्रोन, प्राकृतिक व जैविक खेती जैसी आधुनिक तकनीकों से कृषि को अधिक लाभकारी बनाया जा रहा है। यह जानकारी उन्होंने "विकसित कृषि–विकसित भारत @2047" विषय पर आयोजित छठी कृषि विज्ञान कांग्रेस की सिफारिशों को लेकर दी।

उन्होंने बताया कि 8-10 अप्रैल 2026 को हुई इस कांग्रेस

महानिदेशक डॉ. संजय सिंह।

में 700 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें वैज्ञानिक और छात्र शामिल थे। पिछले चार वर्षों में उपकार ने काला नमक चावल और मक्के की उन्नत किस्मों के विकास सहित कई उपलब्धियां हासिल की हैं। किसानों को बेहतर मूल्य दिलाने के लिए उन्हें सीधे बाजार से जोड़ने पर भी जोर दिया गया है।

कृषि में एआई और ड्रोन के उपयोग से फसल प्रबंधन, रोग नियंत्रण और उत्पादन में सुधार हो रहा है। मंडलीय स्तर पर प्रयोगशालाएं स्थापित करने की योजना है। आईसीआरआईएसएटी के सहयोग से प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चल रहे हैं।

पशुपालन और बागवानी में भी नवाचार किए जा रहे हैं, जबकि किसानों की आर्थिक स्थिति के आकलन के लिए सर्वे कराया जा रहा है।

कांफ्रेंस में कृषि विकास पर बनेगी ठोस रणनीति

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी लखनऊ में 24 अप्रैल को "जोनल एग्रीकल्चर कॉन्फ्रेंस-2026" का आयोजन होगा। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में उत्तर भारत के 9 राज्य व केंद्र शासित प्रदेश भाग लेंगे। सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी संबोधित करेंगे।

सम्मेलन में कृषि ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ), दलहन मिशन, राष्ट्रीय

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही।

खाद्य तेल-तिलहन मिशन और डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन जैसे अहम विषयों पर मंथन होगा। इसमें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक, कृषि विशेषज्ञ, एफपीओ, स्टार्टअप्स और नाबार्ड सहित कई संस्थाएं भाग लेंगी। विभिन्न राज्य अपने सफल कृषि मॉडल साझा करेंगे।

30 तक बनवा लें फार्मर आईडी नहीं तो होंगे योजनाओं से वंचित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 15 मई 2026 से फार्मर आईडी हो जाएगी अनिवार्य

अमृत विचार: जायद 2026 सीजन की तैयारियों के बीच प्रदेश सरकार ने फार्मर रजिस्ट्री अभियान तेज कर दिया है। निर्देश दिए गए हैं कि 30 अप्रैल तक सभी भूमिधर किसानों का शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। जिन गांवों में अब तक कम रजिस्ट्रेशन हुआ है, वहां विशेष फोकस किया जा रहा है।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि 15 मई 2026 से फार्मर आईडी अनिवार्य कर दी जाएगी। इसके बिना किसानों को सरकारी योजनाओं, उर्वरक और बीज का लाभ नहीं मिल सकेगा। ऐसे में किसानों को समय रहते पंजीकरण कराने की सलाह दी गई है।

जायद सीजन के तहत डिजिटल क्रॉप सर्वे भी तय समय में पूरा किया जाएगा। इसके लिए 28 अप्रैल को जिला स्तरीय टीमों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जबकि 1 से 31 मई तक प्रदेशभर में सर्वे अभियान चलाया जाएगा। किसानों की भागीदारी बढ़ाने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। लाउडस्पीकर, अखबारों और ग्राम प्रधानों के माध्यम से किसानों को फार्मर आईडी बनवाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

बंदी की अस्पताल पहुंचने से पहले मौत

अमृत विचार, लखनऊ : जिला कारागार में बंद आजीवन कारावास के बीमार बंदी की गुरुवार को बलरामपुर अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। इमरजेंसी में डॉक्टरों ने बंदी को मृत घोषित कर दिया। नाका स्थित छेदा ख्वास निवासी विजय सिंह (70) 1980 के हुए एक हत्या के मामले 17 नवंबर 2015 से जेल में बंद था। जेलर ऋत्विक प्रियदर्शी ने बताया कि गुरुवार सुबह जेल में अचानक तबीयत बिगड़ने पर विजय बेहोश हो गया। जेल कर्मियों ने तत्काल उसे जेल अस्पताल में भर्ती कराया। हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार देकर एंबुलेंस से पुलिस अभिरक्षा में बलरामपुर अस्पताल भेजा था।

युवक के खाते से उड़ाए 50 हजार

अमृत विचार, लखनऊ : हजरतगंज में साइबर जालसाज ने युवक के खाते से 50 हजार रुपये पार कर दिए। हजरतगंज जुबली अपार्टमेंट निवासी राहुल कुमार वर्मा ने बताया कि मंगलवार रात करीब पौने दस बजे उनके खाते से 50 हजार रुपये ट्रांसफर हुए हैं। पीड़ित का कहना है कि उन्होंने किसी से बैंक डिटेल या फिर ओटीपी शेयर नहीं किया था। इंस्पेक्टर विक्रम सिंह ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है।

बिजली ठेकेदार का सामान चोरी

अमृत विचार, माल : बिजली लाइन की मरम्मत कर रहे ठेकेदार अनिरुद्ध कुमार शर्मा के गोदाम से हजारों रुपये कीमत का माल चोरी हो गया। ठेकेदार ने माल थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है। अनिरुद्ध कुमार शर्मा ने बताया कि उसे मध्यांचल विद्युत वितरण निगम द्वारा आरडीएसएस योजना के तहत उनकी फर्म रामा इलेक्ट्रिकल्स को एनसीसी कम्पनी द्वारा कार्य दिया गया है। काम मे प्रयोग होने वाली सम्पूर्ण सामग्री कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। सामान रखने के लिये सैदापुर चौराहे के निकट पिपरी गांव मे गोदाम बना रखा है। गोदाम में केबल व कई बोरी जीआई नट बोल्ट आदि रखे थे।

सड़क हादसे की रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, सरोजनीनगर : थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल हुई महिला ने अज्ञात वाहन के खिलाफ सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मोहनलालगंज के हरी खेड़ा निवासी सरवन देवी ने बताया कि 21 अप्रैल को सुबह करीब 10:30 बजे वह भाई भानु प्रताप सिंह के साथ परसादी खेड़ा से ससुराल जा रही थी। इसी दौरान सुबह करीब 11:00 बजे किसान पथ पर गहरू पिपरसंड के पास सफेद कार ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। हादसे में सरवन देवी को गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद चालक कार लेकर भाग निकला। घायल महिला को टीएस मिश्रा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

अमृत विचार, अमेठी : गुरुवार को मवैया चौराहा स्थित पान की गुमटी के सामने शुकुल से इन्हौना की ओर जा रही एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसकी बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायल युवक की पहचान सुरेन्द्र कुमार (30) पुत्र नकछेद पासी, निवासी मवैया के रूप में हुई है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया। वहां मौजूद चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालत नाजुक देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

मारपीट के मामले में 8 आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, अमेठी : जनपद के जायस थाना क्षेत्र में एक मांगलिक कार्यक्रम के दौरान हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से मारपीट में इस्तेमाल किए गए डंडे, फावड़े का बेंट, लोहे की पाइप और बेस बैट भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, यह घटना 21 अप्रैल को हुई थी, जब एक समारोह के दौरान दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुंच गया। गुरुवार को जायस पुलिस ने वांछित आरोपियों की तलाश और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पहले मामले में 4 आरोपियों—धर्मराज (58), दीपक (29), बिन्द्रा प्रसाद (38) और अतुल कुमार (20) को गिरफ्तार किया। वहीं दूसरे मामले में शीतला प्रसाद (50), श्रीनाथ (40), जगप्रसाद (20) और चन्द्रकेश (19) को पकड़ा गया।

हादसे में वृद्धा की मौत, नाती घायल

हरधौरपुर गांव में सड़क पार करते समय एसयूवी ने मारी टक्कर, चालक की तलाश

संवाददाता, बख्शी का तालाब

अमृत विचार: बख्शी का तालाब के हरधौरपुर गांव में गुरुवार सुबह बेकाबू एसयूवी ने सड़क किनारे खड़ी वृद्धा और उनके नाती को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को अस्पताल पहुंचा गया, जहां वृद्धा को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। नाती का इलाज चल रहा है। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया है। पुलिस चालक की तलाश में जुटी है।

हरधौरपुर निवासी शिवशंकर यादव के मुताबिक उनकी मां रामा (65) सुबह करीब सात बजे घर के बाहर सड़क किनारे खड़ी थीं। इसी दौरान बीकेटी से कठवारा की तरफ जा रही एसयूवी (यूपी 32 एनक्यू 9494) ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह काफी दूर जा गिरीं। नाती अमित यादव घायल हो गया। पास में खड़ी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। तेज आवाज सुनकर सभी लोग बाहर निकले। आनन-फानन रामा और अमित को अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने रामा को मृत घोषित कर दिया। वहीं अमित का इलाज चल रहा है। इंस्पेक्टर के मुताबिक परिजन ने तहरीर दी है। वाहन नंबर के आधार पर चालक की तलाश की जा रही है।

संदिग्ध हालात में सड़क किनारे पड़ा मिला बीडीसी, मौत

अमृत विचार, लखनऊ : रहीमाबाद के चांदपुर गांव के पास बुधवार देर रात संदिग्ध हालात में बीडीसी घायल पड़े मिले। राहगीरों ने घायल को सीएचसी मलिहाबाद पहुंचाया। वहां से डॉक्टरों ने हालत गंभीर देख ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। देर रात इलाज के दौरान बीडीसी की मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। काकोरी के कटौली गांव निवासी राजू (30) बीडीसी थे। इंस्पेक्टर रहीमाबाद अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि बुधवार देर रात डॉयल-112 पर एक युवक के घायल पड़े होने की जानकारी मिली थी। सूचना पर रहीमाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को राहगीरों की मदद से सीएचसी मलिहाबाद पहुंचाया गया। वहां डॉक्टर ने राजू की हालत गंभीर बताते हुए ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। देर रात इलाज के दौरान राजू की मौत हो गई। इंस्पेक्टर ने बताया कि राजू के माता-पिता की पूर्व में ही मौत हो चुकी है। बहनें विवाहित हैं। राजू गांव में अकेले ही रहता था। पुलिस ने राजू की बहनों को घटना की जानकारी दी। आशंका जताई जा रही है कि राजू को रात में कोई वाहन टक्कर मारकर भाग गया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाले जा रहे हैं। परिजन की ओर से तहरीर मिलती है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में दिव्यांग युवक घायल

अमृत विचार, काकोरी : पारा के कुल्हड़ कट्टा पुल के पास सड़क पार कर रहे एक दिव्यांग युवक को तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रुप से घायल हो गया। हादसे के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।पुलिस के मुताबिक कुल्हड़ कट्टा पुल के पास सड़क पार कर रहे एक दिव्यांग युवक को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। घायल गिरीश यादव बस्ती का रहने वाला है। वह पैर से दिव्यांग हैं। लखनऊ में अपनी बुआ के घर आए हुए थे। घायल को रानी लक्ष्मी बाई अस्पताल भिजवाया। जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपी वाहन की पहचान में जुटी है।

युवक के खुदकुशी मामले में तीन पर एफआईआर

अमृत विचार, सरोजनीनगर : सरोजनीनगर के शांति नगर में करीब 4 माह पूर्व दिव्यांशु ने खुदकुशी कर लिया था। इस मामले में कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने युवती समेत तीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी है।

सीतापुर के लालपुर बाजार निवासी अमरेश कुमार ने बताया कि उनके पुत्र दिव्यांशु राज की आत्महत्या के पीछे पड़ोसी जिम्मेदार हैं। वह लगातार उसे प्रताड़ित कर रहे थे। अमरेश कुमार के मुताबिक उनका 19 वर्षीय बेटा दिव्यांशु राज अपने छोटे भाई अर्पित राज के साथ सरोजनीनगर के शांति नगर में शैलेश चौरसिया के मकान की दूसरी मंजिल पर किराए के कमरे में रहता था। दिव्यांशु बीएससी प्रथम वर्ष की पढ़ाई करने के साथ क्रिकेट की ट्रेनिंग भी लेता था। छोटा भाई अर्पित यहां के एक निजी स्कूल में कक्षा 10 का छात्र था। 28 नवंबर को दिव्यांशु राज का चचेरा भाई अभिषेक बार काउंसिल की परीक्षा देने लखनऊ आया था। वह दिव्यांशु के साथ उसके कमरे में रुक गया था।

किशोर समेत पांच ने फंदे से लटककर दी जान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

● गोसाईंगंज, हसनगंज व पीजीआई इलाके में हुई घटना

अमृत विचार: जिले में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पांच लोगों ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

गोसाईंगंज के कबीरपुर निवासी किसान लालाराम का बेटा संतोष (18) शराब का आदी था। दामाद मुकेश ने बताया कि बुधवार रात संतोष शराब पीकर घर पहुंचा और खाना खाने के बाद कमरे में सोने चला गया। गुरुवार सुबह उसका शव गांव के बाहर पेड़ से लटका मिला। ग्रामीणों की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। शव जूते के फीते के फंदे से लटक रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। तलाशी के दौरान संतोष के पॉकेट से शराब की खाली बोतल मिली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

काकोरी के पलेहंदा में उन्नाव के हसनगंज निजामाखेड़ा निवासी राजेश (30) भी शराब पीने का आदी थी। नौ माह पहले उसकी पत्नी पूनम बच्चे के साथ मामा के घर चली गई थी, फिर वहां से मायके पलेहंदा रहने चली आई। इसी कारण दोनों में कहासुनी होती थी। राजेश ने तीन पहले भी खुदकुशी का प्रयास किया था। करीब 15 दिन से वह गांव का चक्कर लगा रहा था। गुरुवार सुबह राजेश का शव गांव के बाहर पेड़ से रस्सी के फंदे से लटका मिला। राजेश के दो बच्चे हैं।

इसी तरह उन्नाव के आसीवन स्थित गौरा निवासी रामबालक सैनी (44) ने भी ससुराल बहरू में गांव के बाहर नीम के पेड़ से बिजली के तार का फंदा लगाकर जान दे दी। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी ससुराल व पुलिस को दी। वह करीब 14 वर्ष से ससुराल में ही रहता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पीजीआई के हैवतमऊ मवैया में बुधवार देर रात 17 वर्षीय दीपांशु ने फंदा लगाकार जान दे दी। परिजन के मुताबिक दीपांशु दो वर्ष पहले हाई स्कूल की परीक्षा में फेल होने के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। घर के कामों में हाथ बंटाता था। बुधवार शाम वह रोज की तरह गायों को चारा देने और दूध बांटने गया था, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटा। बड़े भाई दीपक ने बताया कि रात करीब साढ़े नौ बजे जब वह तबेले में पहुंचे तो दीपांशु टीन शेड में लगे एंगल से गाय की रस्सी के सहारे फंदे पर लटका मिला।

परिजन नीचे उतारकर आनन-फानन अस्पताल ले गये, जहां डाक्टरो ने मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर धीरेंद्र सिंह के मुताबिक आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। जांच की जा रही है।

हसनगंज के डालीगंज पुल के नीचे झुग्गी बस्ती में रहने वाले प्रकाश (22) ने बुधवार रात को फंदा लगाकर जान दे दी। बड़े भाई संतोष ने बताया कि प्रकाश शराब का आदी था। बुधवार रात को वह शराब पीकर घर पहुंचा। खाना खाने के बाद बाहर निकल गया। देर रात नदवा रोड के किनारे रस्सी के फंदा बनाकर पेड़ से लटक गया। उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नाना और नाती के घर से लाखों का माल ले गए चोर

संवाददाता, काकोरी

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के ग्राम गौरी मजरा सकरा गांव में दिनदहाड़े चोरों ने नाना-नाती के घरों के ताले तोड़कर नकदी व जेवर समेत लाखों के माल पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित ड्यूटी से घर लौटे तो चोरी का पता चला। पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है।

गौरी गांव निवासी राजकुमार ने बताया कि बुधवार को वह अपनी ड्यूटी पर गए हुए थे। आंगनबाड़ी कार्यकत्री पत्नी भी घर पर ताला लगाकर काम से बाहर गयी थीं। इसी दौरान सुबह करीब 10 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच चोरों ने घर का ताला तोड़कर चोरी की। पीड़ित जब वापस घर लौटा तो दरवाजे का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो अलमारी और बक्सों के ताले भी टूटे और सामान बिखरा था। पीड़ित ने बताया कि चोर घर से सोने-चांदी के आभूषण, एक मोबाइल फोन और करीब 70 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए।

इसके साथ ही चोरों ने पीड़ित के नाती रोहित लाल के घर को भी चोरों ने निशाना बनाया। वहां से चोर जेवर के साथ करीब 10 हजार रुपये लेकर भाग निकले। पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की। पीड़ित राजकुमार ने काकोरी थाने में तहरीर दी है। इंस्पेक्टर सतीश राठौर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

टूटी आलमारी और बिखरा सामान।

ट्रामा वेंटीलेटर यूनिट में नौ बेड बढ़ाए गए

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: केजीएमयू के ट्रामा वेंटीलेटर यूनिट में गुरुवार को नौ बेड बढ़ा दिए गए, डायलिसिस बेड भी बढ़ाए गए हैं। ट्रॉमा प्रभारी का कहना है गुरुवार से यूनिट का विस्तार कर पूरी क्षमता संग मरीजों की भर्ती शुरू कर दी गई है।

केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में 400 से अधिक बेड हैं। हर दिन ट्रॉमा में 200-250 मरीज इलाज के लिए आते हैं। इसमें 15-20 मरीज आईसीयू या वेंटीलेटर के लिए प्रदेश भर से मरीज आ रहे हैं। वेंटीलेटर खाली न होने की स्थिति में मरीजों को निजी केंद्र पर जाना पड़ता था। मरीजों को असुविधा न होने के लिए केजीएमयू प्रशासन ने ट्रॉमा सेंटर के तीसरे तल पर बनी ट्रॉमा वेंटीलेटर यूनिट का विस्तार किया है। यहां पर पहले 19 वेंटीलेटर स्थापित थे। यहां पर नौ वेंटीलेटर बढ़ा दिए गए हैं। अब यहां पर 28 वेंटीलेटर पर मरीजों की भर्ती शुरू हो गई है। ट्रॉमा प्रभारी डॉ. प्रेमराज ने बताया कि सभी वेंटीलेटर पर मरीजों की भर्ती शुरू हो गई है।

ट्रॉमा वेंटीलेटर यूनिट में भर्ती कई अति गंभीर मरीजों की डायलिसिस की जरूरत पड़ती है। पहले यहां पर सिर्फ एक मशीन लगी थी। ऐसे में दूसरे मरीजों की डायलिसिस के लिए इंतजार करना पड़ता था। अब यहां पर डायलिसिस की चार मशीन हो गई हैं। मरीजों की समस्या को देखते हुए केजीएमयू प्रशासन ने यहां पर तीन डायलिसिस नई मशीन स्थापित कर दी हैं।

नशेड़ी युवक ने मचाया उत्पात, दंपति घायल

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के उतेही बाग फरोसा मजरे सिरसा गांव में बुधवार देर रात राकेश कुमार नामक युवक नशे की हालत में गांव की गलियों में घूम रहा था और लोगों के साथ गाली-गलौज कर रहा था। गांव के ही लालता प्रसाद ने जब उसे रोका, तो राकेश ने उस पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इस दौरान लोगों ने नशे में धुत राकेश कुमार की पिटाई कर दी। बीच-बचाव के लिए पहुंची राकेश की पत्नी राजकुमारी भी घायल हो गईं। पुलिस ने घायल राकेश कुमार और पत्नी राजकुमारी को सीएचसी पहुंचाया, जहां से चिकित्सक ने राकेश कुमार को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। कोतवाल जगदीश यादव ने बताया तहरीर पर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैक्टर और बाइकों की टक्कर में महिला की चली गई जान

मुसाफिरखाना (अमेठी)

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के पूरे साहब बक्श मजरे पिण्डारा ठाकुर गांव की निवासी 40 वर्षीय कंचन पत्नी सोहनलाल की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा बुधवार देर शाम मुसाफिरखाना-गौरीगंज मार्ग पर भीखीपुर के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने दो बाइकों को जोरदार टक्कर मार दी।

लोगों के मुताबिक टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार कंचन, उनके पति सोहनलाल तथा भीम शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुसाफिरखाना पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उपचार के दौरान कंचन की मौत हो गई।

कंचन की असमय मृत्यु की खबर मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

भैंस से टकराकर बाइक सवार की मौत, सिंहपुर (अमेठी): शिवरतनगंज थाना क्षेत्र के थाना क्षेत्र के लौली गांव निवासी शिव शंकर यादव उम्र 56 वर्ष अपने छोटे भाई सूर्यपाल पुत्र शिव दास 54 वर्ष के साथ गुरुवार की देर शाम लगभग 8 बजे निमंत्रण में जा रहे थे। दोनों लोग बाइक से जैसे ही सिंहपुर के पास पहुंचे सामने से आ रही एक भैंस से टकरा गए। राहगीरों की सूचना पर 108 एम्बुलेंस से सीएचसी ले गए जहां सूर्यपाल 54 वर्ष को चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल शिव शंकर को स्वशासी मेडिकल कालेज तिलोई रेफर कर दिया।

गैस एजेंसी पर अव्यवस्था से लोग बेहाल

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार। जनपद के संग्रामपुर स्थित शिवा शिखर इंडेन गैस एजेंसी पर इन दिनों उपभोक्ताओं को भारी अव्यवस्था का सामना करना पड़ रहा है। गुरुवार को सुबह से ही हजारों की संख्या में लोग गैस पर्ची लेने के लिए लाइन में खड़े रहे, लेकिन दोपहर 2 बजे तक भी कई उपभोक्ताओं को पर्ची नहीं मिल सकी।

जानकारी के मुताबिक स्थिति और भी गंभीर इसलिए हो गई है क्योंकि अमेठी स्थित प्रकाश गैस एजेंसी मीना के सील होने के बाद वहां के उपभोक्ताओं को भी संग्रामपुर आना पड़ रहा है। इन उपभोक्ताओं को लगभग 15 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है, इसके बावजूद उन्हें गैस सिलेंडर या पर्ची आसानी से उपलब्ध नहीं हो पा रही है। केवाईसी प्रक्रिया भी बाधित है, जिससे उपभोक्ताओं की परेशानी और बढ़ गई है।गैस वितरण में फैली अव्यवस्था, बिचौलियों की सक्रियता और प्रशासनिक

एजेंसी पर गैस के लिए उपभोक्ता की लंबी लाइन। अमृत विचार

समस्या

लापरवाही के चलते आम उपभोक्ता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। अब सभी की नजर प्रशासनिक जांच और संभावित कार्रवाई पर टिकी है, जिससे उम्मीद की जा रही है कि हालात में जल्द सुधार आएगा और उपभोक्ताओं को राहत मिल सकेगी।

उपभोक्ताओं ने की हस्तक्षेप की मांग: उमापुरगाना पट्टी निवासी अंकेश पांडे ने बताया कि वह सुबह से लाइन में खड़े हैं, लेकिन अभी तक पर्ची नहीं मिल सकी, जबकि बिचौलियों के जरिए पैसे लेकर काम कराया जा रहा है। आलोक चंद्र, भारतीपुर निवासी हरकेश सिंह, प्रशांत उपाध्याय और रविंद्र श्रीवास्तव सहित कई उपभोक्ताओं ने व्यवस्था को पूरी तरह ध्वस्त बताते हुए जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

क्या बोले जिम्मेदार

इस संबंध में एसडीएम आशीष सिंह ने कहा कि पूरे प्रकरण की जल्द जांच कराई जाएगी और पूर्ति निरीक्षक को निर्देश दिए गए हैं कि वितरण व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त किया जाए। वहीं पूर्व पूर्ति निरीक्षक ने भी स्वीकार किया कि मामला पहले उनके संज्ञान में नहीं था, लेकिन अब पुलिस बल की सहायता से व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाएगी।

नौकरी दिलाने के नाम पर रुपये हड़पे, कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज

अमृत विचार, अमेठी : थाना बाजार शुक्ल के अब्दुल्ला बाहरपुर निवासी मो. इबरार ने बताया कि लखनऊ के मड़ियांव थाना क्षेत्र के एसआर कालोनी एल्डिंगो रोगालिया, आईआईएम रोड निवासी करीमुद्दीन व अशरफ अली पर भारतीय वायु सेना में नौकरी दिलाने के नाम पर उसके बेटे से दो लाख छब्बीस हजार रुपये हड़प लिए। पीड़ित ने बताया कि करीमुद्दीन व अशरफ अली दोनों मेरे रिश्तेदार भी है उन्होंने बताया कि उनके पुत्र मो आशिफ व शाहिद अनवर निवासी शिवरतनगंज, मजरे खरगपुर को भारतीय वायु सेना में नौकरी लगवाने का आश्वासन शाहिद अनवर के घर पर दिया था। उनके पुत्र मो. आशिफ को भारतीय वायु सेना में हाउस किपिंग में रखने हेतु 5 जनवरी से 24 फरवरी 2025 के बीच में ऑलाइन ट्रांजेक्शन करवाते हुए 1,65,000 रुपये जरिये यूपीआई. व पुत्र के केनरा बैंक के शाखा खारा नकद 61,000/-रू पर धोखाधड़ी व षडयन्त्र करते हुए हड़प लिया गया। आरोपियों द्वारा नौकरी के फर्जी दस्तावेज मो आशिफ व शाहिद अनवर के पक्ष में बनवाकर भी दे दिया। बाद में पता चला कि विपक्षीगण का एक गिरोह है जो नौकरी लगवाने के बहाने लोगों से पैसा हड़प लेता है। इस मामले में एसओ दया शंकर मिश्रा ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर आरोपियों के खिलाफ सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

आयोजन | मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

जनगणना कार्य से संबंधित दी गईं विस्तृत जानकारियां

सरेनी (रायबरेली)

अमृत विचार। भारत की जनगणना 2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य को सफलतापूर्वक संपादित करने के लिए प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बीडीओ कार्यालय और बीआरसी हाल में आयोजित किया गया। तहसीलदार शिवम सिंह राठौर के मार्गदर्शन में जनगणना कार्य से संबंधित विभिन्न तकनीकी एवं व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण में खंड शिक्षा अधिकारी वीरेन्द्र नाथ द्विवेदी की विशेष उपस्थिति रही। मास्टर ट्रेनर डॉ. यज्ञदत्त शुक्ला, अनूप कुमार, सुधाकर सिंह द्वारा प्रतिभागियों को जनगणना प्रक्रिया, मकान सूचीकरण, आंकड़ा संकलन और डिजिटल माध्यमों के उपयोग संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। आनंद प्रकाश तिवारी, सूरज सिंह, बालकृष्ण आदि का सहयोग रहा।

इस दौरान प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को जनगणना कार्य को पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ संपादित करने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि भारत की जनगणना 2027 देश की विकास योजनाओं एवं नीति निर्माण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण आधार प्रदान करेगी।

मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौजूद लोग।

जनगणना-2027 का प्रशिक्षण प्रारम्भ

सतांव (रायबरेली)। भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण 'मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना' को लेकर विकास खंड सतांव में प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरुवार से शुरू हो गया। यह प्रशिक्षण 23 अप्रैल से 05 मई तक मलिकमऊ चौबारा स्थित ब्लॉक सभागार में चलेगा। जिला प्रशासन के निर्देश पर आयोजित इस प्रशिक्षण में प्रगणकों और सुपरवाइजरों को घर-घर जाकर मकान सूचीकरण, मकानों की गणना तथा परिवारों से संबंधित जानकारी एकत्र करने की प्रक्रिया विस्तार से समझाई जा रही है। साथ ही, मोबाइल ऐप के माध्यम से डेटा फीडिंग की तकनीकी बारीकियों पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि आंकड़ों की सटीकता बनी रहे। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनगणना का कार्य पूरी शुद्धता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए।

डिजिटल रूप से सशक्त बनाना सरकार की योजना से सीधे जोड़ना

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार: पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित समापन समारोह ब्लॉक शुकुल बाजार में गुरुवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला कार्यक्रम अधिकारी संतोष श्रीवास्तव उपस्थित रहे। समारोह के दौरान 10 लाभार्थियों गीता देवी, पिंकी मिश्रा, सुमन लता आदि को मोबाइल फोन वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य लाभार्थियों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना और उन्हें शासकीय योजनाओं से सीधे जोड़ना है। कार्यक्रम में प्रदर्शनी, गोद भराई जैसे आयोजन भी आकर्षण का केंद्र रहे। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले सेक्टरों को सम्मानित किया गया। महोना सेक्टर की क्षमा वर्मा को "बेस्ट सेक्टर अवॉर्ड" प्रदान किया गया, जबकि साथिन किशनी की स्वाती एवं अनामिका को संयुक्त रूप से द्वितीय सर्वश्रेष्ठ सेक्टर का सम्मान मिला। साथ ही, क्षेत्र के 35 आंगनवाड़ी केंद्रों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिससे कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के अंत में 5 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को उनकी दीर्घकालिक सेवाओं के लिए भावभीनी विदाई दी गई। सीडीपीओ धर्मेंद्र ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं समाज की नींव हैं।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

झोलाछाप के इंजेक्शन से अधेड़ की मौत

अमृत विचार, हरदोई : कछौना कोतवाली क्षेत्र में बुखार की दवा लेने गए अधेड़ की कथित झोलाछाप के इंजेक्शन लगाने के बाद मौत हो गई। परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। जानकारी के अनुसार, पूरब खेड़ा मजरा हथौड़ा निवासी तेजपाल (55) बुखार से पीड़ित थे। बुधवार को वह गांव में ही एक झोलाछाप के पास इलाज के लिए पहुंचे, जहां उन्हें इंजेक्शन लगाया गया। आरोप है कि इंजेक्शन लगने के कुछ ही देर बाद उनकी हालत बिगड़ गई और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों का आरोप है कि मौत के बाद झोलाछाप ने शव को दुकान से बाहर रख दिया और दुकान बंद कर फरार हो गया। सूचना पर यूपी-112 पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

किशोरी से छेड़छाड़ के दोषी को 3 वर्ष की सजा

अमृत विचार, उन्नाव : सदर कोतवाली क्षेत्र के एक मामले में कोर्ट ने किशोरी से छेड़छाड़ के आरोपी को दोषी करार देते हुए तीन साल की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। अभियोजन के अनुसार, 28 जून 2018 को एक व्यक्ति ने डीह गांव निवासी रंजीत के खिलाफ अपनी नाबालिग बेटी से छेड़छाड़ करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा और विवेचक कृष्णचंद्र ने 19 जुलाई 2018 को अदालत में चार्जशीट दाखिल की। गुरुवार को मामले की अंतिम सुनवाई के दौरान शासकीय अधिवक्ता प्रदीप श्रीवास्तव की दलीलों और प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

बाग में लटका मिला लापता अधेड़ का शव

अमृत विचार, हरदोई : साण्डी थाना क्षेत्र के संगैचामऊ निवासी उपेंद्र सिंह (56) मंगलवार रात खाना खाकर सोने के बाद अचानक लापता हो गए। सुबह चारपाई खाली मिलने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। बुधवार को बावन ब्लॉक मुख्यालय के पीछे एक बाग में उनका शव फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने आत्महत्या से इनकार करते हुए जांच की मांग की है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट होंगे।

बेटी की शादी से पहले पिता ने दी जान

अमृत विचार, हरदोई : कोतवाली देहात क्षेत्र के तकिया मजरा नीर गांव में बेटी की शादी से पहले एक पिता ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, सर्वेश (45) ने बुधवार शाम कमरे में बेटी के दुपट्टे से फंदा लगा लिया। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर परिजनों को शक हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव बाहर निकाला। परिजनों के मुताबिक, सर्वेश ने बड़ी बेटी का तिलक 13 अप्रैल को कर दिया था, लेकिन शादी की तारीख तय नहीं हुई थी। बताया जा रहा है कि वह शादी के खर्च को लेकर परेशान था। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

सिलेंडर के धमाके से छत ढही, तीन घायल

अमृत विचार, शुक्लागंज (उन्नाव) : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के आजाद नगर ठाकुरखेड़ा में गुरुवार रात गैस सिलेंडर विस्फोट से बड़ा हादसा हो गया। खाना बनाते समय हुए तेज धमाके से मकान की छत भरभराकर गिर गई, जिसमें एक ही परिवार के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, कमल की पत्नी अंजना रात करीब साढ़े आठ बजे रसोई में खाना बना रही थीं, तभी अचानक सिलेंडर में विस्फोट हो गया और आग लग गई। धमाका इतना तेज था कि छत ढह गई। उस समय कमल छत पर और उनका बेटा कृष्णा कमरे में था, जो मलबे में दब गए, जबकि अंजना झुलस गईं। आसपास के लोगों ने तीनों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में उन्हें कानपुर के उर्सला अस्पताल रेफर किया गया, जहां से महिला को लखनऊ भेजा गया है। सूचना पर पुलिस, प्रशासन और दमकल टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। जेसीबी से मलबा हटाने का कार्य कराया गया।

नीयत साफ हो तो नियति बदलने में देर नहीं लगती : मुख्यमंत्री

योगी ने गोरखपुर में 1055 करोड़ रुपये की 497 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब नीयत साफ हो तो नियति बदलने में देर नहीं लगती। उन्होंने गोरखपुर में विकास के पिछले नौ वर्षों को इसका उदाहरण बताते हुए कहा कि शहर ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव देखा है।

मुख्यमंत्री ने राप्ती नदी के एकला बंधा पर लिगेसी वेस्ट के निस्तारण से विकसित ईको पार्क, नौसढ़-मलौनी फोरलेन सड़क समेत 1055 करोड़ रुपये की 497 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। साथ ही स्वच्छ स्कूल अभियान की शुरुआत करते हुए टूलकिट और कैलेंडर का विमोचन भी किया। योगी ने कहा कि गोरखपुर को 'गार्बेज फ्री सिटी' बनाने और स्वच्छ सर्वेक्षण में शीर्ष स्थान दिलाने के लिए एक लाख से अधिक स्कूली बच्चों को अभियान से जोड़ा जाएगा। आरआरआर (रिड्यूस, रियूज, रिसाइकिल) के जरिए स्वच्छता का संदेश घर-घर पहुंचाया जाएगा। अभियान में 2000 से अधिक शिक्षकों और 1000 से ज्यादा अभिभावकों को जोड़ा जाएगा। वेस्ट टू आर्ट, निबंध और रील प्रतियोगिताओं के माध्यम से स्वच्छता का संदेश व्यापक स्तर पर फैलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इच्छा शक्ति और साफ नीयत के कारण गोरखपुर में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है।

परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने जाते मुख्यमंत्री योगी, साथ में अन्य। अमृत विचार

- लिगेसी वेस्ट से बने ईको पार्क और नौसढ़-मलौनी फोरलेन सड़क का लोकार्पण

प्रयागराज बना विदेशी मेहमानों की पहली पसंद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में बेहतर कानून-व्यवस्था और पर्यटन सुविधाओं के विस्तार के चलते विदेशी पर्यटकों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण प्रयागराज के रूप में सामने आया है, जहां वर्ष 2025 में 20,53,918 से अधिक विदेशी श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचे। इससे संगम नगरी की वैश्विक पहचान और मजबूत हुई है।

अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों की तुलना में प्रयागराज सबसे आगे रहा। वाराणसी में 3.21 लाख, मथुरा में 1.42 लाख और अयोध्या में 65 हजार से अधिक विदेशी पर्यटक पहुंचे। संगम, प्राचीन मंदिर, घाट और आध्यात्मिक वातावरण विदेशी मेहमानों को विशेष रूप से आकर्षित कर रहे हैं। सरकार के अनुसार, सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, बेहतर सड़क-परिवहन, एयरपोर्ट और रेलवे सुविधाओं में सुधार का सकारात्मक असर दिखा है। घाटों का सुंदरीकरण और आधुनिक व्यवस्थाओं ने भी आकर्षण बढ़ाया है। माघ मेला और कुंभ मेला जैसे आयोजनों के दौरान विदेशी पर्यटकों की संख्या और बढ़ जाती है।

- एक वर्ष में 20.53 लाख से ज्यादा विदेशी पर्यटक पहुंचे

दो संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार पाकिस्तान से जुड़े मिले तार

एटीएस ने नोएडा से दबोचा, पिस्तौल, कारतूस व मोबाइल बरामद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: एटीएस ने नोएडा से गुरुवार को दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से एटीएस ने पिस्तौल, पांच कारतूस, दो मोबाइल बरामद किया है। दोनों पाकिस्तान समर्थित नेटवर्क से जुड़कर देश में हिंसात्मक आंदोलन व सांप्रदायिक दंगा कराने की साजिश रच रहे थे। इसके लिए सोशल मीडिया पर कैंपेन चला रहे थे। जांच में सामने आया कि आरोपी आईएसआई समर्थित पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी व आबिद जट के सीधे संपर्क में थे। इन दोनों के इशारे पर युवकों को नेटवर्क से जोड़ रहे थे।

एटीएस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में मूलतः बागपत के रमाला का रहने वाला वर्तमान में मेरठ के कंकरखेड़ा में ठिकाना बनाए तुषार चौहान उर्फ हिजबुल्ला अली खान और दिल्ली के सन लाइट कालोनी सीमापुर का समीर खान शामिल हैं। इनपुट मिला था कि आईएसआई के इशारे पर कुछ पाकिस्तानी गैंगस्टर और कट्टरपंथी तत्व भारतीय युवाओं को इंस्टाग्राम व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए फंसाकर स्लीपर सेल तैयार करने में जुटे हैं।

तुषार समीर खान

- आईएसआई समर्थित पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी व आबिद जट के संपर्क में थे दोनों

टारगेटेड लोगों पर ग्रेनेड से हमला व हत्या का था निर्देश

पूछताछ में तुषार उर्फ हिजबुल्ला ने बताया कि सोशल मीडिया के जरिये पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में आया था। उसे टारगेटेड लोगों के घरों पर ग्रेनेड से हमला और हत्या करने के का निर्देश दिया गया था। इसके लिए 50 हजार रुपये एडवांस और काम पूरा होने पर ढाई लाख रुपये देने का लालच दिया गया था। पासपोर्ट बनवाकर दुबई के रास्ते पाकिस्तान भेजने की भी बात कही गई थी। शहजाद भट्टी ने इसको आईएसआई एजेन्ट मेजर हमीद, मेजर इकबाल, मेजर अनवर द्वारा भी टार्गेट दिये जाने की बात कही थी।

73 विद्यार्थियों ने किया अयोध्या धाम का भ्रमण

अमृत विचार, लखनऊ: राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में आदर्श माध्यमिक विद्यालय, जन भवन, लखनऊ के 73 विद्यार्थियों ने अयोध्या धाम का शैक्षिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण किया। इस यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और ऐतिहासिक विरासत से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ना रहा।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने श्रीराम लला मंदिर, श्रीराम दरबार, हनुमान गढ़ी और पावन सरयू नदी के दर्शन किए। इन स्थलों पर उन्हें भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, कर्तव्यनिष्ठा और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को समझने का अवसर मिला। सरयू तट का आध्यात्मिक वातावरण छात्रों के लिए विशेष रूप से प्रेरणादायक रहा। इसके अलावा विद्यार्थियों ने महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय का भी भ्रमण किया। यहां आयोजित व्याख्यान सत्र में उन्हें भारतीय ज्ञान परंपरा से परिचित कराया गया।

दर्शन...

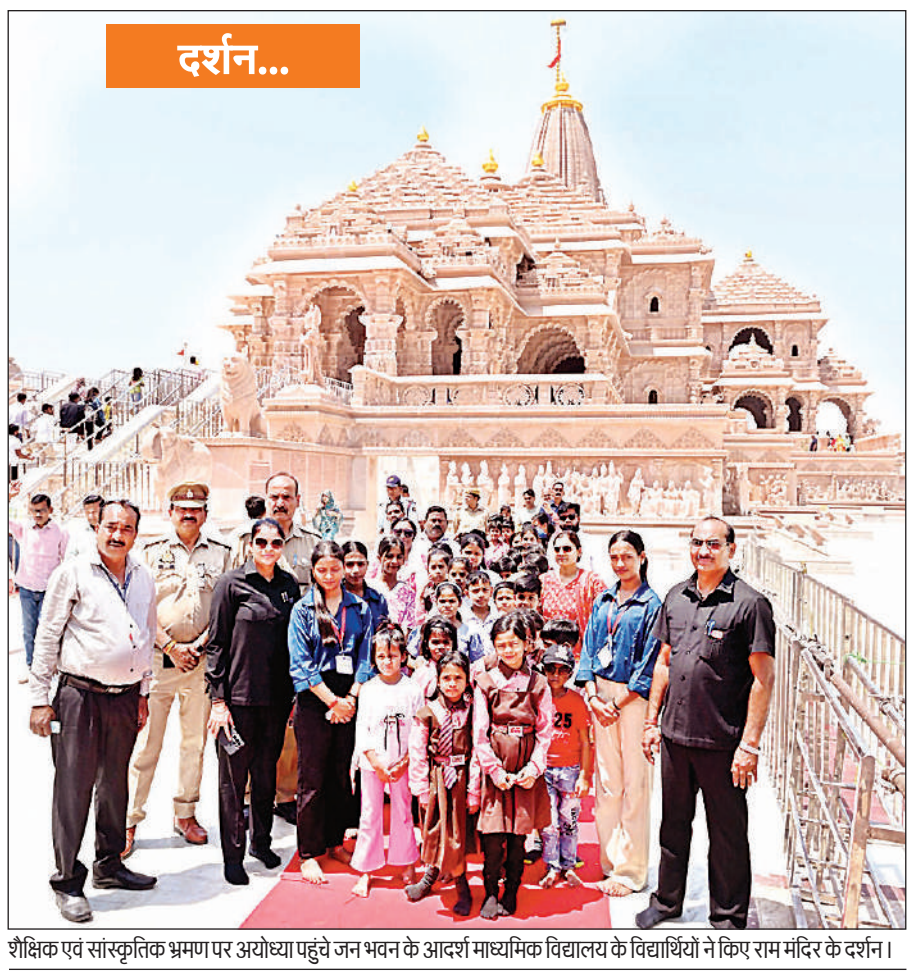

शैक्षिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण पर अयोध्या पहुंचे जन भवन के आदर्श माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने किए राम मंदिर के दर्शन।

महिलाओं को आरक्षण के साथ संरक्षण की जरूरत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में महिलाओं के साथ बलात्कार, हत्या और दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। महिलाओं को आरक्षण के साथ संरक्षण की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने महिलाओं के लिए कोई काम नहीं किया।

सपा प्रमुख गुरुवार को इटावा में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मीडिया से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सपा चाहती है कि जातीय जनगणना हो लेकिन भाजपा जातीय जनगणना नहीं कराना चाहती है। जातीय जनगणना होने के बाद समाज में शोषित, वंचित और पीछे छूट चुके लोगों को उनका हक और सम्मान मिल सकेगा। भाजपा सरकार बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा संविधान में दिए गए आरक्षण को नहीं दे रही है। भाजपा पीडीए विरोधी है।

एक सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधान सभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक हार होगी।

गंभीर एनीमिया पर मिलेगा 'वन डोज' उपचार

प्रदेश में आईवी-एफसीएम शुरू, 10 हजार से अधिक स्वास्थ्यकर्मी प्रशिक्षित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य सरकार ने गंभीर एनीमिया से ग्रसित गर्भवती महिलाओं के इलाज के लिए इंट्रावीनस फेरिक कार्बोक्सीमाल्टोज (आईवी-एफसीएम) उपचार शुरू करने की घोषणा की है। "एक डोज, दो जिंदगी का वरदान" थीम के साथ स्वास्थ्य विभाग और ग्लोबल हेल्थ स्ट्रेटजीज द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला में यह जानकारी दी गई। इस इलाज को उत्तर प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

6x6x6 मॉडल पर काम

राज्य में एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम 6x6x6 मॉडल पर संचालित हो रहा है, जिसमें छह लाभार्थी समूह, छह प्रमुख हस्तक्षेप और छह संस्थागत व्यवस्थाएं शामिल हैं। यह मॉडल प्रदेश के सभी 75 जिलों में लागू किया गया है।

समय पर जांच जरूरी

विशेषज्ञों ने कहा कि एनीमिया की समस्या अक्सर किशोरावस्था से शुरू होती है और गर्भावस्था में गंभीर रूप ले लेती है। इसलिए समय पर जांच, संतुलित पोषण और उपचार बेहद जरूरी है।

चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने बताया कि आईवी-एफसीएम की एक खुराक से गर्भवती महिलाओं में आयरन की कमी का तेज और प्रभावी उपचार संभव है। वर्ष 2026 में प्रदेश ने 3.7 लाख इंट्रावीनस आयरन डोज की उपलब्धता सुनिश्चित की है।

कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए 10 हजार से अधिक चिकित्सा अधिकारी और स्टाफ नर्सों को आईवी-एफसीएम सहित नवीन प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। साथ ही एएनएम, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से आयरन-फोलिक एसिड सप्लीमेंटेशन, डीवॉर्मिंग, पोषण परामर्श और जांच सेवाओं को मजबूत किया गया है।

परिवार कल्याण महानिदेशक डॉ. हरिदास अग्रवाल ने बताया कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के अनुसार गर्भवती महिलाओं में एनीमिया की दर 52 प्रतिशत से घटकर 46 प्रतिशत हो गई है।

मुंडन संस्कार के बीच पिता ने फंदा लगाकर दी जान

अमृत विचार, हरदोई : टड़ियावां थाना क्षेत्र के जगरौली गांव में बेटे के मुंडन संस्कार के बीच एक व्यक्ति ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया गया कि 42 वर्षीय शिवकुमार दिल्ली में ठेकेदारी करता था और छोटे बेटे का मुंडन कराने गांव आया था। बुधवार को कार्यक्रम में रिश्तेदार शामिल थे। इसी दौरान भोर में वह घर से निकल गया। काफी देर तक न मिलने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। बाद में गांव के पास खेत में यूकेलिप्टिस के पेड़ से गमछे के सहारे उसका शव लटका मिला। परिजनों के अनुसार आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

'अपार प्लस' से 2.68 करोड़ छात्रों को डिजिटल पहचान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को डिजिटल और पारदर्शी बनाने के लिए 'अपार प्लस' (एपीएएआर) मिशन तेजी से आगे बढ़ रहा है। अब तक 2.68 करोड़ से अधिक छात्रों की अपार आईडी जनरेट की जा चुकी है। 11 अप्रैल से शुरू हुआ यह अभियान 30 जून 2026 तक मिशन मोड में चल रहा है, जिसमें 4.24 करोड़ छात्रों को जोड़ने का लक्ष्य है।

बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने बताया कि इस योजना के तहत प्रत्येक छात्र को यूनिक डिजिटल पहचान दी जा रही है। इससे पढ़ाई, उपस्थिति, परीक्षा परिणाम और शैक्षणिक प्रगति का पूरा रिकॉर्ड एक ही प्लेटफॉर्म पर सुरक्षित रहेगा। आधार से लिंक होने के कारण पहचान प्रमाणित रहती है और स्कूल बदलने पर डेटा स्वतः ट्रांसफर हो जाता है। अभियान के तहत अब तक 63 प्रतिशत से अधिक लक्ष्य हासिल हो चुका है। सरकारी स्कूलों में 82 प्रतिशत से अधिक, सहायता प्राप्त विद्यालयों में 74.84 प्रतिशत और निजी विद्यालयों में 50.54 प्रतिशत प्रगति दर्ज की गई है।

अभियान को गति देने के लिए हर शनिवार विशेष कैंप आयोजित किए जा रहे हैं, जहां आधार सीडिंग और बायोमेट्रिक अपडेट की प्रक्रिया पूरी कराई जा रही है।

पैरामेडिकल कर्मियों की मांगों पर मंथन, समाधान की दिशा में पहल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित कुमार घोष ने स्वास्थ्य महानिदेशक को निर्देश दिए कि वे प्रतिदिन कर्मचारी संगठनों के साथ बैठक कर प्रस्ताव तैयार करें और शासन को भेजें, ताकि समयबद्ध तरीके से निर्णय लिए जा सकें। अगली बैठक शीघ्र आयोजित करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

अपर मुख्य सचिव गुरुवार को पैरामेडिकल के छह कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। एनेक्सी भवन में संपन्न बैठक में विभिन्न लंबित मांगों और समस्याओं पर विस्तृत चर्चा हुई, साथ ही आश्वासन दिया कि समस्याओं के समाधान के लिए हर 15 दिन में नियमित बैठक कर प्रगति की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि जब तक कर्मचारी संतुष्ट नहीं होंगे, तब तक अस्पतालों का संचालन सुचारु रूप से नहीं हो सकता।

बैठक में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के महामंत्री अतुल मिश्रा ने पैरामेडिकल कर्मचारियों से जुड़ी प्रमुख मांगों को उठाया। इनमें कैडर पुनर्गठन, वेतन विसंगतियों का समाधान, रिक्त पदों पर भर्ती और पदोन्नति, पदनाम परिवर्तन तथा जिला अस्पतालों के मेडिकल कॉलेज में उन्नयन के बाद समाप्त पदों पर कर्मचारियों के समायोजन जैसे मुद्दे शामिल रहे। इसके अलावा संविदा कर्मचारियों को नियमित नियुक्तियों में वेटेज देने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई।

- अपर मुख्य सचिव ने संगठनों के साथ की मैराथन बैठक
- कैडर पुनर्गठन व वेतन विसंगतियों पर हुई चर्चा

विस्तार

प्रदेश में सरकार ने शुरू की पहल, पीएनजी आपूर्ति बढ़ाने के निर्देश

पीएनजी के 2000 नए कनेक्शन रोज जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में घरेलू उपभोक्ताओं को पाइपलाइन के माध्यम से प्राकृतिक गैस (पीएनजी) उपलब्ध कराने और इसके उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने व्यापक पहल शुरू की है। वर्तमान में प्रदेश में औसतन प्रतिदिन लगभग 2000 नए पीएनजी कनेक्शन जारी किए जा रहे हैं।

भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बावजूद देश में पीएनजी की पर्याप्त उपलब्धता को देखते हुए भारत सरकार ने एलपीजी के स्थान पर पीएनजी कनेक्शन को प्राथमिकता देने पर जोर दिया है। इसी क्रम में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा 24 मार्च 2026 को पेट्रोलियम उत्पाद वितरण आदेश, 2026 जारी किया गया है। इसके अनुपालन में प्रदेश के मुख्य सचिव ने प्रदेश में पीएनजी आपूर्ति को तेजी से बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

प्रदेश में 12 सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीटी) कंपनियों द्वारा अधिकांश जिलों में पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार किया जा चुका है। भारत सरकार की अधिसूचना (14 मार्च 2026) के अनुसार, कोई भी उपभोक्ता एक साथ घरेलू एलपीजी और पीएनजी दोनों कनेक्शन नहीं रख सकेगा। जिन उपभोक्ताओं के पास दोनों कनेक्शन हैं, उन्हें अपना एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करना अनिवार्य होगा। साथ ही, पीएनजी उपभोक्ता भविष्य में एलपीजी कनेक्शन या सिलेंडर रिफिल भी नहीं ले सकेंगे।

- एलपीजी के स्थान पर पाइपलाइन गैस अपनाने पर जोर
- दोहरे कनेक्शन रखने वालों पर सख्ती के निर्देश

तीन महीने बाद बंद हो जाएगी एलपीजी आपूर्ति

अमृत विचार : जहां-जहां सीजीडी कंपनियों द्वारा पाइपलाइन बिछा दी गई है और गैस आपूर्ति संभव है, वहां उपभोक्ताओं को पीएनजी अपनाने के लिए रजिस्टर्ड पोस्ट या स्पीड पोस्ट के माध्यम से सूचित किया जा रहा है। संबंधित सूचना मिलने के बाद यदि उपभोक्ता पीएनजी कनेक्शन नहीं लेते हैं, तो तीन महीने की अवधि पूरी होने पर उनके पते पर एलपीजी की आपूर्ति बंद कर दी जाएगी। सीएनजी/पीएनजी कंपनियां मोहल्लों, कॉलोनियों और हाईराइज अपार्टमेंट्स में जाकर उपभोक्ताओं से संपर्क कर रही हैं और उन्हें पीएनजी कनेक्शन लेने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

पर्यटन क्षेत्र में स्टार्टअप क्रांति के लिए प्रदेश सरकार ने बनाई योजना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र को नई दिशा देने के लिए सरकार ने 'न्यू टूरिज्म स्टार्टअप यूनिट्स' पहल के तहत निवेशकों और युवाओं के लिए बड़े अवसर खोल दिए हैं।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस पहल के तहत ऐसे प्रोजेक्ट्स को प्रोत्साहित किया जाएगा, जो आधुनिक तकनीक, नवाचार और सतत विकास पर आधारित हों। इन परियोजनाओं को राज्य स्तरीय विशेष पर्यटन समिति (एसएलएसटीसी) के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा, जहां प्रोत्साहन और रियायतों का निर्धारण किया जाएगा।

अपर मुख्य सचिव पर्यटन अमृत अभिजात ने बताया कि सरकार का लक्ष्य पर्यटन क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाना है। वर्तमान में कुल रोजगार में पर्यटन की हिस्सेदारी 1.4 प्रतिशत है, जिसे 2047 तक बढ़ाकर 5 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रदेश में 'हॉबिट हाउस', जापानी शैली के कैप्सूल स्टे, रीजेनरेटिव टूरिज्म यूनिट्स, अत्याधुनिक कैरावान यूनिट्स और ओपन एयर 'स्टार बेड' जैसे अभिनव मॉडल विकसित करने की योजना है।

- न्यू टूरिज्म स्टार्टअप यूनिट्स से निवेशकों के लिए खुले नए अवसर

निवेशकों के लिए आकर्षक सुविधाएं

यूपी पर्यटन नीति के तहत निवेशकों को विभिन्न श्रेणियों में सब्सिडी दी जाएगी। 10 लाख से 10 करोड़ तक निवेश पर 25 प्रतिशत (अधिकतम 2 करोड़), 50 करोड़ तक 20 प्रतिशत (अधिकतम 7.5 करोड़), 200 करोड़ तक 15 प्रतिशत (अधिकतम 20 करोड़) और 500 करोड़ तक 10 प्रतिशत सब्सिडी का प्रावधान है। इसके अलावा 100 प्रतिशत स्टांप शुल्क और भूमि परिवर्तन शुल्क में भी छूट दी जाएगी। महिला और अनुसूचित जाति/जनजाति उद्यमियों को अतिरिक्त 5 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी।

कानपुर में वृद्धा की गला रेतकर हत्या के बाद बदमाशों ने की लूट

कल्याणपुर स्थित आवास विकास कॉलोनी में हुई वारदात, घटना के समय थीं अकेली

- पड़ोस में लगे सीसीटीवी में कैद हुए संदिग्ध महिला और पुरुष
- पुलिस ने तीन को हिरासत में लिया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

घर के बाहर छानबीन करती पुलिस। अमृत विचार

अमृत विचार: कल्याणपुर आवास विकास एक में बदमाशों ने गुरुवार दिनदहाड़े सेवानिवृत्त लेक्चरर के घर में घुसकर उनकी पत्नी का गला रेतकर हत्या करने के बाद लूटपाट की। घटना के समय वृद्धा घर में अकेली थीं।

सेवानिवृत्त लेक्चरर दवा लेने बाजार गए थे। जब बुजुर्ग लौटे तो कमरे में फर्श पर पत्नी का लहुलूहान शव पड़ा देखकर सन्न रह गए। घर में सामान बिखरा पड़ा था। अलमारियों के लॉकर टूटे मिले। जेवर व नकदी गायब थी। बाद में एडीसीपी और कल्याणपुर थाना प्रभारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की। डॉग स्क्वाड ने भी जांच की। तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। आवास विकास एक स्थित एच-1624 में सेवानिवृत्त हरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि गुरुवार दोपहर वह दवा लेने के लिए बाहर गए थे। करीब आधे घंटे बाद जब घर लौटे तो दरवाजा खुला मिला। भीतर जाकर देखा तो पत्नी का लहुलूहान शव फर्श पर पड़ा देखकर चीख पड़े। पूरे घर में सामान बिखरा पड़ा था। अलमारियों का लॉकर टूटा था। अंदर का दृश्य देखकर वह शोर मचाते हुए बाहर की तरफ भागे। मोहल्ले के लोगों के साथ ही पुलिस को हत्या व लूटपाट की जानकारी दी। एडीसीपी वेस्ट राकेश कुमार पांडेय, कल्याणपुर थाना प्रभारी फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। जांच में पता चला कि बदमाशों से निर्मला भिड़ी भी थीं।

नौकरानी व एसी मैकेनिक को उठाया

- डीसीपी के अनुसार हरेंद्र से पूछताछ में पता चला कि वारदात से करीब 30 मिनट पहले ही नौकरानी घर से निकली थी। वहीं गुरुवार को ही एसी की सर्विस के लिए भी दो मैकेनिक आए थे। इसी आधार पर नौकरानी और दोनों एसी मैकेनिक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। पता किया जा रहा है कि वारदात के समय आखिरकार तीनों की लोकेशन क्या थी। डीसीपी ने बताया कि जांच में कई अहम सुराग मिले हैं।

बैरिकेडिंग की रस्सी में फंसकर वृद्ध की मौत

कानपुर, अमृत विचार। बर्रा में सड़क निर्माण के दौरान बांधी गई रस्सी केडीए से सेवानिवृत्त सुपरवाइजर रंजीत सिंह (61) के लिए जानलेवा साबित हुई। उनकी बाइक इस रस्सी में उलझकर फिसल गई थी। इससे वह घिसटते चले गए। उनके सिर,चेहरे के साथ ही अंदरूनी चोटें आ गई थीं। अस्पताल में उनकी मौत हो गई। बर्रा रंजीत सिंह के परिवार में पत्नी शिवप्यारी और बेटे अजीत व शंकर हैं। बेटे शंकर ने बताया कि गुरुवार सुबह रंजीत गांव टिकरा बाइक से गए थे। लौटते समय घर से करीब एक किमी पहले रामगोपाल चौराहे के पास निर्माणाधीन सड़क पर लगी बैरिकेडिंग की रस्सी में उनकी बाइक फंस गई। इससे वह बाइक समेत काफी दूर तक घिसटते चले गए। उन्होंने अजीत को फोन कर मौके पर बुलाया। अजीत उन्हें निजी अस्पताल ले गए, जहां उपचार के बाद डॉक्टरों ने घर भेज दिया। घर पहुंचने के कुछ देर बाद ही उनकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन उन्हें तुरंत सर्वोदय नगर स्थित अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

कचहरी की पांचवीं मंजिल से कूदकर वकील ने दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार : कचहरी में गुरुवार दोपहर अधिवक्ता ने पांचवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। वकीलों की भीड़ लग गई। खबर पाकर डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता, एडीसीपी अंजलि विश्वकर्मा, एसीपी आशुतोष कुमार पहुंचे और कचहरी परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज चेक किया। जिसमें अधिवक्ता पांचवें खंड पर टूटी खिड़की की बाउंड्री पर बैठा दिखा। करीब 15 मिनट बाद वह कूद गया। अधिवक्ता के दो पेज के सुसाइड नोट में पिता के प्रति गहरी नाराजगी व नफरत दिखी। सुसाइड नोट में उसने निवेदन के साथ लिखा कि मेरी लाश को मेरे पापा छू भी न पाएं। मैं उन पर कोई कार्रवाई नहीं करना चाहता, ताकि मेरा परिवार बर्बाद न हो।

बर्रा आठ वरुण विहार निवासी अधिवक्ता राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव का 23 वर्षीय बेटा प्रियांशु पिता के साथ प्रैक्टिस करता था। गुरुवार दोपहर प्रियांशु कचहरी की पांचवी मंजिल पर पहुंचा, जहां टूटी खिड़की की बाउंड्री पर बैठ गया। करीब 15 मिनट तक खिड़की के पास बैठा रहा और फिर कूदकर जान दे दी।

आवाज सुनकर अधिवक्ताओं की भीड़ लग गई। साथी अधिवक्ता पुलिस के साथ उसे उर्सला ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रियांशु के मोबाइल में दो पेज का सुसाइड नोट पुलिस को मिला। पुलिस जांच में सामने आया कि सुसाइड से पहले करीब 12 बजे उसने दो पेज का सुसाइड नोट लिखा। आत्महत्या से 21 मिनट पहले व्हाट्सएप स्टेटस पर सुसाइड नोट लगाया। जिसे अपने पिता व दोस्तों को भी फारवर्ड किया। जब तक परिजन व दोस्त सुसाइड नोट पढ़ते उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मोबाइल कब्जे में लिया है।

घर से जेवर-नकदी चोरी

बाराबंकी, अमृत विचार : सुबेहा क्षेत्र के सिंधियावा गांव में 8बुधवार रात चोर एक घर से जेवर और नकदी उठा ले गए।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली निविदा" आमंत्रित करते हैं:–

क्रम सं.-1, कार्य का नाम: पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मण्डल में रेलों, स्टाक रेल के फ्लैंज तथा एसईजे/आईएसईजे के टंगरेल का यू०एस०एफ०डी० परीक्षण। ई–निविदा सूचना सं.: एनईआर–बीएसबी–2026-19, अनुमानित लागत (रू०में): ₹ 2,04,18,104/- अमानत राशि (बिड सिक्यूरिटी) (रू०में): ₹ 4,08,400/-, निविदा बन्द होने की तिथि: 15-05-2026, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 10 माह। **क्रम सं.-2**, कार्य का नाम: मई/सामान्य/वाराणसी कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत टिम्बल गेडो वोरस ट्राली पद्धति या इसी तरह के उपकरण प्रणाली का उपयोग करके प्री टैम्पिंग/पोस्ट टैम्पिंग माप द्वारा ट्रैक ज्यामिति का कार्य। ई–निविदा सूचना सं: एनईआर–बीएसबी–2026-20, अनुमानित लागत (रू०में): ₹ 92,12,738/- अमानत राशि (बिड सिक्यूरिटी) (रू०में): ₹ 1,84,300/-, निविदा बन्द होने की तिथि: 15-05-2026, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 09 माह। **क्रम सं.-3**, कार्य का नाम: मऊ–शाहगंज अनुभाग:– फरिहा–सरायमीर के मध्य एलएचएस संख्या 45 सी तथा सरायमीर–खोरासनरोड के मध्य एलएचएस संख्या 52 सी पर कवर शेड का प्रावधान। ई–निविदा सूचना सं.: एनईआर–बीएसबी–2026-21, अनुमानित लागत (रू०में): ₹ 93,85,004/-, अमानत राशि (बिड सिक्यूरिटी) (रू०में): ₹ 1,87,700/-, निविदा बन्द होने की तिथि: 15-05-2026, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 04 माह। **क्रम सं.-4**, कार्य का नाम: समइ/पूर्व/मऊ कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत एलएचएसडब्लू से सचिंत पानी की निकासी का कार्य। ई–निविदा सूचना सं.: एनईआर–बीएसबी–2026-22, अनुमानित लागत (रू०में): ₹ 76,49,788/-, अमानत राशि (बिड सिक्यूरिटी) (रू०में): ₹ 1,53,000/-, निविदा बन्द होने की तिथि: 15-05-2026, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 12 माह। **क्रम सं.-5**, कार्य का नाम: समइ/लाइन/वाराणसी कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत एलएचएसडब्लू से सचिंत पानी की निकासी का कार्य। ई–निविदा सूचना सं: एनईआर–बीएसबी–2026-23, अनुमानित लागत (रू०में): ₹ 26,88,895/-, अमानत राशि (बिड सिक्यूरिटी) (रू०में): ₹ 53,800/-, निविदा बन्द होने की तिथि: 15-05-2026, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 12 माह।

• निविदा सूचना संख्या एनईआर-बीएसबी-2026-19 से एनईआर-बीएसबी-2026-23 दिनांक 15-05-2026, को 14:30 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट ***www.ireps.gov.in*** पर देखे। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी.),
मुजाधि/डब्लू-42 **वाराणसी**

गाड़ियों की छतों व पायदानों पर कदापि यात्रा न करें।

फर्जी आईटीसी घोटाले में 10.13 करोड़ की धोखाधड़ी, आरोपी गिरफ्तार

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

- अंसारी ट्रेडर्स निकली फर्जी, कूटरचित दस्तावेजों से लिया गया था टैक्स क्रेडिट
- पुलिस मामले की पूछताछ में जुटी

अमृत विचार। उपायुक्त राज्य कर सुनील कुमार सिंह ने बताया कि जनपद अंबेडकरनगर के राम जानकी मंदिर रोड शहजादपुर स्थित पते पर पंजीकृत फर्म अंसारी ट्रेडर्स की जांच राज्य कर अधिकारी खंड-1 द्वारा की गई। जांच के दौरान उक्त पते पर कोई भी फर्म संचालित नहीं पाई गई। साथ ही फर्म के पंजीकरण में संलग्न दस्तावेज भी कूटरचित पाए गए।

मामले में राज्य कर अधिकारी खंड-1 द्वारा कोतवाली अकबरपुर में मुकदमा दर्ज कराया गया था। कार्रवाई के क्रम में अंबेडकरनगर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 10.13 करोड़ रुपए की फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट आईटीसी का लाभ लेने में संलिप्त आरोपी विनोद कुमार पुत्र मोहित राम निवासी पंजाबी बस्ती बलजीत नगर दिल्ली को गिरफ्तार कर लिया है। उपायुक्त ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है। संभावना जताई जा रही है कि पूछताछ के दौरान इस फर्जीवाड़े में शामिल अन्य आरोपियों का भी खुलासा हो सकता है।

रायबरेली में गंगा में डूबने से 3 की मौत

सरेनी (रायबरेली)

अमृत विचार। सरेनी थाना क्षेत्र के रानीखेड़ा गांव में गुरुवार को एक दुर्घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए निसगर गंगा नदी में स्नान करने गए गांव के तीन युवक अचानक गहरे पानी में डूब गए और काल के गाल में समा गए। घटना की खबर मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई और गंगा घाट पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने तीनों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

सरेनी थाना क्षेत्र के रानीखेड़ा गांव के हरिओम, हरिशंकर और सतेंद्र अन्य युवकों के साथ भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए निसगर गंगा नदी में नहा रहे थे।

सरेनी के रानीखेड़ा गांव में मृतक के गमगीन परिजन। अमृत विचार

इसी दौरान अचानक तेज बहाव और गहराई का अनुमान न होने के कारण हरीशंकर का संतुलन बिगड़ा और वह डूबने लगा। उसे बचाने के प्रयास में सतेंद्र व हरीओम भी गहरे पानी में चले गए। देखते ही देखते तीनों नदी की धारा में लापता हो गए। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से तलाश अभियान शुरू कराया। घंटों की मशक्कत के बाद गोताखोरों ने तीनों युवकों को पानी से बाहर निकाला और जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां हरीओम, हरीशंकर पुत्र बाबूशंकर और सतेंद्र पुत्र देशराज को मृत घोषित कर दिया। इस खबर के मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। अस्पताल परिसर में चीख-पुकार और विलाप का माहौल छा गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

जहरीला पदार्थ खा युवक ने दी जान

कानपुर, अमृत विचार : चकेरी में पार्क में बेसुध मिले युवक को परिजन अस्पताल ले गए। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा। महाराजपुर के अलौलापुर निवासी 43 वर्षीय धर्मपाल किसानी करते थे। परिवार में पत्नी ज्ञानवती, बेटी महक हैं। भाई हरनाम सिंह ने बताया कि धर्मपाल के मामिया ससुर की मौत हो गई थी। इसलिए मंगलवार को वह गंगापार गए थे। बुधवार शाम को वहां से लौट रहे थे। चकेरी पार्क में उन्हें बेसुध पड़ा देखकर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। खबर पाकर पहुंचे परिजन उसे हैलट ले गए। जहां इलाज के दौरान देर रात धर्मपाल की मौत हो गई। पुलिस जांच कर रही है।

एटीएम फ्रॉड गैंग का पर्दाफाश, 3 बंदी

संवाददाता, सुलतानपुर

पुलिस की गिरफ्त में तीनों शातिर। अमृत विचार

- नौ एटीएम कार्ड 24 हजार नकद व चोरी की बाइक बरामद

अमृत विचार: कोतवाली नगर पुलिस ने चोरी और एटीएम धोखाधड़ी में संलिप्त अंतर्जनपदीय गिरोह के तीन शातिर सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक चारू निगम के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत सौरमऊ बाईपास सर्विस लेन के पास से इनकी गिरफ्तारी की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मो. आकिब, मोहम्मद सारिफ और मोहम्मद फरहान के रूप में हुई है, जो प्रतापगढ़ जनपद के निवासी हैं। तीनों सुलतानपुर के विभिन्न थानों में दर्ज कई मामलों में वांछित चल रहे थे। पुलिस ने इनके पास से 9 एटीएम कार्ड, 24,400 रुपये नकद और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह एटीएम कार्ड बदलकर और धोखाधड़ी कर लोगों के खातों से रकम निकालता था। इनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार राय समेत पुलिस टीम की अहम भूमिका रही। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जेवर बनवाने को दिये 11.50 लाख रुपये ज्वैलर्स ने हड़पे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार : बेकनगंज में युवती ने जेवर बनवाने के नाम पर ज्वेलर्स पर 11.50 लाख रुपये हड़पने की रिपोर्ट कराई है। दलेलपुरवा की नजमुश अंसारी ने दी तहरीर में बताया कि दिसंबर 2025 में वह अपनी शादी के लिए सोने-चांदी के जेवर की खरीदारी करने न्यू रहनुमा ज्वेलर्स तलाक महल पहुंची थी।

जहां दुकान मालिक मो. नदीम से 70 ग्राम सोने के सिक्के और दो किलो चांदी का सौदा 12.39 लाख रुपये में तय हुआ। बीती 11 दिसंबर को एक लाख रुपये ट्रांसफर किया। इसके बाद बाकी की रकम 6.50 लाख व चार लाख रुपये नदीम ने अपने कर्मचारी अहमद फराज व मो. आकिल के नाम चेक कटवाई। भुगतान के बाद ज्वेलर्स ने न तो जेवर दिया और न ही पैसे लौटाए। 10 फरवरी को उसके घर गईं। जहां उसकी पत्नी अफसाना रईस, बेटा राफे, साली जुगनू, भाई तस्लीम उर्फ राहिल व वसीम और बहनोई लईक ने गाली-गलौज कर अभद्रता की। आरोप है कि थाने में सुनवाई न होने पर डीसीपी सेंट्रल से न्याय की गुहार लगाई।

सूचना

सूचित हो कि मेरी टू इयर डिप्लोमा कोर्स इन फार्मेशी की परीक्षा 2014 की कॉलेज से प्राप्त डिग्री वास्तव में कहीं खो गयी है। मुझे उपरोक्त फार्मेशी की डिग्री की आवश्यकता है। अतः मुझे उक्त डिग्री की द्वितीय प्रति जारी की जाये। **तृप्ती तिवारी पत्नी व्योम शर्मा निवासिनी– क–4/6, आनंदेश्वर मंदिर, कल्प सिटी, बिजनौर, लखनऊ, उ0प्र0।**

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-आक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोनः लखनऊ-पू०उ०रे०-मण्डल-वाणिज्य/पू०उ०रे०, **नीलामी सूची सं०/लॉट सं०:** Catg-LJND-06-26, **नीलामी सूची प्रकाशन तिथिः** 17-04-2026 समय 19:39 बजे, **नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट):** 04-05-2025 समय 12:00 बजे। **नीलामी बन्द करने की तिथि व समयः** 04-05-2026 समय 12:50 बजे। **नीलामी का प्रकारः** Close Ended, **वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता हैः** E-Auction Module of ***www.ireps.gov.in***

सहायक वाणिज्य प्रबन्धक,
मुजाधि/वाणिज्य–18 **लखनऊ**

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें।

NOTICE

I Ram Prahlad Gupta S /O Late Munni Lal Gupta R/O 128/543/29 ,128 K Block ,Kidwai Nagar Kanpur , Utttar Pradesh MY RECEIPT NO. 1167189 DATED 08 April 2015 AMOUNT 3,00,000/-
RECEIPT NO. 1344633 DATED 08 Dec 2016 AMOUNT 5,20,097/-
RECEIPT NO. 1616300 DATED 18 May 2018 AMOUNT 20,141/-
RECEIPT NO. 1616299 DATED 03 Jan 2018 AMOUNT 1,68,553/-
RECEIPT NO. 1640848 DATED 18 May 2018 AMOUNT 5,29,784/-
RECEIPT NO. 1884055 DATED 30 Mar 2022 AMOUNT 2,40,675/-
Agreement dated 26.04.2016 AGAINST CUSTOMER ID : ORLS-728 unit no Ripple D 404 RESPECTIVELY ISSUED BY M/S Omaxe Ltd IS MISPLACED SOMEWHERE ANY PERSON WHO FINDS IT PLEASE RETURN IT TO **OMAXE LTD AT – OMAXE LTD CYBER TOWER 2ND FLOOR TC-34/V2,VIBHUTI KHAND, GOMTI NAGAR LUCKNOW OR CALL NO 9935092305**

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रानिक निविदा ई प्रणाली के अन्तर्गत
मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, आलमबाग, लखनऊ–226005 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मद के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है–

क्रम संख्या	निविदा सं0	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	51265187	"Centre Lathe for Axle turning of LHB Wheel" as per specification attached (Cost of Basic machine only).	1 Nos.	20.05.2026

निविदा शर्तें : 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। टेंडर नोटिस संख्या–**51265187** दिनांक– **22.04.2026** **1342/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरे बीमा पालिसी नम्बर–22738243 में मेरा नाम प्रहलाद है तथा प्रहलाद यादव व प्रहलाद एक ही व्यक्ति का नाम है मुझे इसी दोनो नामो से जाना व पहचाना जाता है। **प्रहलाद यादव पुत्र लक्ष्मीनरायन शिवपुर महन्थ सहतूजोत परा. तह. उतरौला जिला–बलरामपुर**

सूचना

मेरा आधार कार्ड में नाम संतोष कुमार पुत्र देवी दयाल पता ग्राम सरौट पुखरायां भोगनीपुर कानपुर देहात अंकित है जो शुद्ध और सही है। मेरे इसी सही नाम संतोष कुमार पुत्र देवी दयाल को विधिक व विभागीय मान्यता प्रदान की जाए। **संतोष कुमार पुत्र देवी दयाल पता– ग्राम सरौटा पुखरायां भोगनीपुर कानपुर देहात।**

सूचना

मैने अपने पुत्र सुधीश, पुत्रवधू पूनम और दूसरी पुत्रवधू रीमा से उनके गलत और असामाजिक व्यवहार और बेजा आचरण के चलते हर तरह के संबंध विच्छेदित कर लिए हैं। उन्हें चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। अब उनसे कोई सरोकार या वास्ता नहीं है। **ओम प्रकाश पुत्र राम औतार निवासी – ग्राम पौताम्बर पुर पोस्ट लालपुर सेकंड कानपुर देहात**

सूचना

मैने अपना नाम SHAIKH NIYAZ AHMED NOHAMED ALI से बदलकर NIYAZ AHMAD ABBASI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O-MOHD ALI ABBASI ADD-211P/Z/4D KASARI MASARI KARAILI SADAR GTB NAGAR ALLAHABAD PRAYAGRAJ-211016(U.P.)

सूचना

मैं अनीस अहमद (ANEES AHMAD) आयु लगभग 50 वर्ष पुत्र जहूर अहदम निवासी 475/42, सीतापुर रोड, शिया कालेज के पास, कदम रसूल, निराला नगर जिला –लखनऊ उ0प्र0–226020 का हूँ। मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड व अन्य दस्तावेजों पर मेरा नाम अनीस अहमद (ANEES AHMAD) अंकित है एवं पासपोर्ट पर त्रुटिवश मोहम्मद अनीस अहमद (MOHAMMAD ANEES AHMAD) अंकित है। उक्त दोनों नाम मेरे ही हैं। भविष्य में मुझे अनीस अहमद (ANEES AHMAD) के नाम से जाना व पहचाना जाये।

सूचना

मैं **श्रीकान्त मिश्र पुत्र राधेश्याम मिश्र निवासी डी–164 डी0एल0एफ0 गार्डन सिटी, रायबरेली रोड, जिला लखनऊ,** प्लाट संख्या SC2-11, डीएलएफ गार्डन सिटी लखनऊ की आवंटी शोभा मिश्रा की मृत्यु 24/02/2024 के उपरान्त उक्त प्लाट SC2-11 आलोक रंजन मिश्रा, आशुतोष मिश्रा के नाम हो रहा है। अगर किसी को आपत्ति हो तो 21 दिन के अन्दर सम्पर्क करें।

सूचना

मेरा पुत्र राज कुमार उर्फ पुष्पेन्द्र का आचरण मेरे व परिवार के प्रति सही नहीं है। इस लिये मैं अपने पुत्र को अपनी चल व अचल सम्पत्ती से बेदखल कर रहा हूँ। मेरे पुत्र का किसी भी व्यक्ति से लेन देन होगा। वह स्वयं जिम्मेदार होगा। **विजय राजपूत पुत्र नाथूराम निवासी– नकरा, थाना–पनवाड़ी जिला महोबा उ0प्र0**

सफलता पाकर खुश छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

कृष्णा पब्लिक स्कूल के बच्चों का बेहतर प्रदर्शन

लखनऊ, अमृत विचार : कृष्णा पब्लिक स्कूल के छात्रों ने यूपी बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है तथा शैक्षिक उत्कृष्टता की परंपरा को आगे बढ़ाया है। कक्षा 12 मे आदित्य ने 85 .6 व अभय 85 % अंक प्राप्त किये। वर्तमान में, कृष्णा पब्लिक स्कूल की सभी शाखाएं एलएम यादव स्पष्ट दृष्टिकोण से संचालित होती हैं। उन्होंने सभी सफल छात्र-छात्राओं को मिठाई खिलाकर उनकी सफलता पर बधाई दी।

हादसों में डॉक्टर समेत दो की मौत

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : दो अलग-अलग सड़क हादसों में एक निजी चिकित्सक समेत दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों मामलों में पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सिद्धौर प्रतिनिधि के अनुसार घटना कोठी थाना क्षेत्र में हैदरगढ़-बाराबंकी मार्ग पर हुई। इसरौली सारी गांव निवासी रजनीश वर्मा 30 जो पेशे से फिजियोथेरेपिस्ट थे, गुरुवार सुबह अपनी प्लैटिना बाइक से हैदरगढ़ जा रहे थे। तभी कोठी कस्बे के पास एक अज्ञात दूध टैंकर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी और उन्हें रौंदते हुए निकल गया। हादसा इतना भीषण था कि रजनीश करीब 20 फीट दूर जा गिरे और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और यातायात बहाल कराया। इंस्पेक्टर धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। वहीं दूसरी घटना बाराबंकी लखनऊ मार्ग पर बुधवार देर रात हुई। लखनऊ के थाना चिनहट क्षेत्र में गोयला निवासी विजय सिंह गौतम (40) देर रात करीब साढ़े 10 बजे गदिया से मुबारकपुर पैदल जा रहे थे, भुईहारा मोड़ के पास उन्हे अज्ञात वाहन ने कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

वह मजदूरी करते थे और दो दिन पहले गदिया गांव में अपने साढ़ रामबिलास की बेटी की शादी में आए थे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं इस घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया।

फिज़िक्सवाला ने टॉपर्स की सफलता पर जश्न मनाया

लखनऊ, अमृत विचार : फिज़िक्सवाला विद्यापीठ केंद्रों पर उत्सव का माहौल देखने को मिला, जहां हाल ही में घोषित जेईई मेन 2026 सेशन 2 परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉपर छात्रों की सफलता का जश्न मनाया गया। शीर्ष स्कोरर्स में मुंबई के भायंदर के छात्र साहिल प्रधान शामिल रहे, जिनकी ऑल इंडिया रैंक (AIR) 94 है। सिद्धार्थ एस (99.83 - AIR 2658), वहेब अब्बास (99.82 - AIR 2993) और कृष्णा पांडेय (99.81 - AIR 3009) लखनऊ के पीडब्ल्यू विद्यापीठ के शीर्ष छात्रों में शामिल थे अलख पांडे, शिक्षक, संस्थापक एवं सीईओ ने कहा कि हम जेईई मेन 2026 में शामिल होने वाले सभी छात्रों पर गर्व करते हैं।

आग से छप्पर के 5 घर जले

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : क्षेत्र के ढेखवामाफी गांव में गुरुवार दोपहर आग लगने से पांच छप्परनुमा मकान जल गए। इस घटना में जसकरण और उनके चार बेटों के घरों का हजारों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। एक भैंस का पड़वा भी झुलस गया।

तेज हवा के कारण आग तेजी से फैली और जसकरण तथा उनके बेटों मखनु, छोटू, कमलू और रमेश के छप्परनुमा मकानों को अपनी चपेट में ले लिया। आग की चपेट में आने से इन सभी परिवारों का राशन, घर-गृहस्थी का सामान, जेवर और अन्य कीमती वस्तुएं पूरी तरह नष्ट हो गईं। पीड़ित परिवारों को हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। फायर ब्रिगेड टीम के प्रभारी रामसनेही ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया गया।

कार्यालय, निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक, डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी(सिविल) चिकित्सालय, लखनऊ।

पत्रांक–एस0पी0एम0/नीलामी/2026–27/526 दिनांक– 21 अप्रैल, 2026

नीलामी सूचना

इस कार्यालय के पत्रांक–एस0पी0एम0/नीलामी/2025–26/3536 दिनांक 16.01.2026, पत्रांक–एस0पी0एम0/विज्ञप्ति/2025–26/4763 दिनांक 12.02.2026, पत्रांक–एस0पी0एम0/नीलामी/2025–26/5838 दिनांक 06.03.2026 के द्वारा चिकित्सालय के विभिन्न विभागों के निष्प्रयोज्य फर्नीचर एवं उपकरणों की नीलामी प्रक्रिया पूर्ण की गई, किन्तु नीलामी कमेटी के सदस्यों द्वारा निर्धारित धनराशि पर प्रतिभागियों द्वारा बोली नहीं गयी थी। जिससे निष्प्रयोज्य उपकरणों की नीलामी नहीं हो सकी। उक्त को दृष्टिगत रखते हेतु कमेटी के सदस्यों द्वारा धनराशि में आंशिक संशोधन करते हुये पुनः नीलामी प्रक्रिया पूर्ण किये जाने हेतु निर्णय लिया गया है।

उपरोक्त के क्रम में पुनः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि चिकित्सालय के निष्प्रयोज्य फर्नीचर एवं उपकरणों की नीलामी विवरण सूची के अनुसार दिनांक–30.04.2026 (दिन गुरूवार) प्रातः 12:00 बजे कार्यालय, निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक, डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी(सिविल) चिकित्सालय, लखनऊ के सभागार में नीलामी समिति के समक्ष आयोजित की जायेगी।

शेष नियम व शर्ते पूर्व की भांति रहेगी।

UP-250348 दिनांक 22.04.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक,
डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल)
चिकित्सालय, लखनऊ।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

जिला प्रशासन और एसएसबी के अधिकारियों ने की चर्चा

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ व उपजिलाधिकारी शोहरगढ़ द्वारा एसएसबी व सीमा शुल्क इकाई के साथ बार्डर निगरानी व पेट्रोल की बढ़ती समस्याओं के संबंध में वार्ता की। अधिकारियों ने ऑपरेशन कवच के उद्देश्यो पर चर्चा की। किसी भी अवैध गतिविधियों इत्यादि के सम्बंध में तुरन्त सूचना देने को कहा गया। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक थाना ढेबरुआ दुर्गा प्रसाद व थाना ढेबरुआ के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

करंट की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

संतकबीरनगर, अमृत विचार। धनघटा थाना क्षेत्र के सिरसी में गुरुवार को करंट की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। परिजन आनन-फानन में उसे सीएचसी मलौली ले गए, जहां देखते ही डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना से पीड़ित परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था। पोस्टमार्टम हाऊस आए लोग भी गमगीन थे।

देवीशंकर राय की फाइल फोटो।

धनघटा क्षेत्र के सिरसी गांव के रहने वाले 50 वर्षीय देवीशंकर राय पुत्र रामअधार गुरुवार को टुल्लू पंप का तार जोड़ते दौरान करंट की चपेट में आ गए। आनन-फानन में परिजन उन्हें सीएचसी मलौली ले गए, जहां देखते ही डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर एसओ दिलीप सिंह अपने सहयोगी एसआई सुरेंद्र यादव के साथ मौके पर पहुंच गए और घटना की जानकारी जुटाई। एसओ दिलीप सिंह ने बताया कि पूछताछ में पता चला कि बुधवार को देवीशंकर राय के चचेरे भाई उमेश राय का ब्रह्मभोज कार्यक्रम था। उन्हीं की बरखी कार्यक्रम की तैयारी चल रही थी। देवीशंकर राय टुल्लू पंप से पानी का छिड़काव करने के लिए तार जोड़ रहे थे और करंट की चपेट में आ जाने से उनकी मौत हो गई। देवीशंकर राय तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। घटना से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था।

प्रेम संबंध के नाम पर युवती से धोखाधड़ी

बरेली, अमृत विचार: युवती के साथ प्रेम संबंध के नाम पर धोखाधड़ी, अश्लील स्क्रीनशॉट के जरिए ब्लैकमेलिंग और दहेज मांगने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आरोपी ने झूठी पहचान से उसे अजाल में फंसाया और वीडियो कॉल के दौरान आपत्तिजनक स्क्रीनशॉट ले लिए। पीड़िता के अनुसार आरोपी ने खुद को एक संपन्न परिवार से जुड़ा बताया और शादी का प्रस्ताव देकर उसका विश्वास जीता। बाद में जब परिजनों ने जांच की तो उसकी असलियत सामने आ गई और पता चला कि वह किसी बड़े कारोबारी परिवार से नहीं, बल्कि सामान्य नौकरी कर रहा है। सच्चाई उजागर होने के बाद आरोपी और उसके परिजनों ने कथित तौर पर 5 लाख रुपये की मांग रख दी।

हाईस्कूल में मेधावियों ने लहराया मेधा का परचम, कलीम जिला टॉपर

संवाददाता, संतकबीरनगर।

खलीलाबाद इंटर कॉलेज के छात्र मोहम्मद कलीम शाह को 10वीं की परीक्षा में सर्वाधिक अंकों के साथ उत्तीर्ण करने पर मिठाई खिलाकर स्वागत करते शिक्षक।

अमृत विचार। यूपी बोर्ड हाईस्कूल परीक्षा परिणाम में इस बार जिले के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर नई मिसाल कायम की है। मेधावी छात्र-छात्राओं के घरों में जश्न का माहौल रहा और परिजनों ने मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की।

खलीलाबाद इंटर कॉलेज के छात्र मोहम्मद कलीम शाह ने 574 अंक (95.67 प्रतिशत) हासिल कर जिले में पहला स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय के साथ-साथ पूरे क्षेत्र में गौरव का माहौल है। वहीं, सहजान इंटर कॉलेज उड़सरा की छात्रा फातिमा खातून ने 572 अंक (95.33 प्रतिशत) के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज, गागरगाढ़ के छात्र आलोक यादव ने 571 अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान अपने नाम किया। मेरिट सूची में चौथे स्थान पर 95 प्रतिशत अंकों के साथ संयुक्त रूप से मोहम्मद सदीक व किशन वर्मा रहे। पांचवें स्थान पर रोहित चौरसिया और अंशिका यादव, जबकि छठवें स्थान पर दिव्या और शिखा यादव ने जगह बनाई। सातवें स्थान पर संयुक्त रूप से अदीबा खातून, शिवांगी और यशस्विनी मिश्रा रहीं। आठवें स्थान पर युवराज, जबकि नौवें स्थान पर सूरज (94 प्रतिशत) रहे। दसवें स्थान पर 93.67 प्रतिशत अंकों के साथ संयुक्त रूप से आंचल और रागिनी ने स्थान प्राप्त किया।

12वीं में पूनम रहीं अव्वल, प्रवीण दूसरे व आर्या रहीं तीसरे स्थान पर

संतकबीरनगर, अमृत विचार। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने गुरुवार शाम चार बजे इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया। इस बार जिले में छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टॉप-10 सूची में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित होते ही जिले भर में मेधावी छात्रों के घरों पर खुशी की लहर दौड़ गई। अभिभावकों और शिक्षकों ने मिठाई खिलाकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। श्री हरिवंश इंटर कॉलेज, कोदवट की विज्ञान वर्ग की छात्रा पूनम यादव ने 94.40 प्रतिशत अंक (472/500) प्राप्त कर जिले में पहला स्थान हासिल किया। परिणाम घोषित होते ही उनके घर में जश्न का माहौल रहा। पूनम यादव ने बताया कि वह आगे चलकर इंजीनियरिंग की पढ़ाई करना चाहती है। बताया कि उन्होंने यह अंक पाने के लिए जब भी समय मिलता था वह अपनी पढ़ाई में जुड़ जाती थी। उसने कभी घड़ी के समय को देखकर पढ़ाई नहीं की। पूनम ने सर्वाधिक भौतिक विज्ञान में 96% अंक प्राप्त किया है। पूनम ने अपनी सफलता का श्रेय अभिभावक और शिक्षकों को दिया है। पंडित शिव गोपाल उपाध्याय इंटर कॉलेज, भिटनी के छात्र प्रवीण सिंह ने 92 प्रतिशत अंक के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज,

यूपी बोर्ड परीक्षा इंटरमीडिएट में जिले की टॉपर पूनम यादव को माला पहनाकर सम्मानित करते शिक्षक और अभिभावक।

गागरगाढ़ की छात्रा आर्या त्रिपाठी 90.80 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। चौथे स्थान पर रमवापुर सरकारी की छात्रा निशा रहीं, जिन्होंने 90.40 प्रतिशत अंक हासिल किए। एबीआरएल गिठनी की छात्रा आरुषी चौधरी 90.20 प्रतिशत अंकों के साथ पांचवें स्थान पर काबिज रहीं। राजकीय इंटर कॉलेज, धनघटा की छात्रा आंचल ने 89.60 प्रतिशत अंक पाकर छठा स्थान प्राप्त किया। वहीं स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज, धनघटा के छात्र शिवम 89.40 प्रतिशत अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहे।

गंभीर अपराधों में दोषसिद्धि टिकाऊ नहीं : हाईकोर्ट

हत्या के मामले की सुनवाई करते हुए जज ने कहा, साक्ष्यों का संदेहरहित व विश्वसनीय होना जरूरी

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक हत्या मामले में महत्वपूर्ण वैधानिक व्याख्या करते हुए कहा कि हत्या जैसे गंभीर अपराध में केवल किसी सामान्य वस्तु, जैसे शॉल की कथित पहचान के आधार पर दोषसिद्धि नहीं की जा सकती है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि परिस्थितिजन्य साक्ष्य के मामलों में प्रत्येक परिस्थिति ठोस, विश्वसनीय और संदेह से परे सिद्ध होनी चाहिए। समूची श्रृंखला इतनी पूर्ण हो कि आरोपी के दोषी होने के अतिरिक्त कोई दूसरा निष्कर्ष संभव न रहे। यदि अभियोजन की मुख्य कड़ी ही संदिग्ध, कमजोर या अविश्वसनीय हो, तो सजा कानून की कसौटी पर टिक नहीं सकती। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा तथा न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने राम भवन हरिजन की आपराधिक अपील स्वीकार करते हुए पारित किया।

मामले में वर्ष 2021 में पुलिस स्टेशन लालापुर, प्रयागराज में आईपीसी की धारा 363 के तहत अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई। बाद में जांच के दौरान याची को आरोपी बनाते हुए उसके विरुद्ध आईपीसी की धारा 302 और 201 में आरोपपत्र दाखिल किया गया। ट्रायल कोर्ट ने 18 अप्रैल 2025 को उसे दोषी ठहराते हुए उम्रकैद तथा जुर्माने की सजा सुनाई थी। मामले के अनुसार शिकायतकर्ता मुकेश उर्फ वीरेंद्र की पांच वर्षीय पुत्री मोहिनी 27 जुलाई 2021 को गांव के दक्षिण में स्थित तालाब के पास खेलने गई थी और वापस नहीं लौटी। सुनवाई के बाद कोर्ट ने माना कि अभियोजन परिस्थितियों की पूर्ण श्रृंखला सिद्ध करने में विफल रहा है, स्वतंत्र साक्ष्य का अभाव है और ट्रायल कोर्ट ने साक्ष्यों का समुचित मूल्यांकन नहीं किया। फलस्वरूप दोषसिद्धि व सजा रद्द करते हुए आदेश दिया गया कि यदि अपीलकर्ता किसी अन्य मामले में वांछित न हो तो उसे तत्काल रिहा किया जाए।

न्यायालय कोई विंडो शॉपिंग फोरम नहीं है: हाईकोर्ट

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भ्रामक तथ्यों के आधार पर दाखिल याचिका पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि न्यायालय "विंडो शॉपिंग फोरम" नहीं है। भ्रामक तथ्यों व झूठे हलफनामों के आधार पर राहत पाने का प्रयास करने वाले याची को कोई संरक्षण नहीं दिया जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि समानांतर कार्यवाहियों को छिपाकर और तथ्य दबाकर दाखिल याचिका न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है। इसी आधार पर कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए याची/पति पर 15 लाख रुपये का जुर्माना लगाते हुए छह सप्ताह में राशि अदा करने का निर्देश दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकलपीठ ने रणजीत सिंह की याचिका को खारिज करते हुए पारित किया, जिसमें याची ने परिवार न्यायालय, इटावा में बीएनएसएस की धारा 144 के तहत लंबित भरण-पोषण वाद के शीघ्र निस्तारण की मांग की थी।

निर्धारित सीमा के बाहर जाकर कार्य करना गंभीर कदाचार

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक बैंक अधिकारी की भूमिका को स्पष्ट करते हुए कहा कि बैंक अधिकारी अपनी निर्धारित शक्तियों और नियमों से बाहर जाकर निजी ढंग से काम नहीं कर सकता, क्योंकि ऐसा आचरण स्वयं में गंभीर कदाचार है। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि बैंक अधिकारी सार्वजनिक धन और जमाकर्ताओं के विश्वास का संरक्षक होता है, इसलिए ईमानदारी, निष्ठा और पारदर्शिता उसके पद की अनिवार्य शर्त है। ऐसे में अगर किसी बैंक अधिकारी को अपनी सीमाओं से परे जाकर 'छोटा साम्राज्य' चलाने, मनमाने ढंग से लाभ बांटने या प्रक्रियाओं की अनदेखी करने की छूट दे दी जाए तो बैंकिंग व्यवस्था का अनुशासन और जनता का विश्वास दोनों समाप्त हो जाएगा। इसी आधार पर यूको बैंक, गाजियाबाद के पूर्व प्रबंधक विनोद कुमार सेठी को फर्जी बैंक गारंटी प्रकरण में सेवा से हटाने की सजा को सही ठहराते हुए न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकलपीठ ने वर्तमान जमानत याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने पाया कि विभागीय जांच सक्षम प्राधिकारी द्वारा कराई गई थी और याची को पर्याप्त अवसर न्यायालय ने कहा कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन नहीं हुआ, बल्कि रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि देरी स्वयं याची के कारण हुई। कोर्ट ने पाया कि विभागीय कार्यवाही आपराधिक मुकदमे से भिन्न होती है और उसमें आरोप 'संभावनाओं की प्रधानता' के आधार पर तय किए जाते हैं, न कि आपराधिक मुकदमे की तरह संदेह से परे प्रमाण के मानक पर। मूल बैंक गारंटी का अभाव भी याची के पक्ष में नहीं गया, क्योंकि अन्य दस्तावेजों, गवाहों और परिस्थितिजन्य सामग्री से आरोप पुष्ट हुए। अतः कोर्ट ने माना कि आरोप गंभीर वित्तीय अनियमितता, बैंक हितों की उपेक्षा और संस्थान की साख को क्षति पहुंचाने वाले हैं। ऐसे में सेवा से हटाने की सजा न तो असंगत है और न ही न्यायिक हस्तक्षेप योग्य।

गाड़ियों का किया गया मार्ग परिवर्तन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद मंडल के सिकंदराबाद-काजीपेट खण्ड के लालागुडा पर इंजीनियरिंग कार्य के परिप्रेक्ष्य में प्री-नान इंटरलॉक/नान इंटरलॉक कार्य किये जाने के कारण गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन किया जायेगा। गोरखपुर से 02 मई को चलने वाली 12591 गोरखपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग मौला अलि-मलकाजगिरी-सिकन्दराबाद के रास्ते चलाई जायेगी। गोरखपुर से 04 मई को चलने वाली 22533 गोरखपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग मौला अलि-मलकाजगिरी-सिकन्दराबाद के रास्ते चलाई जायेगी।

बैठक आज

गोरखपुर, अमृत विचार। महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, गोरखपुर उदय बोरवणकर की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक शुक्रवार को महाप्रबन्धक सभाकक्ष 'चैतन्य', गोरखपुर में 15.30 बजे आयोजित की जायेगी। इस बैठक में गोरखपुर नगर स्थित केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों, उपक्रमों, निगमों के पदाधिकारी सम्मिलित होंगे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से चालक समेत 5 घायल

संवाददाता, संतकबीरनगर

छितही गांव स्थित धोबीपुरवा मोड़ के पास अनियंत्रित होकर पलटी ट्रैक्टर-ट्राली।

अमृत विचार। महुली थाना क्षेत्र के छितही गांव स्थित धोबीपुरवा मोड़ के पास गुरुवार को एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में ड्राइवर समेत पांच मजदूर घायल हो गए। इनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, ट्रैक्टर-ट्रॉली महुली कस्बे के एक टेंट हाउस से सामान लादकर सिकटहा गांव गई थी। वहां सामान उतारने के बाद लौटते समय धोबीपुरवा मोड़ के पास वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में ड्राइवर अरुण कुमार पुत्र रामकेश निवासी महुली के साथ अंकित पुत्र रामनिवास, शनि पुत्र भोला, विपिन पुत्र राजू और बिरजू पुत्र ओरीलाल घायल हो गए। आसपास के ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर सभी को ट्रॉली से बाहर निकाला। एम्बुलेंस के विलंब से पहुंचने पर घायलों को निजी

• तीन लोगों की गंभीर, जिला अस्पताल रेफर

वाहनों से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नाथनगर पहुंचाया गया। सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद अंकित और विपिन को घर भेज दिया गया। जबकि अरुण, शनि और बिरजू की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। महुली थाना प्रभारी दुर्गेश कुमार पांडेय ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी और मामले की जांच की जा रही है।

जनगणना अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य : डीएम

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा महामाया पॉलीटेक्निक कालेज बांसी में जनगणना 2027 को सफलतापूर्वक एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जनपद में पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमका फीता काटकर एवं द्वीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जो देश की योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन में आधार का कार्य करता है। उन्होंने सभी पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों को निर्देशित किया कि वे प्रशिक्षण को गंभीरता से लें तथा जनगणना कार्य को पूरी निष्ठा, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ संपन्न कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक गणना कर्मी की जिम्मेदारी है कि वह घर-घर जाकर सही एवं सटीक जानकारी एकत्रित करे, जिससे शासन को विकास योजनाओं के लिए विश्वसनीय आंकड़े प्राप्त हो सकें। जनगणना दो चरणों में सम्पन्न होगा। प्रथम चरण में मकान गणना

महामाया पॉलिटेक्निक कॉलेज में जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते डीएम शिवशरणप्पा जीएन। अमृत विचार

पेट्रोल पंपों पर निरीक्षण करते डीएम। अमृत विचार

तथा द्वितीय चररण में जनगणना होगा। 07 मई से 21 मई 2026 तक ऑनलाइन स्वगणना भरा जायेगा। प्रगणक स्वगणना भरने वाले लोगो से सूचना एकत्रित कर पोर्टल पर एकत्रित करेंगे। मकानों की गणना के लिए ब्लॉक बनाया गया है। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उच्चच अधिकारियों से जानकारी प्राप्त कर सकते है। जिलाधिकारी द्वारा विभिन्न कक्षों में जाकर प्रशिक्षण की गुणवत्ता को देखा गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी गौरव श्रीवास्तव, उपजिलाधिकारी बांसी निखिल चक्रवर्ती, प्रधानाचार्य महामाया पॉलीटेक्निक कालेज बांसी तथा अन्य सम्बन्धितत उपस्थित थे।

जनपद के पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा जनपद के विभिन्न पेट्रोल पम्पों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पेट्रोल पम्प संचालकों/प्रबन्धको को निर्देश देते हुए कहा कि नियमानुसार डीजल/पेट्रोल का वितरण करे। उपस्थित लोगो से कहा कि आप लोग लाइन बनाकर वाहन में ईधन भरवाये। जनपद में ईधन की कमी नही है। सप्लाई चेन लगातार चल रही है। अफवाहो पर ध्यान न दे। पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देशित किया कि ईंधन की आपूर्ति सुचारु रूप से बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता, जमाखोरी या कालाबाजारी न होने पाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को निर्धारित दरों पर ही ईंधन उपलब्ध कराया जाए और किसी प्रकार की शिकायत मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह व अन्य सम्बन्धित उपस्थित थे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली खाई में गिरी 5 की मौत, 23 लोग घायल

निघासन (लखीमपुर खीरी)

अमृत विचार: पहुआ थाना इलाके में मुंडन संस्कार कराने जा रही ग्रामीणों से भरी ट्रैक्टर- ट्रॉली अनियंत्रित होकर गहरी खाई में पलट गई। हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 23 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वालों में तीन किशोरियां और दो महिलाएं हैं। कई घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है।

शारदानगर क्षेत्र के सोहरिया गांव निवासी बाल गोविंद बेटे और अन्य परिवारों के साथ गुरुवार को बहराइच के कारीकोट काली मंदिर में मुंडन कराने जा रहे थे। सभी लोग एक ट्रैक्टर से जुड़ी दो ट्रॉलियों में सवार थे, जिनमें महिलाएं और बच्चे अधिक थे। ढखेरवा-गिरिजापुरी हाईवे पर बोझिया गांव के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और करीब 10 फीट गहरी खाई में जा गिरा। ट्रॉली पलटते ही चीख-पुकार मच गई और कई लोग ट्रॉली के नीचे दब गए। दो महिलाओं और तीन किशोरियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल 23 लोगों को सीएचसी रमियाबेहड़ पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायलों में कई की हालत नाजुक बनी हुई है।

> गांव सेहरिया निवासी बाल गोविंद के पुत्र का मुंडन कराने के लिए सभी लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली से गए थे। पहुआ क्षेत्र में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई, जिससे पांच लोगों की मौत हो गई और 23 लोग घायल हो गए, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। मामले में जांच कर कार्रवाई की जा रही है।
>
> **-पवन कुमार गौतम,** अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी

हादसे में गई इनकी जान

हादसे में नैंसी (15) पुत्री रमाकांत, आरुषि (12) पुत्री विनोद, राजकुमारी (40) पत्नी केसकुमार, पंछी (16) पुत्री विशंभर और मखाना (45) पत्नी मेवालाल की मौके पर ही मौत हो गई।

आयोजन | **महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक में किया गया आयोजन**

पूल कैंपस ड्राइव में युवाओं ने दिखाया उत्साह

गोरखपुर, अमृत विचार। महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक में आयोजित इंडिया थर्मिट कार्पोरेशन तथा टाटा मैग्ना ऑटोमोटिव सीटिंग्स प्राइवेट लिमिटेड का पूल कैंपस ड्राइव आयोजित किया गया।

महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक में दो दिवसीय इंडिया थर्मिट कार्पोरेशन तथा टाटा मैग्ना ऑटोमोटिव सीटिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के पूल कैंपस ड्राइव का आयोजन किया गया , इस पूल कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में गोरखपुर और आसपास के क्षेत्र के मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सिविल विभाग के डिप्लोमा अंतिमवर्ष में अध्ययनरत छात्र छात्राओं ने पंजीकरण किया और साक्षात्कार दिया। संस्था प्रधानाचार्य डॉ. अनिल प्रकाश सिंह ने विभिन्न विद्यालयों से

युवाओं का साक्षात्कार लेते कंपिनयों के प्रतिनिधि व पूल कैंपस ड्राइव में मौजूद छात्र। अमृत विचार

आये सभी छात्र छात्राओं तथा कंपनी के प्रतिनिधि का स्वागत करते हुए छात्र छात्राओं को शुभ कामनाएं दी और सेवायोजन के इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। सेवायोजन एवं प्रशिक्षण अधिकारी अनुराग कुमार ने बताया कि यह पूल ड्राइव मेधा लर्निंग फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया गया है यह पूल ड्राइव थर्मिट कंपनी पैन इंडिया जबकि टाटा मैग्ना सानंद गुजरात और पुणे स्थित उत्पादन इकाइयों के लिए कर रही है। इस अवसर पर थर्मिट कंपनी के एच आर नवीन चंद जैन और टाटा मैग्ना के डीजीएम प्लांट हेड ललित कुमार और एच आर सुश्री श्रद्धा सिंह साक्षात्कार टीम में सम्मिलित रही तथा मेधा लर्निंग फाउंडेशन के प्रतिनिधि रियाज़ अहमद खान, शमीम अहमद, अभिषेक वर्मा, एहसन खान, अंकिता सिंह, अंशल श्रीवास्तव भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। उक्त जानकारी संस्था के शिक्षक एवं मीडिया प्रभारी माधवेंद्र राज द्वारा दी गई।

बच्चों की तस्करी की खबर निकली अफवाह

बरेली, अमृत विचार : बरेली जंक्शन पर उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया जब चिल्ड्रेन हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर 18001027222 पर जननायक एक्सप्रेस में करीब 70 बच्चों को तस्करी के जरिए ले जाने की सूचना मिली। जीआरपी और आरपीएफ समेत संस्था के लोगों ने ट्रेन के एक-एक डिब्बे को खंगाला। लेकिन, जांच में सभी बच्चे अपने परिजनों के साथ पाए गए। बता दें कि बच्चों की तस्करी की सूचना मिलने पर नई दिल्ली स्थित जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन ने बदायूं की संस्था काशी समाज शिक्षा विकास संस्थान को अलर्ट किया। संस्था की टीम बरेली जंक्शन पहुंची, जहां रेलवे प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। हालांकि जांच पड़ताल में बच्चों की तस्करी की खबर झूठी निकली।

लंबी दूरी की ट्रेनों में एक ही टीटी के होने से यात्रियों को हो रही परेशानी

सुनील मिश्रा, गोरखपुर

• टिकट की जांच न होने से अनाधिकृत यात्रियों की मौज

अमृत विचार। पूर्वोत्तर रलवे लखनऊ मंडल की ट्रेनो में आजकल लगातार यह देखने को मिल रहा है कि लंबी दूरियों की गाड़ी में केवल एक ही टीटी ट्रेनों में दिखाई दे रहे हैं, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जबकि यात्री अपना टिकट करा कर आरामदायक यात्रा करना चाहते हैं वहीं दूसरी तरफ कुछ मनचले व्यक्ति जो ट्रेनों में अपनी मनमानी ढंग से यात्रा करते हैं और इधर-उधर सीटों को कब्जा कर लेते वह मौज से यात्रा कर रहे हैं। सूत्र यहां तक बताते हैं कि आए दिन रेलवे मदद पोर्टल पर यात्रियों की शिकायत देखने को मिलती है। जिन यात्रियों का स्लीपर क्लास में रिजर्वेशन है उनके सीट पर अनाधिकृत यात्रियों का कब्जा आए दिन बढ़ रहा है जिनका आरक्षण है उन्हें सीट नहीं मिल पा रहा है। इसका मूल कारण यही बताया जा रहा है कि ट्रेनों में कम टीटीयो की ड्यूटी लगाये जाना। कभी-कभी ट्रेनों में दो या तीन टी टी भी हो जाते हैं। सवाल यहां इस बात का उठता है कि इतनी लंबी बोगियों के लिए केवल दो-तीन लोग ही पर्याप्त हैं क्या? वहीं कुछ यात्रियों का यह भी कहना है कि हमारे बोगी में कोई टीटी चेक करने आया ही नहीं रेलवे बोर्ड के मानक के अनुसार लंबी दूरी की ट्रेनों में कोचों में पर्याप्त टी टी होने चाहिए। फिलहाल अभी ज्यादातर देखने को यह मिल रहा है कि पैसेंजर परेशान हैं और अराजक तत्व ट्रेनों में हावी है जिसके कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कभी-कभी तो कोच अनमैंड रहता है और हर गाड़ियों में रिजर्व16 कोच से लेकर 22 कोचों की गाड़ी रहती है।

सूत्र बताते हैं कि गाड़ी संख्या-15707/08, 15651,15007, 20103,15565/66, 12522, 13019/20, 15273/74, 19270, 74673/74, 11055/56, 122538, 09451, 12523, 12557/58, 15002, 15279 और ऐसे कई गाड़ियां हैं जो अगले 3 माह का रिकॉर्ड देखा जाए उपरोक्त गाड़ियों के अलावा कई गाड़ियां अन चेक अपने गंतव्य तक गई है।

कड़ी धूप, भीषण गर्मी और उमस से जूझते हुए पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने रचा इतिहास

वक्त खत्म होने के बाद भी लगी रहीं कतारें, मतदान 95 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में बृहस्पतिवार को विधानसभा चुनाव के पहले चरण में मतदाताओं ने इतिहास रच दिया। सुबह के वक्त सामान्य ढंग से शुरू हुआ मतदान समय गुजरने के साथ रफ्तार पकड़ता गया और शाम पांच बजे तक मतदाताओं ने 91.78 प्रतिशत का हैरतअंगेज रिकॉर्ड बना डाला। पांच बजे के बाद भी मतदान केंद्रों पर कतारें लगी होने के मद्देनजर अधिकारियों का कहना है कि अंतिम मतदान प्रतिशत और बढ़ सकता है, जो संभवतः 95 प्रतिशत के करीब पहुंच सकता है।

भीषण गर्मी और उमस के बावजूद मतदाता सुबह से ही मतदान केंद्रों के बाहर बड़ी संख्या में कतारों में खड़े नजर आए और जैसे-जैसे समय बीतता गया, मतदान की गति तेज होती गई। पहले दो घंटे में 3.60 करोड़ मतदाताओं में से 18.76 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया और धीरे-धीरे मतदान में तेजी आई। पूर्वाह्न 11 बजे तक 41.11 प्रतिशत और अपराह्न एक बजे तक 62.18 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। तीन बजे तक 78 प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके थे। एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में नाम काटे जाने को लेकर विवाद के बीच राज्य के 16 जिलों में मतदान से 294 सदस्यीय राज्य विधानसभा के 152 निर्वाचन क्षेत्रों में 167 महिलाओं सहित 1,478 उम्मीदवारों के चुनावी भाग्य का फैसला होगा। एसआईआर के तहत राज्य भर में मतदाता सूची से 91 लाख से अधिक नाम हटा दिए गए थे। वर्ष 2021 में भाजपा ने इन 152 सीटों में से 59 सीटें जीती थीं, जबकि तृणमूल को 93 सीटें मिली थीं।

मुर्शिदाबाद, बांकुड़ा और कूच बिहार में मतदान प्रतिशत लगभग 90 प्रतिशत या उससे अधिक रहा, जबकि मालदा, झाड़ग्राम और पश्चिम मेदिनीपुर में भी लगभग यही स्तर रहा। कलिम्पोंग में यह अपेक्षाकृत कम लगभग 81 प्रतिशत रहा। हिंसा की घटनाओं के बावजूद, राज्य में पिछले चुनावों की तुलना में मतदान काफी हद तक शांतिपूर्ण रहा।

जज्बा... जिसने कराया ऐतिहासिक मतदान

कड़ी धूप, बीमारी और शारीरिक असमर्थता को नजरंदाज कर मतदाता मतदान करने बूथों पर पहुंचे।

मेदिनीपुर में एक वृद्ध दिव्यांग ने वोट डाला, एक बुजुर्ग महिला को उसके परिजन वोट डलवाने लाए।

ईवीएम की खराबी, केंद्रीय बलों की बदसलूकी की शिकायतें

अधिकारियों ने कहा कि मतदान काफी हद तक शांतिपूर्ण रहा, लेकिन निर्वाचन आयोग को मतदान से जुड़ी करीब 500 शिकायतें प्राप्त हुईं, जबकि सीविजिल एप के माध्यम से 375 अन्य शिकायतें दर्ज की गईं। तृणमूल कांग्रेस ने दोपहर तक 700 से अधिक शिकायतें दर्ज कराने का दावा किया, जिनमें से कई ईवीएम में कथित खराबी और केंद्रीय बलों के आचरण से संबंधित थीं।

सीईसी ने कहा- तमिलनाडु और बंगाल के मतदाताओं को सलाम

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के मतदाताओं का विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान करने के लिए आभार जताया और उनकी सराहना की है। ज्ञानेश ने शाम मतदान समाप्त होने के बाद एक बयान में कहा, चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के प्रत्येक मतदाता को सलाम करता है।

> रिकॉर्ड मतदान इस बात को दर्शाता है कि एसआईआर के कारण लोगों में यह डर है कि अगर वे वोट नहीं देते हैं तो वे अपने मतदान के अधिकार और नागरिकता खो सकते हैं। – **ममता बनर्जी, मुख्यमंत्री**

कड़ी धूप के कारण कई की हालत बिगड़ी, एक की मौत

मतदान के दिन स्वास्थ्य से जुड़ी कई आपात स्थितियां भी देखने को मिलीं। अकांडा (गाजोल) में बूथ नंबर 137 पर एक मतदान अधिकारी जयश्री कर्माकर अत्यधिक गर्मी के कारण बीमार पड़ गईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। मालतीपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत क्षेमपुर पंचायत में बूथ नंबर 152 पर वोट डालते समय दिल का दौरा पड़ने से 50 वर्षीय मतदाता प्रोमिला बागदी की मृत्यु हो गई।

केंद्रीय बलों के 2.5 लाख जवान तैनात, फिर भी नहीं रुकी हिंसा

चुनाव आयोग की ओर से पश्चिम बंगाल में सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए जाने के बावजूद हिंसा की घटनाएं नहीं रुकीं दक्षिण दिनापुर में भाजपा उम्मीद से मारपीट हुई तो उन्होंने भागकर जान बचाई। बीरभूम में भाजपा के एक पोलिंग एजेंट को पीटकर घायल कर दिया गया। मुर्शिदाबाद में भी टीएमसी और कबीर हुमायूं के कार्यकर्ताओं के हिंसक झड़पें हुईं।

भाजपा प्रत्याशी पर हमले के आरोप में पांच गिरफ्तार

कोलकाता। दक्षिण दिनाजपुर जिले के कुमारगंज से भाजपा के उम्मीदवार शुभेंदु सरकार पर हमले के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।सरकार ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उनकी कार में भी तोड़फोड़ की। उन्होंने दावा किया कि कई बूथों से भाजपा के मतदान एजेंटों को जबरदस्ती हटाया जा रहा था। सरकार ने कहा, मैं ऐसे ही एक बूथ पर था, जब तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने मुझ पर हमला कर दिया।

मुर्शिदाबाद में उपद्रव के दौरान ब्लॉक की गई एक सड़क को खोलते सुरक्षाकर्मी।

अधिक मतदान ममता के जोरदार समर्थन का संकेत पहले चरण में 125-134 सीट का दावा : तृणमूल

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस दावे का खंडन किया कि पश्चिम बंगाल में भारी मतदान परिवर्तन के लिए शानदार जनादेश का संकेत है। तृणमूल ने दावा किया कि इसके बजाय यह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए जोरदार समर्थन का संकेत है। तृणमूल के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि मतदान प्रतिशत में हुई वृद्धि हमारे पक्ष में निर्णायक रूप से गई है और भाजपा को स्पष्ट रूप से खारिज किए जाने का संकेत है। घोष ने कहा, प्रथम चरण में जिन 152 सीटों पर मतदान हुआ है, पार्टी उनमें से कम से कम 125 सीटें जीतेगी, जो बढ़कर 132-134 तक भी जा सकती हैं।'' घोष ने तर्क दिया कि मतदान प्रतिशत अधिक रहने से तृणमूल को अधिक सीटें मिलेंगी और उन्होंने सत्ता-विरोधी लहर होने के विपक्ष के विमर्श को खारिज कर दिया।

दावे अपने-अपने

शुभेंदु अधिकारी ने कहा- पश्चिम बंगाल में चुनाव के पहले चरण में 125 से ज्यादा सीट जीतेगी भाजपा

कोलकाता। भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने पहले चरण में 91.78 प्रतिशत के उच्च मतदान का हवाला देते हुए अनुमान जताया कि भाजपा इस चरण की 152 सीट में से 125 सीट जीतेगी। नंदीग्राम और भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्रों से भाजपा प्रत्याशी ने विश्वास व्यक्त किया कि पार्टी 2026 के विधानसभा चुनाव में निर्णायक जनादेश प्राप्त करने वाली है। उन्होंने सुचारू मतदान प्रक्रिया के लिए निर्वाचन आयोग को श्रेय दिया। अधिकारी ने कहा, राज्य में सत्ताधारी दल के खिलाफ भारी जनविरोधी लहर के चलते अल्पसंख्यक वोट एकजुट होते दिख रहे हैं, लेकिन परिणाम आने पर ही पता चलेगा कि हिंदू मतदाताओं का एक बड़ा बहुमत - लगभग 85 प्रतिशत भाजपा के साथ है। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में पार्टी की संभावनाएं मजबूत बनी हुई हैं।

फर्जी मतदान, हिंसा और गड़बड़ियों ने चुनावी निष्पक्षता पर खड़े किए सवाल

सिलीगुड़ी, एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान उत्तर बंगाल के कई हिस्सों में फर्जी मतदान, हिंसा और गड़बड़ियों की रिपोर्टें सामने आई हैं, जिसने मतदान प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

कूचबिहार, मालदा, उत्तर दिनाजपुर और दार्जिलिंग जैसे क्षेत्रों में मतदान के दौरान हिंसा और मतदाताओं को डराने-धमकाने की भी घटनाएं दर्ज हुई हैं। चुनाव आयोग की ओर से केंद्रीय बलों की भारी तैनाती और सीसीटीवी निगरानी के बावजूद फर्जी वोटिंग, हिंसा, मतदाताओं को वोट देने से रोकने और तकनीकी गड़बड़ियों के आरोपों ने इशारा किया कि जमीनी स्तर पर नियंत्रण से बाहर रहीं। कई निर्वाचन क्षेत्रों में फर्जी वोटिंग की घटनाओं की गंभीर शिकायतें सामने आई हैं।

● चुनाव आयोग की अभेद्य व्यवस्था का कई इलाकों में उड़ा मखौल

सिलीगुड़ी में बूथ नंबर 235 के तहत एक मतदान केंद्र पर पहली बार वोट देने आई एक महिला मतदाता को लंबी कतार में खड़े रहने के बाद पता चला कि उसका वोट पहले ही डाला जा चुका है। कई और मतदाताओं ने भी इसी तरह की शिकायत की। ऐसी ही शिकायतें फांसीदेवा में भी मिलीं। मालदा जिले में पोस्टल बैलेट के दुरुपयोग के कई मामले सामने आए।

हबीबपुर क्षेत्र के अंतर्गत बुलबुलचंडी में बूथ नंबर 231 पर एक बुजुर्ग मतदाता प्रकाश प्रसाद को बताया गया कि उनके नाम पर पहले ही एक पोस्टल बैलेट जारी किया जा चुका है और उसका इस्तेमाल भी हो चुका है, जिससे उन्हें वोट डालने से रोक दिया गया। गजोल भी इसी तरह धांधली का शिकार हो गई।

माथाभंगा में वोटरों को पैसे बांटने पर विवाद

माथाभंगा में भाजपा उम्मीदवार निशीथ प्रोमाणिक से जुड़े पोलिंग बूथों के पास तनाव बढ़ गया। आरोप लगे कि वोटरों के बीच पैसे बांटे जा रहे थे। दोनों खेमों के समर्थकों के बीच तीखी बहस हुई और 'जय बांग्ला' और 'जय श्री राम' जैसे नारे गूंजने लगे। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान नाम हटाए जाने की वजह से बड़ी संख्या में वोटरों के वोट न डाल पाने के कारण मालदा के सुजापुर के कई इलाकों में विरोध-प्रदर्शन हुए। मालतीपुर विधानसभा सीट के तहत खानपुर (बूथ नंबर 117) में जिन वोटरों के नाम वोटर लिस्ट से गायब थे, उन्होंने गांव की सड़कों पर प्रदर्शन किया। सुजापुर में भी कुछ ऐसी ही स्थिति देखने को मिली। तृणमूल की उम्मीदवार सबीना यास्मीन ने भाजपा और चुनाव आयोग की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में वोटरों को वोट डालने से वंचित किया गया।

इस्लाम में महिलाओं को नमाज के लिए मस्जिद आने पर पाबंदी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि इस्लाम महिलाओं को नमाज के लिए मस्जिद आने से प्रतिबंधित नहीं करता है, लेकिन उनका घर पर ही रहना उचित है। एआईएमपीएलबी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता एमआर शमशाद ने सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ को बताया कि कुछ अनुशासन के अधीन महिलाओं को मस्जिद में नमाज अदा करने की अनुमति है।

उन्होंने बताया कि यह मुद्दा पीठ के समक्ष इसलिए आया है कि एक रिट याचिका दायर की गई थी, जिसमें महिलाओं को मस्जिद में नमाज अदा करने की अनुमति देने का अनुरोध किया गया था। उन्होंने यह दलील दी कि मस्जिद में कोई गर्भ गृह नहीं होता।

एआईएमपीएलबी के वकील ने पीठ को बताया कि यह बेहतर होगा कि महिलाएं घर पर ही नमाज अदा करें और उन्हें मस्जिद में नमाज अदा करने वाले पुरुषों के समान ही पुण्य प्राप्त होंगे। हस्तक्षेप करते हुए न्यायमूर्ति अमानुल्लाह बोले कि इसका कारण यह है कि यदि घर के सभी सदस्य मस्जिद चले जाएंगे, तो बच्चों की देखभाल कौन करेगा? न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि इस्लाम में महिलाओं के लिए मस्जिद में सामूहिक नमाज में शामिल होना अनिवार्य नहीं है। शमशाद ने कहा कि कुरान में पैगंबर का अनुसरण करने का आह्वान किया गया है और हदीसों में उपासना के तौर-तरीकों का उल्लेख किया गया है। उन्होंने दलील दी कि न्यायालयों को धार्मिक प्रथाओं की प्रकृति का न्यायिक निर्धारण करने का प्रयास नहीं करना चाहिए। संविधान के अनुच्छेद 25 के अनुसार, धार्मिक प्रथा या धार्मिक प्रथाओं के मूल तत्व की व्याख्या करने का कार्य धर्म या धार्मिक संप्रदायों के विद्वानों और/या उस विशेष धर्म के विद्वानों पर छोड़ दिया जाना चाहिए।

व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से मिली जानकारी स्वीकार नहीं

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि यह कहना वैसा ही है जैसे यह कहना कि हिंदू धर्म के लिए मंदिर आवश्यक नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि वह सभी प्रतिष्ठित लेखकों और विचारकों के विचारों का सम्मान करता है, लेकिन वह 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' से मिली जानकारी स्वीकार नहीं कर सकता। नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने यह टिप्पणी उस समय की, जब वह केरल के सबरीमाला मंदिर सहित धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव और विभिन्न धर्मों द्वारा अपनाई जाने वाली धार्मिक स्वतंत्रता की सीमा एवं दायरे से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। दाऊदी बोहरा समुदाय के प्रमुख की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज किशन कौल ने कांग्रेस नेता शशि थरूर द्वारा लिखे गए एक लेख का हवाला दिया, जिसमें धार्मिक राहत से जुड़े मामलों में न्यायिक संयम की बात कही गई थी।

सीबीएसई की 10वीं की दूसरी बोर्ड परीक्षाएं 15 से 21 मई तक होंगी

नई दिल्ली। सीबीएसई ने गुरुवार को 10वीं कक्षा की दूसरी बोर्ड परीक्षा का कार्यक्रम घोषित कर दिया, जो 15 मई से 21 मई तक आयोजित होंगी। जारी डेटशीट के अनुसार, परीक्षा की शुरुआत 15 मई को गणित (स्टैंडर्ड और बेसिक) के पर्चे से होगी। इसके बाद 16 मई को अंग्रेजी (कम्युनिकेटिव) और अंग्रेजी (लैंग्वेज एंड लिटरेचर) की परीक्षा होगी। विज्ञान विषय की परीक्षा 18 को और 19 मई को भाषा और वैकल्पिक विषयों की परीक्षा निर्धारित की गयी है। 20 मई को छात्र संस्कृत, चित्रकारी, सूचना प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की परीक्षा देंगे। इसके बाद 21 मई को सामाजिक विज्ञान की परीक्षा होगी।

आई-पैक : जांच में बाधा डालने को ममता ने राज्य तंत्र का किया इस्तेमाल

नई दिल्ली, एजेंसी

प. बंगाल में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाने का आरोप लगाते हुए, ईडी ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2,700 करोड़ के कोयला तस्करी मामले में आई-पैक के खिलाफ उसकी जांच में बाधा डालने के लिए राज्य तंत्र का इस्तेमाल किया। पीठ के समक्ष ईडी और उसके अधिकारी रॉबिन बंसल की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने दलीलें पेश कीं। उन्होंने सीबीआई को प्राथमिकी दर्ज करने और मामले की जांच का निर्देश देने का अनुरोध किया।

अमित जोगी की उम्रकैद की सजा पर सुप्रीम रोक

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के पुत्र अमित जोगी को राकांपा नेता रामावतार जग्गी की 2003 में हुई हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। राकांपा के नेता रामावतार जग्गी की 4 जून 2003 को रायपुर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

खरगे ने नहीं किया आचार संहिता का उल्लंघन, चुनाव आयोग का कदम अनुचित

नई दिल्ली, एजेंसी

● कांग्रेस ने लगाया नोटिस के पीछे गुप्त मंसूबा होने का आरोप

कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग द्वारा पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को दिए कारण बताओ नोटिस पर बृहस्पतिवार को आयोग को शुरुआती जवाब भेजा। पार्टी ने दावा दिया कि खरगे ने आचार संहिता का कोई उल्लंघन नहीं किया है तथा आयोग का यह कदम नैसर्गिक न्याय के खिलाफ है और इसमें कोई गुप्त मंसूबा दिखाई पड़ता है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भेजे पत्र में विस्तार से जवाब देने के लिए एक सप्ताह का समय भी मांगा है। निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'आतंकवादी' कहे जाने का बुधवार को गंभीरता से संज्ञान लिया था और उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था। रमेश ने दावा किया कि आयोग की ओर से नोटिस जारी करते समय विवेक का इस्तेमाल नहीं किया गया और खरगे को दो नोटिस जारी कर दिए गए।

उन्होंने कहा, एक नोटिस में यह भी उल्लेख किया गया है कि आदर्श आचार संहिता का कथित तौर पर उल्लंघन अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ'ब्रायन की दिनांक 21 अप्रैल की शिकायत पर आधारित था। दूसरा नोटिस जो आपकी वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया है, उसमें अजीब तरह से शिकायतकर्ता के रूप में उनका नाम हटा दिया गया है।

जवाब के लिए सिर्फ 24 घंटे का समय देने पर भी जताई आपत्ति

रमेश ने कहा, सबसे पहले हम कांग्रेस अध्यक्ष को नोटिस में उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों का जवाब देने के लिए दिए गए 24 घंटे के समय पर आश्चर्य व्यक्त करना चाहेंगे। आप जानते होंगे कि यह निश्चित रूप से पर्याप्त समय नहीं है, क्योंकि कांग्रेस अध्यक्ष इन दिनों चुनाव प्रचार करने में व्यस्त हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि आयोग नैसर्गिक न्याय के निर्वहन के बजाय एक औपचारिकता के रूप में नोटिस को क्रियान्वित कर रहा है।

बिहार : महिलाओं पर विवादित बयान को लेकर पप्पू यादव ने सार्वजनिक रूप से मांगी माफी

बिहारशरीफ, एजेंसी

पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने महिलाओं पर दिए गए अपने विवादित बयान को लेकर बृहस्पतिवार को सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। पप्पू यादव ने सोमवार को आरोप लगाया था कि राजनीति में सक्रिय अधिकांश महिलाएं पुरुषों के शयनकक्ष के रास्ते आगे बढ़ी हैं।

इस बयान की राजग के नेताओं

● कहा- मेरी माफी सिर्फ महिलाओं से, गंदे नेताओं से नहीं

तथा बिहार राज्य महिला आयोग ने कड़ी निंदा की थी। राज्य के कई हिस्सों में महिलाओं की बड़ी भागीदारी के साथ विरोध-प्रदर्शन और रैलियां भी आयोजित की गई थीं, जिनमें यादव से माफी मांगने की मांग की गई थी। यादव ने कहा, यदि राजनीति में सक्रिय महिलाओं को मेरे बयान से ठेस पहुंची है तो मैं उनसे माफी मांगता हूं। लेकिन यह माफी बहनों और बेटियों से है, नेताओं से नहीं। उन्होंने कहा कि उनकी लड़ाई ऐसे गंदे नेताओं के खिलाफ है, जिनके विरुद्ध यौन उत्पीड़न के दृश्य प्रमाण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं।

राजस्थान सरकार ने बढ़ाया महंगाई भत्ता

जयपुर। राजस्थान सरकार ने राज्य कर्मियों और पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते में दो प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से 12 लाख से अधिक कर्मियों और पेंशनभोगियों को लाभ मिलेगा। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सातवें वेतन आयोग के तहत महंगाई भत्ता और महंगाई राहत अब 58 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो जाएगा और यह निर्णय एक जनवरी 2026 से प्रभावी होगा।

नासिक में एक और स्वयंभू बाबा पर यौन शोषण का केस

नासिक। अशोक खरात की गिरफ्तारी के बाद, नासिक पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर एक अन्य स्वयंभू बाबा के खिलाफ यौन शोषण का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि हालांकि कथित अपराध 2024 में हुए थे, लेकिन अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा परामर्श दिए जाने के बाद महिला ने हिम्मत जुटाई और बुधवार को महेशगिरि उर्फ महेश दिलीप काकड़े (31) के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

पंजाब पुलिस ने 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' के प्रसारण पर रोक के लिए पत्र लिखा

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया है कि वह ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर आधारित डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' का प्रसारण रोकने का निर्देश दे, क्योंकि इससे सार्वजनिक व्यवस्था को गंभीर खतरा हो सकता है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के संयुक्त सचिव को लिखे पत्र में पंजाब पुलिस के साइबर अपराध विभाग ने यह भी कहा कि इस तरह की सामग्री की उपलब्धता से युवाओं के प्रभावित होने और आपराधिक या गैंगस्टर से संबंधित गतिविधियों की ओर आकर्षित होने का खतरा बढ़ जाता है। 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' 27 अप्रैल को जी5 ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है। इससे पहले, पंजाब कांग्रेस के प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर वेबसीरीज पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया था।

उन्होंने कहा कि अपराध और गैंगस्टर संस्कृति का महिमामंडन करना युवा पीढ़ी के कोमल मन पर 'खतरनाक और विनाशकारी' प्रभाव डाल सकता है।

पहल नौवीं की गणित की नई पाठ्यपुस्तक में प्राचीन भारतीय गणितीय प्रणालियों के संदर्भ शामिल

एनसीईआरटी का भारत की गणितीय विरासत पर खास जोर

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा नौवीं की गणित की नई पाठ्यपुस्तक में प्राचीन भारतीय गणितीय प्रणालियों के संदर्भ शामिल हैं और मुख्य अवधारणाओं के साथ ऐतिहासिक संदर्भ को समाहित किया गया है। यह कदम पहले की पुस्तकों की तुलना में एक बदलाव को दर्शाता है।

गणित मंजरी भाग-एक पाठ्यपुस्तक स्वदेशी गणितीय योगदानों पर अधिक जोर देती है। इसके विपरीत, पिछली पुस्तक में प्राचीन भारतीय गणित के सीमित संदर्भ थे और वह मुख्य रूप से प्रक्रियात्मक शिक्षण पर केंद्रित थी। आठ अध्याय और 196 पन्नों वाली इस पाठ्यपुस्तक को 2026-27 शैक्षणिक सत्र से लागू किया जाएगा।

पुरानी पाठ्यपुस्तक में संख्या प्रणाली, पूर्णांक और अपरिमेय संख्याओं जैसे विषयों को मुख्य रूप से परिभाषा-आधारित तरीके से प्रस्तुत किया गया था। इसके विपरीत, नई पुस्तक इन अवधारणाओं को ऐतिहासिक कथाओं के साथ जोड़ती है और उन्हें प्राचीन ग्रंथों तथा विद्वानों से संबंधित संदर्भों के माध्यम से समझाने का प्रयास करती है। उदाहरण के लिए, संशोधित पाठ्यपुस्तक सिंधु-सरस्वती सभ्यता को प्रारंभिक ग्रिड-आधारित सोच का श्रेय देती है और इसे व्यवस्थित स्थानिक नियोजन के एक उदाहरण के रूप में वर्णित करती है।

पाठ्यपुस्तक में यह भी कहा गया है कि प्राचीन भारतीय गणितज्ञ बौधायन ने अपनी गहन ज्यामितीय रचनाओं के लिए पूर्व-पश्चिम और उत्तर-दक्षिण रेखाओं का उपयोग करने के साथ बौधायन-पाइथागोरस प्रमेय विकसित किया और इस प्रकार निर्देशांक ज्यामिति की नींव रखी। पुस्तक में ब्रह्मगुप्त को महत्वपूर्ण अवधारणाओं को औपचारिक रूप देने का श्रेय दिया गया है। इसमें कहा गया है कि उन्होंने शून्य और ऋणात्मक संख्याओं की अवधारणा को बीजीय इकाइयों के रूप में औपचारिक बनाया।

अमृत विचार

शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026

राजनीति सर्वोत्कृष्ट कला है, क्योंकि इसमें अनेक अन्य कलाएं समाहित होती हैं और इसका उद्देश्य मानव कल्याण है।
–अरस्तु, दार्शनिक

भ्रामक युद्ध विराम

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका द्वारा युद्धविराम को अनिश्चितकाल तक बढ़ाना पहली नजर में शांति का संकेत लगता है, पर गहराई से देखें तो यह एक जटिल सामरिक चाल अधिक प्रतीत होती है। इतिहास गवाह है कि युद्धविराम अक्सर संघर्ष का अंत नहीं, बल्कि रणनीतिक विराम होता है। यह पुनर्संयोजन, दबाव निर्माण और कूटनीतिक संभावनाओं की परख का समय होता है। अमेरिका की मंशा को केवल शांति स्थापना तक सीमित मानना यथार्थवादी नहीं होगा, दरअसल यह कदम तीन स्तरों पर काम करता दिखता है— पहला, सैन्य थकान और संसाधनों के पुनर्गठन की आवश्यकता; दूसरा, अंतर्राष्ट्रीय दबाव को संतुलित करना और तीसरा, ईरान को वार्ता की मेज पर लाने के लिए समय खरीदना।

ईरान का यह दावा कि डोनाल्ड ट्रंप फिलहाल युद्ध जारी रखने की स्थिति में नहीं हैं, इसे पूर्ण सत्य मानना तथ्य उपेक्षा और जल्दबाजी होगी। सवाल अमेरिका की सैन्य क्षमता पर नहीं, बल्कि उसकी राजनीतिक प्राथमिकताओं और घरेलू दबावों पर अधिक हैं। अमेरिका का पाकिस्तान के कहने पर युद्धविराम बढ़ाने का तर्क भी अधिक विश्वसनीय नहीं लगता है। पाकिस्तान इस क्षेत्र में एक कारक अवश्य है, पर निर्णायक नहीं। अमेरिका के फैसले आमतौर पर उसके व्यापक भू-राजनीतिक हितों— विशेषकर ऊर्जा, इसराइल की सुरक्षा और वैश्विक नेतृत्व से संचालित होते हैं। इस संदर्भ में खाड़ी की 'मौजूदा शांति' वास्तव में भ्रामक है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य पर बढ़ता नियंत्रण और जहाजों की जब्ती जैसी घटनाएं संकेत देती हैं कि तनाव सतह के नीचे लगातार उबल रहा है। यदि यह जलडमरूमध्य लंबे समय तक बाधित रहता है, तो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ना तय है। 55 करोड़ बैरल तेल का नुकसान और एलएनजी आपूर्ति में दो प्रतिशत की गिरावट केवल आंकड़े नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए चेतावनी हैं। अमेरिका इस दौरान ईरान पर आर्थिक और कूटनीतिक दबाव बनाए रखना चाहता है, जबकि ईरान 'थोपी गई शर्तों' को अस्वीकार कर अपनी संप्रभुता का प्रदर्शन कर रहा है। यह गतिरोध तभी टूटेगा, जब दोनों पक्ष कुछ लचीलापन दिखाएं। यदि अमेरिका ईरान के प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार करता है, तो समाधान की दिशा खुल सकती है, परंतु अनिश्चित युद्धविराम का एक बड़ा खतरा यह है कि यह स्थायी अस्थिरता को जन्म देता है।

यह न तो पूर्ण युद्ध है, न ही वास्तविक शांति, बल्कि एक ऐसी स्थिति है, जहां किसी भी क्षण संघर्ष फिर भड़क सकता है। यही कारण है कि वर्तमान ठहराव भविष्य के अधिक बड़े टकराव का संकेत भी हो सकता है। भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से संवेदनशील है। ऊर्जा आयात पर निर्भरता और खाड़ी में बड़ी भारतीय आबादी के कारण भारत को संतुलित और व्यावहारिक नीति अपनानी होगी। भारत को एक ओर अपनी ऊर्जा आपूर्ति के वैकल्पिक स्रोत तलाशने होंगे, वहीं दूसरी ओर कूटनीतिक स्तर पर दोनों पक्षों से संवाद भी बनाए रखना होगा। 'रणनीतिक स्वायत्तता' की मौजूदा नीति यहां सबसे उपयुक्त प्रतीत होती है। कुल मिलकर यह अनिश्चित युद्धविराम शांति का संकेत कम और रणनीतिक विराम अधिक है।

ट्रंप की रणनीतिक विफलता और भविष्य के संकेत

विवेक सक्सेना
अयोध्या

अप्रैल 2026 के भू-राजनीतिक परिदृश्य में, डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ घोषित युद्ध विराम ने अमेरिकी विदेश नीति की एक बड़ी विफलता को उजागर किया है। 'पूर्ण जीत' और ईरान की सैन्य शक्ति को 'पूरी तरह से नष्ट' करने के शुरुआती बड़बोले दावों के बाद, यह युद्ध विराम ट्रंप प्रशासन के लिए एक शर्मनाक मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। यह संघर्ष न केवल मध्य पूर्व में स्थिरता लाने में विफल रहा, बल्कि इसने अमेरिकी कूटनीति की सीमाओं को भी उजागर किया है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान युद्ध में युद्ध विराम की अवधि बढ़ाने की घोषणा से मध्यस्थों को अमेरिका और ईरान के बीच आमने-सामने की बातचीत का एक नया दौर आयोजित करने के लिए अतिरिक्त समय मिल जाएगा, लेकिन हालात अभी भी तनावपूर्ण हैं। अमेरिका और इज़राइल ने 28 फरवरी को युद्ध शुरू किया, जिसके कारण तेल की कीमतें बढ़ गईं और वैश्विक अर्थव्यवस्था हिल गई। इस युद्ध ने वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को बाधित किया है, जिससे ईंधन की कीमतें बढ़ने और अन्य देशों में भी बिजली संयंत्रों पर हमले का खतरा पैदा हो गया।

ट्रंप ने दावा किया था कि अमेरिका ने ईरान के परमाणु और मिसाइल ढांचे को नष्ट कर दिया है, लेकिन हकीकत यह रही कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बनाए रखा और अमेरिकी धमकियों को नजरअंदाज करते हुए जवाबी हमले जारी रखे। 48 घंटे के अल्टीमेटम के बाद जब युद्ध विराम की घोषणा की गई, तो यह जीत से ज्यादा एक सामरिक वापसी और ईरान के सामने झुकने जैसा प्रतीत हुआ। ईरान ने स्पष्ट किया कि उसने कोई युद्ध विराम नहीं मांगा था, जिससे ट्रंप के दावों की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठे हैं।

इस घोषणा से अस्थायी रूप से लड़ाई फिर से शुरू होने से तो बच गई, लेकिन दोनों पक्षों के बीच व्यापक मतभेद बने हुए हैं। ईरान, इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच मौजूदा युद्ध विराम आठ अप्रैल को शुरू हुआ, जो ट्रंप द्वारा कई बार समय सीमा तय किए जाने के बाद हुआ। ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता का पिछला दौर पाकिस्तान में आयोजित किया गया था। अमेरिकी वार्ता दल का नेतृत्व कर रहे उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद अमेरिका और ईरान के बीच हुई उच्चतम स्तरीय वार्ता में भाग लिया, जो बिना किसी समझौते के समाप्त हुई।

वैंस की पाकिस्तान यात्रा अभी भी स्थगित है और ईरान पर अमेरिका की नाकाबंदी जारी है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने मौजूदा युद्ध विराम की समय सीमा समाप्त होने से कुछ ही घंटे पहले पाकिस्तान के अनुरोध पर यह कदम उठाया, क्योंकि वह ईरान से 'एकीकृत प्रस्ताव' की प्रतीक्षा कर रहे हैं और अनिर्णय के लिए ईरान के 'गंभीर रूप से विभाजित' नेतृत्व को जिम्मेदार ठहराया। इन सब के बीच दो क्षेत्रीय अधिकारियों ने मंगलवार को एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि अमेरिका और ईरान ने वार्ता के एक नए दौर के आयोजन के संकेत दिए हैं।

पाकिस्तान के नेतृत्व वाले मध्यस्थों को इस बात की पुष्टि मिली है कि शीर्ष वार्ताकार, वैंस और ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर क़लीबाफ़, अपनी-अपनी टीमों का नेतृत्व करेंगे, लेकिन मंगलवार देर रात, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि सम्मेलन में भाग लेने के बारे में कोई 'अंतिम निर्णय' नहीं लिया गया है। प्रवक्ता, इस्माइल बगाई ने सरकारी टीवी को बताया कि निर्णय न ले पाने का कारण अमेरिकियों की ओर से 'विरोधाभासी संदेश' और 'अस्वीकार्य कार्रवाइयां', विशेष रूप से ईरान की अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी है।

यदि पाकिस्तान बैठक आयोजित करने में सफल भी हो जाता है, तो भी होर्मुज जलडमरूमध्य के भविष्य, ईरान के परमाणु कार्यक्रम और नाकाबंदी को लेकर गंभीर चुनौतियां बनी रहेंगी। सप्ताहांत में ईरान ने जलडमरूमध्य में जहाजों को निशाना बनाया। अमेरिका ने भी जलडमरूमध्य में अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी से बचने की कोशिश कर रहे एक ईरानी जहाज पर हमला किया और उसे अपने कब्जे में ले लिया, जिससे संकेत मिलता है कि स्थिति अभी भी अस्थिर बनी हुई है। ईरान का सारा उच्च संवर्धित यूरेनियम अभी भी देश में ही है, संभवतः उन संवर्धन स्थलों में दबा हुआ है, जिन पर पिछले साल जून में 12 दिनों के युद्ध के दौरान अमेरिका ने बमबारी की थी।

ईरान का कहना है कि उसे शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए ऐसा करने का अधिकार है और वह परमाणु हथियार बनाने की कोशिश से इनकार करता है, जबकि ट्रंप ने इज़राइल के साथ मिलकर ईरान से अपने परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह से समाप्त करने और अपने भंडार को छोड़ने का आह्वान किया है। ईरान ने युद्ध समाप्त करने के अपने 10 सूत्री प्रस्ताव में इसे खारिज कर दिया। इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता होने वाली थी, लेकिन ईरान का प्रतिनिधिमंडल नहीं पहुंचा। अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस की अगुवाई में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को पाकिस्तान रवाना होने वाला था, ऐसा नहीं हुआ।

वहीं युद्ध विराम ख़त्म होने से पहले ही ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर इसकी समय सीमा बढ़ाने की घोषणा की। कहा कि यह फ़ैसला पाकिस्तान के अनुरोध पर लिया गया, 'हमसे कहा गया है कि हम ईरान पर अपना हमला तब तक रोकें, जब तक उसके नेता और प्रतिनिधि एक साझा प्रस्ताव लेकर नहीं आते।'

इसके कुछ घंटे बाद ही, बुधवार को ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने तीन कार्गो जहाज़ों पर हमला कर दो को सीज़ कर लिया। इनमें एक पर ग्रीस का और दूसरे पर पनामा का झंडा लगा था, जबकि तीसरा जहाज़ यूएई की एक कंपनी का है। फारस की खाड़ी का संकरा मुहाना, होर्मुज जलडमरूमध्य, जिससे होकर 20 फीसदी प्राकृतिक गैस और तेल का परिवहन होता है, जलमार्ग में ईरानी हमलों के कारण लगभग बंद है।

> राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध विराम की अवधि बढ़ाने की घोषणा से ईरान से आमने-सामने की बातचीत का एक नया दौर आयोजित करने के लिए अतिरिक्त समय मिल जाएगा, लेकिन दोनों के बीच हालात अभी भी तनावपूर्ण हैं।

प्रसंगवश

अदृश्य धागों से बुनी दुनिया

दुनिया को जानने-समझने के कई रास्ते हैं। विज्ञान उसे तथ्यों और नियमों की कसौटी पर परखता है, दर्शन उसे प्रश्नों और विचारों की रोशनी में देखता है, जबकि कला उसे अनुभव और संवेदना के माध्यम से व्यक्त करती है। कई बार कोई छोटा-सा प्रतीक भी जीवन की गहरी सच्चाइयों को उजागर कर देता है। जापान की एक लोककथा ऐसा ही एक प्रतीक सामने रखती है लाल धागे का।

कहा जाता है कि जब कोई बच्चा जन्म लेता है, तो उसकी छोटी उंगली में एक अदृश्य लाल धागा बंध जाता है, जो किसी दूसरे व्यक्ति से जुड़ा होता है। यह धागा दोनों के जीवन को किसी न किसी रूप में एक-दूसरे से जोड़ देता है। लोक विश्वास यह भी कहता है कि यह धागा उस रक्त-नाड़ी का विस्तार है, जो हमारे हृदय से छोटी उंगली तक जाती है। यह लोककथा केवल भाग्य की कल्पना नहीं है; यह मनुष्य के जीवन में संबंधों की अनिवार्यता का रूपक है।

कुमार सिद्धार्थ
वरिष्ठ पत्रकार

मनुष्य का जीवन दरअसल संबंधों से ही निर्मित होता है। हम अपने आप को भले ही स्वतंत्र व्यक्ति मानें, लेकिन हमारी पहचान अनेक रिश्तों, स्मृतियों और अनुभवों से मिलकर बनती है। परिवार, मित्रता, समाज, संस्कृति और साझा इतिहास ये सभी हमारे अस्तित्व को आकार देते हैं। इन संबंधों का एक बड़ा हिस्सा दिखाई नहीं देता, लेकिन उनका प्रभाव जीवन में लगातार बना रहता है। जैसे- किसी जाल के महीन धागे एक-दूसरे में उलझकर पूरी संरचना को थामे रहते हैं, वैसे ही हमारे संबंध भी जीवन की पूरी बुनावट को संभाले रखते हैं।

यदि जीवन को एक रूपक में समझना हो तो वह किसी सीधी रेखा की तरह नहीं, बल्कि धागों से बुनी हुई एक जटिल संरचना की तरह है। हर संबंध एक धागे जैसा है। कभी मजबूत, कभी ढीला, कभी उलझा हुआ और कभी टूट जाने के कगार पर। रिश्तों की यही जटिलता जीवन को अर्थ भी देती है और चुनौती भी। आज के समय में दुनिया पहले से कहीं अधिक जुड़ी हुई दिखाई देती है। तकनीक, संचार और डिजिटल माध्यमों ने दूरियों को लगभग समाप्त कर दिया है। इसके बावजूद मनुष्य के भीतर अकेलेपन की भावना भी उतनी ही तीव्र होती जा रही है।

यह हमारे समय का एक बड़ा विरोधाभास है। बाहरी जुड़ाव बढ़ रहा है, लेकिन भावनात्मक दूरी भी गहरी हो रही है। ऐसे समय में यह विचार कि हम सब अदृश्य धागों से जुड़े हुए हैं, हमें अपने अस्तित्व की एक नई समझ देता है। स्मृतियां भी इन धागों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वे हमारे भीतर अतीत की उपस्थिति बनाए रखती हैं। किसी व्यक्ति से जुड़ी एक छोटी-सी स्मृति भी वर्षों बाद अचानक जीवित हो उठती है और हमें उन क्षणों में वापस ले जाती है, जिन्हें हम बीत चुका समझते हैं। इसी तरह किसी संबंध का टूटना केवल एक व्यक्ति से दूरी नहीं होता, बल्कि हमारे जीवन की बुनावट का एक धागा ढीला पड़ जाना होता है। शायद इसलिए मनुष्य संबंधों के प्रति इतना संवेदनशील होता है।

जीवन की एक और सच्चाई उसकी अनिश्चितता है। हम योजनाएं बनाते हैं, लक्ष्य तय करते हैं, लेकिन जीवन हमेशा सीधी रेखा में नहीं चलता। कभी कोई अनजान व्यक्ति अचानक हमारे जीवन में प्रवेश कर जाता है और हमारी सोच की दिशा बदल देता है। कभी कोई रिश्ता धीरे-धीरे समय की धुंध में खो जाता है। इन सबके बीच जीवन हमें यह सिखाता है कि हर अनुभव चाहे, वह सुख का हो या दुःख का, हमारी आंतरिक यात्रा का हिस्सा है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

चले गए बब्बन खान

अजय ब्रह्मात्मज
फिल्म राइटर

हैदराबाद में आज मातम छाया हुआ है। 'अदरक के पंजे' के क्रिएटर बब्बन ख़ान नहीं रहे। पिछली सदी के आखिरी दशकों में उनके स्टेज शो का ऐसा जलवा था कि गिनीज बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स में भी इसे शामिल किया गया। हैदराबादी ह्यूमर से भरपूर इस शो में एक निम्न मध्यवर्गीय परिवार की हताशा, दुर्दशा और मनोदशा का चित्रण था। परिवार के मुखिया रामुसु अपनी गरीबी और अनियंत्रित परिवार की वजह से लगातार कर्ज में रहते हुए जिंदगी की चिखचिख से परेशान हाल रहे। यह शो छोटा परिवार सुखी परिवार का संदेश देता था।

बब्बन खान ने अपने पिता और परिवार की कहानी काफी मजेदार अंदाज में पेश किया था। आठ भाई-बहनों के परिवार में बब्बन ख़ान अपने मां-बाप की अकेली संतान के रूप में बचे रहे। 10 की उम्र तक तो उनका नाम भी नहीं रखा गया था। मां-बाप ने सोचा था कि जिंदा रहेगा तो नाम रख देंगे।

बब्बन ख़ान ने अपने खस्ताहाल परिवार की यह तंजिया कहानी रात भर में एक लैंप पोस्ट के नीचे बैठकर लिखी। मां का इकलौता गहना बेचकर शो की व्यवस्था की। शो के दो टिकट देकर दर्जी से अपनी शेरवानी सिलवाई। पहला शो नाकाम रहा, लेकिन किसी प्रशंसक ने नेपथ्य में जाकर उन्हें 500 रुपये दिए और कहा कि शो जारी रखना।

धीरे-धीरे यह शो हैदराबाद से देश के अनेक शहरों से होता हुआ, विदेश के शहरों में भी धूम मचाता रहा। 10,000 से अधिक इसके शो हो चुके थे।

स्टैंडअप कॉमेडी के चलन में आने के बहुत पहले बब्बन ख़ान ने घरेलू और पारिवारिक हंसी-मजाक का ऐसा पुलिंदा पेश किया था कि दर्शक हंसते-हंसते बेहाल हो जाते थे।

बब्बन खान की मेधा को सलाम! **-फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

गांव के युवाओं में हुनर है, मगर बाजार नहीं

देश के ग्रामीण इलाकों में हुनर की कमी नहीं है, बात अगर बिहार की करें, तो यहां हर गांव एक चलता-फिरता कारीगर विद्यालय लगता है। कहीं मिट्टी को आकार देकर सुंदर बर्तन बनाए जाते हैं, तो कहीं सुई-धागे और रंगों से दीवारों और कपड़ों पर ऐसी कलाकारी की जाती है, जिसे देखकर शहरों की महंगी गैलरियां भी फीकी पड़ जाएं, लेकिन विडंबना यह है कि इतना हुनर होने के बावजूद नौजवानों के लिए रोजगार और बाजार की कमी आज भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। यही कारण है कि या तो वे बेरोजगार हैं या फिर अपने गांव और परिवार को छोड़कर दूसरे राज्यों में पलायन करने को मजबूर हैं। इसका असर केवल परिवारों पर ही नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही पारंपरिक हस्तकलाओं पर भी पड़ रहा है, जो मिटने की कगार पर पहुंच रही हैं।

भारत जैसे विशाल देश में बेरोजगारी की समस्या लंबे समय से चिंता का विषय रही है। हाल के आंकड़ों के अनुसार, आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 में देश की बेरोजगारी दर वर्ष 2023-24 में लगभग 3.2% दर्ज की गई, जबकि युवाओं के बीच बेरोजगारी की दर इससे कहीं अधिक है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच रोजगार के अवसरों में बड़ा अंतर भी देखने को मिलता है, जिससे ग्रामीण युवाओं को अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

सरिता कुमारी
एक्टिविस्ट

यदि बिहार की बात करें, तो यहां बेरोजगारी का संकट विशेष रूप से युवाओं के बीच गहराता जा रहा है। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, राज्य में बेरोजगारी दर लगभग 11.4% के आसपास बताई गई है, जो कई अन्य राज्यों की तुलना में अधिक है। इसके साथ ही यह भी देखा गया है कि नियमित और स्थायी नौकरियों की भारी कमी है, जिसके कारण बहुत से लोग अस्थायी या अनियमित काम करने को मजबूर हैं। हाल के वर्षों में युवाओं में बेरोजगारी की दर फिर से बढ़कर लगभग 16% तक पहुंचने की खबरें सामने आई हैं, जो इस समस्या की गंभीरता को दर्शाती हैं।

यहां बेरोजगारी की समस्या का सबसे बड़ा कारण रोजगार के सीमित अवसर और कौशल के अनुसार काम का अभाव है। बिहार की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है, जहां लगभग 54% से अधिक लोग कृषि से जुड़े हुए हैं, लेकिन कृषि कार्य मौसमी होने के कारण पूरे वर्ष रोजगार उपलब्ध नहीं रहता। इसके परिणामस्वरूप ग्रामीण युवाओं को वर्ष के कई महीनों में खाली बैठना पड़ता है या फिर उन्हें दूसरे राज्यों जैसे दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और महाराष्ट्र की ओर पलायन करना पड़ता है।

बिहार के उत्तरी भाग, विशेषकर सीतामढ़ी और मिथिला क्षेत्र, अपनी पारंपरिक हस्तकलाओं के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध रहे हैं। मिथिला क्षेत्र की मधुबनी पेंटिंग जहां भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों तक अपनी पहचान बना चुकी है। वहीं सीतामढ़ी और उसके आसपास के क्षेत्र की हस्तकलाएं जैसे सिक्की घास से बनी टोकरियां, बांस से बनी हस्तशिल्प, लकड़ी के खिलौने और मिट्टी के बर्तन जैसी कई पारंपरिक कलाएं भी पीढ़ी दर पीढ़ी अपनी पहचान बनाए हुए हैं।

इन कलाओं में स्थानीय संसाधनों का उपयोग किया जाता है, जिससे पर्यावरण को भी नुकसान नहीं होता, लेकिन आज इन पारंपरिक हस्तकलाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। बाज़ार की कमी और उचित मूल्य का अभाव। कई बार कारीगरों को महीनों की मेहनत के बाद भी इतना पैसा नहीं मिलता कि वे अपने परिवार का खर्च आसानी से चला सकें। नई पीढ़ी इन कलाओं से दूरी बनाने लगी है, क्योंकि उन्हें भविष्य सुरक्षित नहीं दिखता। (यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

आमने

पिछली कांग्रेस सरकार ने इस प्रोजेक्ट में सालों की देरी की थी। प्रधानमंत्री ने ही 2018 में इसे फिर से शुरू किया और इसकी प्रगति को तेज़ किया। जनता उस दौर में रिफाइनरी प्रोजेक्ट में हुए कथित घोटालों और विवादित जमीन सौदों से वाकिफ है। इस प्रोजेक्ट के बारे में सच्चाई लोगों के सामने पहले ही आ चुकी है।

– भजनलाल शर्मा,
मुख्यमंत्री, राजस्थान

सामने

रिफाइनरी प्रोजेक्ट में देरी और साइट से जुड़ी हाल की दुर्घटना से ध्यान भटकाने की कोशिशें की जा रही हैं। देरी भाजपा के कार्यकाल के दौरान हुई थी और प्रोजेक्ट का उद्घाटन करने की मौजूदा 'जल्दबाजी' के कारण ही यह घटना हुई। दो दिन बाद भी, दुर्घटना पर आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी नहीं हुआ है। **-अशोक गहलोत**
पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान

नेपाल: गृहमंत्री का इस्तीफा व जनता की उम्मीदें

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल में दो मंत्रियों के रुखसती को 'बालेन सरकार की उलटी गिनती' की दृष्टि से भले न देखा जाए, लेकिन इस घटना से मात्र 26 दिन पूर्व सत्ता रूढ़ हुई बालेन सरकार के अनुभव और परिपक्वता को लेकर सवाल उठना लाजिमी है। मनी लांड्रिंग और विवादित व्यवसायी दीपक भट्ट से व्यवसायिक साझेदारी, संपत्ति अर्जन जैसे और भी आरोपों के खुलासे के बाद सुडान गुरूंग के खिलाफ विरोध और प्रदर्शन तेज हो गया था। उनके खिलाफ काठमांडू के नकसाल थाने में प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग जोर पकड़ रही थी। सुडान गुरूंग ने, हालांकि अपने शोसल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस्तीफा न देने की बात कही थी, लेकिन अचानक उन्होंने बुधवार को प्रधानमंत्री बालेन शाह को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

नेपाल में 26 दिन के भीतर यह दूसरे मंत्री का इस्तीफा है। इसके कुछ दिन पूर्व जब श्रम मंत्री दीपक कुमार साह का इस्तीफा हुआ था, तब बालेन शाह की खूब वाहवाही हुई थी। दीपक कुमार साह पर अपनी पत्नी को स्वास्थ्य बोर्ड में सदस्य के पद पर स्थापित करने का आरोप था। दीपक साह धोखाधड़ी के मामले में जेल भी जा चुके हैं। दीपक साह से इस्तीफा लेने पर बालेन सरकार के स्वच्छ छवि के कसीदे पढ़े गए थे, वहीं सुडान गुरूंग के इस्तीफे को एक ऐसे मंत्री का इस्तीफा माना जा रहा है, जिसने सिर्फ ईमानदार होने का मुखौटा लगा रखा था।

सुडान गुरूंग की छवि जेन जी आंदोलन के जरिए ओली सरकार को अपदस्थ करने वाले नायक की उभरी थी। ओली सरकार पर भ्रष्टाचार के अनगिनत आरोप थे। ओली ही क्यों, राजशाही खत्म होने के बाद नेपाल में जितनी भी सरकारें आईं, उन सबसे जनता ऊब चुकी थी। जेन जी आंदोलन में ओली तो सेना के कैंप में भागकर मार-पिटाई से बच गए थे, जबकि लगभग सभी पार्टियों के शीर्ष नेता, पूर्व प्रधानमंत्री, उनकी पत्नियां जेन जी के गुस्से का शिकार हुई थीं। जनता चूंकि उन सभी सरकारों से ऊबी हुई थी, इसलिए ऐसे नेताओं के साथ हुए बर्बर व्यवहार से खुश थी। इस हिंसक आंदोलन में 76 युवाओं की जान गई थी और काठमांडू में महत्वपूर्ण सरकारी इमारतें, माल और हिल्टन जैसे अरबों रुपये के होटल आग के हवाले हो गए थे।

राजनीतिक अफरातफरी के बीच उच्च न्यायालय की पूर्व जज सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन हुआ। इस सरकार ने छः महीने के अंदर चुनाव कराकर चुनी हुई सरकार को सत्ता सौंप देने का वादा किया। अंतरिम सरकार के गठन और प्रधानमंत्री के चयन में भी सुडान गुरूंग की भूमिका खास थी। इस पार्टी के अध्यक्ष पूर्व पत्रकार रवि लामी छाने हैं। वे पिछले चुनाव में पूर्वी नेपाल में पहली मर्तबा चुनाव लड़े और बीस सांसदों के साथ नेपाल प्रतिनिधि सभा में धमाकेदार इंट्री की और ओली सरकार में उप प्रधानमंत्री के साथ गृहमंत्री भी बने, लेकिन अमेरिकी नागरिकता विवाद के चलते उन्हें उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप से मंत्री और प्रतिनिधि सभा से इस्तीफा देना पड़ा, हालांकि बाद में इस विवाद के हल हो जाने पर वे फिर जीतकर प्रतिनिधि सभा में लौटे, लेकिन मंत्री अथवा अन्य किसी सरकारी पद से दूर रहे।

बतौर गृह मंत्री रवि लामी छाने की छवि काफी सख्त थी। पहली मर्तबा उन्होंने ब्यूरोक्रेट्स और राजनीतिक भ्रष्टाचार पर प्रहार किया था। रवि लामी छाने के इस तेवर से खुद ओली सरकार हिल गई थी, साथ ही अन्य राजनीतिक दलों के बड़े नेता भी कांप उठे थे, क्योंकि सबके हाथ भ्रष्टाचार में सने हुए हैं, हालांकि रवि लामी छाने स्वयं एक बड़े घोटाले में न्यायालय का सामना कर रहे हैं।

नेपाल की राजनीति में रवि लामी छाने और उनकी पार्टी की छवि अन्य पार्टियों की अपेक्षा स्वच्छ थी। यही वजह रही कि काठमांडू के मेयर रहे, बालेन शाह, हामी नेपाल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के संचालक रहे सुडान गुरूंग और तमाम दूसरे पार्टियों के नेता बड़ी तेजी से इस पार्टी में शामिल हुए। रवि लामी छाने ने बालेन शाह को प्रधानमंत्री का चेहरा तय कर दिया।

जनता चूंकि परिवर्तन के मूड में थी ही, लिहाजा चुनाव हुआ तो पहाड़ से मैदान तक राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को एक तरफा जीत मिली। शपथ ग्रहण के बाद हर रोज सरकार के चकित करने वाले एक से एक फरमान से जनता उत्साहित थी और उसे परिवर्तन की अनुभूति की आश थी। गृहमंत्री पद पर रहते हुए सुडान गुरूंग ने पूर्व पीएम ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक को गिरफ्तार करने का आदेश देकर सुर्खियां बटोरीं तो थी, लेकिन अपनी ही पार्टी के अंदरखाने उनकी आलोचना भी होने लगी थी। उनका अन्य मंत्रालयों में दखल भी मंत्रियों को असहज कर रहा था। गृहमंत्री सुडान गुरूंग के खिलाफ जेन जी के ही एक धड़े ने मोर्चा खोल दिया है। इस घटना से बालेन सरकार का असहज होना स्वाभाविक है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> जनता के आंदोलन और सवालों के बीच नेपाल के गृहमंत्री सुडान गुरूंग ने इस्तीफा दे दिया है। उम्मीदों से भरी जनता के साथ संतुलन बैठाना बालेन सरकार के लिए मुश्किल हो रहा है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

खोज

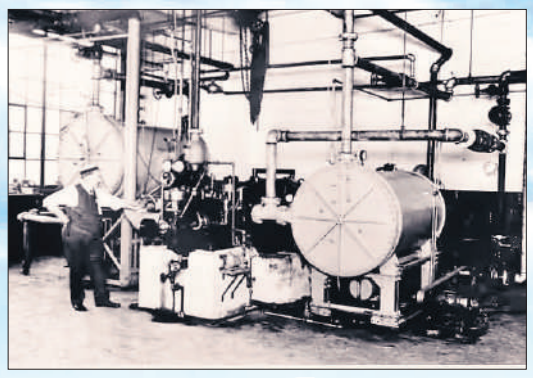

ऐसे हुई एसी की खोज

एयर कंडीशनर (AC) का मुख्य कार्य कमरे के तापमान को नियंत्रित करना और वातावरण को आरामदायक बनाना होता है। यह गर्म हवा को बाहर निकालकर ठंडी हवा अंदर पहुंचाता है, जिससे कमरे में ठंडक बनी रहती है। आज के आधुनिक AC सिर्फ ठंडक ही नहीं देते, बल्कि हीटिंग और एयर प्यूरीफिकेशन जैसी सुविधाएं भी प्रदान करते हैं। AC की क्षमता को British Thermal Unit (BTU) में मापा जाता है, जो इसकी कूलिंग क्षमता को दर्शाता है।

एयर कंडीशनर का आविष्कार विलिस हेवलैंड कैरियर ने वर्ष 1902 में किया था। वे कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद Buffalo Forge Company के प्रिंटिंग प्लांट में कार्यरत थे। वहां अधिक गर्मी और नमी के कारण अखबार की छपाई में समस्या आ रही थी, विशेषकर रंगीन स्याही सही ढंग से कागज पर नहीं बैठती थी। इस चुनौती को हल करने के लिए कैरियर ने एक ऐसी मशीन विकसित की, जो तापमान और नमी दोनों को नियंत्रित कर सके। उनका यह आविष्कार सफल रहा और प्रिंटिंग प्रक्रिया में सुधार आया।

2 जनवरी 1906 को कैरियर को उनके इस आविष्कार के लिए अमेरिकी पेटेंट (नंबर 808897) प्राप्त हुआ। शुरुआती AC मशीनें आकार में बहुत बड़ी थीं और केवल उद्योगों में ही उपयोग की जा सकती थीं। बाद में तकनीक के विकास के साथ इन्हें छोटे आकार में बनाया जाने लगा।

साल 1915 में कैरियर ने एयर कंडीशनिंग के क्षेत्र में उत्पादन को बढ़ाने के लिए कंपनी स्थापित की। इसके बाद 1931 में H. H. Schultz और J. Q. Sherman ने विंडो AC का आविष्कार किया, जिसे 1932 में बाजार में उतारा गया। उस समय इसकी कीमत काफी अधिक थी, जिससे यह आम लोगों की पहुंच से दूर था। समय के साथ एयर कंडीशनर तकनीक में निरंतर सुधार हुआ है और आज यह हमारे दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

वैज्ञानिक बारे में

विलिस हेवलैंड कैरियर का जन्म 26 नवंबर 1876 को Angola, न्यूयॉर्क में हुआ था। वे बचपन से ही जिज्ञासु और गणित में रुचि रखने वाले थे। उनकी माता ने उन्हें कठिन समस्याओं को सरल तरीकों से समझना सिखाया, जिसका प्रभाव उनके पूरे जीवन पर पड़ा। उन्होंने Cornell University से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। कैरियर का स्वभाव शांत और शोधपरक था। उन्होंने अपना अधिकांश जीवन वैज्ञानिक कार्यों और आविष्कारों को समर्पित किया। 1950 में उनका निधन हुआ, लेकिन उनके योगदान आज भी दुनिया को ठंडक पहुंचा रहे हैं।

चिंपैंजियों के बीच चल रहा है खूनी गृहयुद्ध

दुनिया के एक हिस्से में एक ऐसी जंग भी हो रही है, जिसमें सीजफायर कराने वाला कोई नहीं है। ये ईरान, इजराइल या अमेरिका के बीच युद्ध नहीं है, बल्कि ये अफ्रीकी देश युगांडा के जंगलों में चल रहा है और इस युद्ध में इंसान नहीं, बल्कि चिंपैंजी लड़ रहे हैं। वैसे तो यह युद्ध पिछले आठ सालों से लगातार चल रहा है, लेकिन अप्रैल 2026 में यह तब प्रकाश में आया जब वैज्ञानिकों ने पश्चिमी यूगांडा (पूर्वी अफ्रीका) के किबाले नेशनल पार्क (नगोगो क्षेत्र) में चिंपैंजी के बीच एक बहुत खूनी 'सिविल वार' (आंतरिक युद्ध) की रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसे मीडिया में 'ब्लडियस वार ऑन रिकार्ड' या 'प्राइमेट सिविल वार' कहा जा रहा है। यहां दुनिया का सबसे बड़ा ज्ञात जंगली चिंपैंजी समूह है, जिसमें लगभग 200 सदस्य। शोधकर्ता इसे 1995 से अध्ययन कर रहे हैं।

डॉ. इरफान ह्यूमन
विज्ञान लेखक

वैज्ञानिक विश्लेषण

चिंपैंजी यानी वनमानुष, जिसे आम बोलचाल की भाषा में कभी-कभी चिम्प भी कहा जाता है, का वैज्ञानिक नाम पैन ट्रोग्लोडाइट्स है। यह होमिनीडे परिवार का सदस्य है। चिंपैंजी मनुष्यों से कई व्यावहारिक और संज्ञानात्मक लक्षण साझा करते हैं, जैसे हंसी, दुख, सहानुभूति और औजार उपयोग। ये विशेषताएं उन्हें वैज्ञानिक अध्ययन (प्राइमेटोलॉजी) के लिए बहुत महत्वपूर्ण बनाती हैं। इनके सबसे निकटतम रिश्तेदार हैं बोनोबो और मनुष्य। मनुष्यों के साथ डीएनए समानता लगभग 98.7 प्रतिशत है। दोनों का एक साझा पूर्वज लगभग 6-7 मिलियन वर्ष पहले था। चिंपैंजी औजारों का उपयोग करते हैं, जैसे छड़ियों से दीमक निकालना, पत्थर से नट तोड़ना आदि। जेन गुडॉल ने 1960 में सबसे पहले इसका अवलोकन किया था, जिसमें उन्होंने समस्या समाधान, योजना बनाना, स्मृति, संकेत भाषा सीखना और संख्याओं की समझ का अध्ययन साझा किया। ये शिकार करते हैं, कभी-कभी युद्ध और हिंसा भी दिखाते हैं।

गृहयुद्ध के कारण

चिंपैंजी के युद्ध का वैज्ञानिकों को सटीक कारण अभी पता नहीं है। चिंपैंजियों के बीच छिड़े इस गृहयुद्ध के पीछे तीन बड़ी वजहें बताई जा रही हैं। पहली है चिंपैंजियों की बढ़ती जनसंख्या। साल 2016 तक किबाले नेशनल पार्क में चिंपैंजियों के गुटों में सदस्यों की संख्या 200 के पार पहुंच गई थी, इतनी आबादी की वजह से खाने के संसाधनों को लेकर तनाव पैदा होने लगा था। दूसरी बड़ी वजह थी 2017 में जंगलों में आया एक वायरस, जिससे बुजुर्ग चिंपैंजियों की बड़ी तादाद में मौत हो गई थी। बुजुर्गों की मौत के बाद बड़े गुटों में कई अल्फा मेल यानी गुट का नेतृत्व करने वाले चिंपैंजी बन गए थे। इसी तीसरे कारण के चलते चिंपैंजियों के गुट ज्यादा क्षेत्र कब्जाने के लिए लड़ने लगे और यह गृहयुद्ध छिड़ गया। बीते दिनों यहां शुरुआत में आपसी टकराव के चलते पच्चीस चिंपैंजियों की मौत हुई थी और इन मौतों के बाद से ये कथित गृहयुद्ध बढ़ता चला गया और ये आज तक जारी है। आपके मन में एक सवाल उठ रहा होगा कि आखिर चिंपैंजी गृहयुद्ध कैसे करते हैं? क्या चिंपैंजी भी कोई रणनीति बनाते हैं? क्या चिंपैंजियों के पास भी इंसानों की तरह हथियार होते हैं? चिंपैंजी और इंसान के डीएनए में अधिकांश समानता होती है। यही वजह है कि जब चिंपैंजी जंग करने उतरता है, तो वो इंसानों की तरह रणनीति भी बनाता है। चिंपैंजी अपने शत्रु की आवाजाही के रास्ते को देखते और समझते हैं। जब शत्रु कम संख्या में अपने पारंपरिक रास्ते से गुजर रहा होता है, तो बड़ा दल बनाकर चिंपैंजी उस पर हमला कर देते हैं, बिल्कुल इंसानों की तरह। खास बात ये है कि हमले के वक्त आक्रामक दल के कुछ चिंपैंजी उन रास्तों को बंद कर देते हैं, जहां से दुश्मन के भागने की संभावना हो, जो एक खूनी संघर्ष को जन्म देता है।

मानव युद्ध की जड़ों की समझ

चिंपैंजी हमारे सबसे करीबी रिश्तेदार हैं। शोधकर्ता 30$ साल के डेटा से यह अध्ययन साइंस जर्नल में प्रकाशित की। 24 वर्षों के सामाजिक नेटवर्क डेटा से पता चला कि 2015 में दो क्लस्टर के बीच संबंध कमजोर पड़ने लगे। पहले वे एक-दूसरे के साथ घूमते, संभोग करते और संबंध रखते थे। बाद में वे अलग-अलग क्षेत्र में रहने लगे और 2018 तक कोई सकारात्मक संबंध नहीं बचा। "पुराने दोस्त दुश्मन बन गए", यह रिलेशनल डायनेमिक्स (संबंधों की गतिशीलता) का परिणाम माना जाता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि चिंपैंजी में यह हिंसा बिना भाषा, धर्म, जाति या विचारधारा के सिर्फ सामाजिक संबंधों के टूटने से हुई। इससे मानव युद्ध की जड़ें समझने में मदद मिल सकती है, शायद संबंधों की गतिशीलता मानव संघर्ष में भी ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जितना हम सोचते हैं। वैज्ञानिक लगातार निगरानी कर रहे हैं।

क्या कहते हैं वैज्ञानिक अध्ययन

साइंस जर्नल में प्रकाशित एक नए अध्ययन में प्राइमेटोलॉजिस्ट आरोन सैंडेल और उनके सहयोगियों ने जंगली चिंपैंजी में देखे गए पहले 'गृह युद्ध' का दस्तावेजीकरण किया है। जून 2015 में सैंडेल युगांडा के किबाले राष्ट्रीय उद्यान में न्गोगो चिंपैंजी समूह के एक छोटे से झुंड का अवलोकन कर रहे थे, तभी उन्होंने देखा कि जैसे ही चिंपैंजी के बड़े समूह के अन्य सदस्य जंगल में उनके करीब आने लगे, उनके सामने मौजूद चिंपैंजी घबराए हुए व्यवहार करने लगे। वे मुंह बनाने लगे और एक-दूसरे को तसल्ली देने के लिए छूने लगे, ऐसा लग रहा था जैसे वे किसी अजनबी से मिलने वाले हों, जबकि वे सब उनके अपने करीबी साथी थे। सैंडेल ने बाद में कहा कि वह क्षण चिंपैंजी के एक कभी घनिष्ठ समूह के बीच वर्षों तक चलने वाले खूनी संघर्ष का पहला संकेत था।

शोधकर्ताओं ने दुनिया में जंगली चिंपैंजी के सबसे बड़े ज्ञात समूह में स्थायी विभाजन का पता लगाने के लिए चिंपैंजी के इस सुप्रसिद्ध समूह के तीन दशकों से अधिक के व्यवहार संबंधी अवलोकनों का सहारा लिया। दोनों समूहों के मजबूत होने के बाद, पश्चिमी समूह के सदस्यों ने अगले सात वर्षों में केंद्रीय समूह पर चौबीस लगातार और समन्वित हमले किए, जिनमें कम से कम सात वयस्क पुरुषों और सत्रह शिशुओं की मौत हो गई। सैंडेल ने बताया कि अचानक मृत्यु ने संभवत: मोहल्लों के बीच संबंधों को कमजोर कर दिया, जिससे अल्फा परिवर्तन होने पर यह समूह ध्रुवीकरण के प्रति संवेदनशील हो गया। फिर 2017 में एक बीमारी का प्रकोप भी हुआ, जिसने संभवत: विभाजन को अपरिहार्य बना दिया या इसे थोड़ा तेज कर दिया। अध्ययन में बताया गया है कि आनुवंशिक साक्ष्यों के आधार पर, चिंपैंजी के बीच ये गृहयुद्ध संभवत: हर 500 वर्षों में एक बार होते हैं यानी 500 सालों में चिंपैंजियों की आबादी ज्यादा हो जाती है और फिर आपसी तनाव और खून-खराबे का दौर शुरू होता है, लेकिन सैंडेल ने कहा कि कोई भी मानवीय गतिविधि जो सामाजिक एकता को बाधित करती है, जैसे वनों की कटाई, जलवायु संकट या बीमारियों का प्रकोप, ऐसे अंतर-समूह संघर्षों को और अधिक सामान्य बना सकती है।

मरीन लाइफ

समुद्री संतुलन के रक्षक

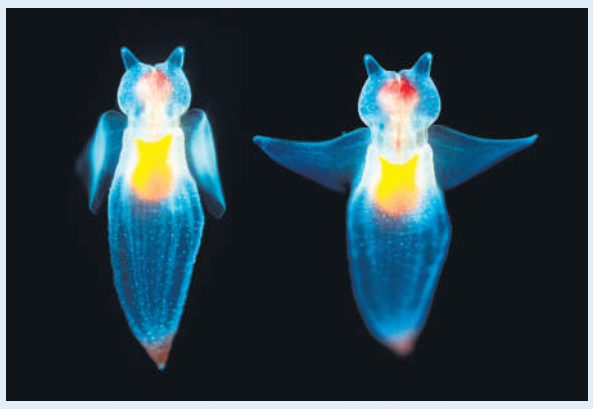

समुद्री देवदूत छोटे, तैरने वाले समुद्री घोंघे होते हैं, जिन्हें वैज्ञानिक रूप से Sea Angel कहा जाता है। उनका पारदर्शी, नाजुक शरीर और पंखों जैसी संरचनाएं उन्हें किसी दिव्य जीव जैसा रूप देती हैं, इसलिए इन्हें 'देवदूत' नाम मिला है। ये जीव मुख्यतः ठंडे और गहरे समुद्री जल में पाए जाते हैं, विशेष रूप से आर्कटिक और अंटार्कटिक क्षेत्रों में। समुद्री देवदूत वास्तव में Gastropods के विकसित रूप हैं। सामान्य घोंघों की तरह इनके पूर्वजों के पास कठोर खोल और रेंगने के लिए मांसल पैर होते थे, लेकिन समय के साथ इनके शरीर में अद्भुत परिवर्तन हुए। उनका पैर विकसित होकर दो पंखनुमा उपांगों में बदल गया, जिनकी मदद से वे पानी में सुंदर ढंग से तैरते हैं। साथ ही, उनका खोल पूरी तरह समाप्त हो गया, जिससे वे अधिक हल्के और तेज तैराक बन सके।

हालांकि उनका रूप बेहद आकर्षक और शांत लगता है, लेकिन उनका व्यवहार एक कुशल शिकारी का होता है। समुद्री देवदूत अपने शिकार को पकड़ने के लिए विशेष संरचनाओं का उपयोग करते हैं। इनके पास Radula नामक दांतेदार जीभ जैसी संरचना होती है, जो शिकार को पकड़ने और चीरने में मदद करती है। इसके अलावा, वे अपने टेंटेकल्स (स्पर्शक) की सहायता से शिकार को जकड़ते हैं और उसे खोल से बाहर खींच लेते हैं। इनका मुख्य शिकार एक विशेष प्रकार का पंखदार घोंघा होता है, जिसे Clione limacina कहा जाता है। यह शिकारी-शिकार संबंध समुद्री पारिस्थितिकी में संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समुद्री देवदूत अत्यधिक चयनात्मक होते हैं और लगभग केवल इसी प्रजाति पर निर्भर रहते हैं।

आज के समय में जलवायु परिवर्तन और Ocean Acidification समुद्री देवदूतों के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। महासागरों में बढ़ती अम्लता उनके शिकार के खोल को कमजोर कर देती है, जिससे उनका जीवन चक्र प्रभावित होता है। यदि उनके शिकार की संख्या घटती है, तो इसका सीधा असर समुद्री देवदूतों की आबादी पर पड़ेगा। इस प्रकार, समुद्री देवदूत न केवल अपनी सुंदरता के लिए प्रसिद्ध हैं, बल्कि वे समुद्री पारिस्थितिकी के नाजुक संतुलन का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उनका जीवन हमें यह समझाता है कि प्रकृति में सौंदर्य और संघर्ष साथ-साथ चलते हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

आखिर क्यों होता है पुरुषों में कलर ब्लाइंडनेस ज्यादा

पुरुषों में कलर ब्लाइंडनेस की संभावना महिलाओं की तुलना में अधिक होती है और इसका मुख्य कारण आनुवंशिकी है। रंगों को पहचानने की क्षमता हमारी आंखों के रेटिना में मौजूद विशेष कोशिकाओं, जिन्हें कोन (cones) कहा जाता है, पर निर्भर करती है। इन कोशिकाओं में मौजूद पिगमेंट प्रकाश की विभिन्न तरंगदैर्घ्य को पहचानते हैं, जिससे हमें लाल, हरा और नीला जैसे रंग दिखाई देते हैं। जब इन पिगमेंट्स में किसी प्रकार की कमी या दोष होता है, तो व्यक्ति को रंगों को पहचानने में कठिनाई होती है। विशेष रूप से, सबसे सामान्य प्रकार का रंगभेद Red-green color blindness है। इसके लिए जिम्मेदार जीन X chromosome पर स्थित होते हैं। महिलाओं के पास दो एक्स क्रोमोसोम (XX) होते हैं, जबकि पुरुषों के पास एक एक्स और एक वाई क्रोमोसोम (XY) होता है। यदि किसी महिला के एक एक्स क्रोमोसोम में कलर ब्लाइंडनेस का दोषपूर्ण जीन हो, तो दूसरा स्वस्थ एक्स क्रोमोसोम उसकी भरपाई कर सकता है। यही कारण है कि महिलाओं में कलर ब्लाइंडनेस अपेक्षाकृत कम पाया जाता है। इसके विपरीत, पुरुषों के पास केवल एक ही एक्स क्रोमोसोम होता है। यदि उस पर कलर ब्लाइंडनेस से संबंधित जीन मौजूद हो, तो उसके प्रभाव को संतुलित करने के लिए कोई दूसरा एक्स क्रोमोसोम नहीं होता। परिणामस्वरूप, पुरुषों में कलर ब्लाइंडनेस होने की संभावना अधिक होती है। यही वजह है कि लगभग हर 12 में से 1 पुरुष इस समस्या से प्रभावित होता है, जबकि महिलाओं में यह अनुपात बहुत कम है। कलर ब्लाइंडनेस के कई प्रकार होते हैं, जैसे Protanopia (लाल रंग को पहचानने में कठिनाई), Deuteranopia (हरे रंग की पहचान में समस्या) और Tritanopia (नीले रंग से संबंधित दुर्लभ समस्या)। अधिकतर मामलों में यह जन्मजात होता है, लेकिन कुछ स्थितियों में उम्र बढ़ने, आंखों की बीमारियों या दवाओं के प्रभाव से भी रंग पहचानने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

हालांकि कलर ब्लाइंडनेस का कोई स्थायी इलाज नहीं है, लेकिन आधुनिक तकनीक ने कुछ सहायक उपाय उपलब्ध कराए हैं। विशेष प्रकार के चश्मे और मोबाइल ऐप्स रंगों के अंतर को बेहतर ढंग से समझने में मदद करते हैं। इस प्रकार, कलर ब्लाइंडनेस केवल एक कमजोरी नहीं, बल्कि आनुवंशिक विविधता का एक उदाहरण है, जो यह दर्शाता है कि मानव शरीर की संरचना कितनी जटिल और रोचक है।

चिंतनीय है पृथ्वी पर बढ़ता तापमान और सिमटते वन

पृथ्वी केवल एक खगोलीय पिंड नहीं, बल्कि जीवन की वह अद्भुत संरचना है, जिसमें असंख्य तंत्र एक साथ संतुलन में कार्य करते हैं। वायु, जल, मृदा, वनस्पति और जीव-जंतु- ये सभी मिलकर एक ऐसा पारिस्थितिक तंत्र रचते हैं, जो करोड़ों वर्षों की विकास प्रक्रिया का परिणाम है। किंतु वर्तमान समय में यह संतुलन अभूतपूर्व संकट से गुजर रहा है। मानव-जनित कारणों से पृथ्वी का तापमान निरंतर बढ़ रहा है और इसका सीधा प्रभाव वनों तथा वन्यजीवों के अस्तित्व पर पड़ रहा है। प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस इस संकट को समझने और उससे उबरने की दिशा में सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। जब हम इस विराट सृष्टि के स्वरूप पर विचार करते हैं, तो सबसे पहले जिस तत्व का बोध होता है, वह पृथ्वी है। यही वह धरा है, जिसने अनादि काल से समस्त जीव-जगत को अपने आंचल में स्थान दिया है। यह केवल मिट्टी, जल और पाषाण का समूह नहीं, बल्कि जीवन का आधार, चेतना का केंद्र और अस्तित्व का स्तंभ है।

भारतीय मनीषा ने पृथ्वी को 'माता' कहकर संबोधित किया और मनुष्य को उसका 'पुत्र' माना। यह संबंध केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि गहन वैज्ञानिक और दार्शनिक आधार पर टिका हुआ है। प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस हमें इसी संबंध का स्मरण कराता है और यह प्रश्न उठाता है कि क्या हम अपनी माता के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वाह कर पा रहे हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों से यह स्पष्ट हो चुका है कि औद्योगिक युग के आरंभ से अब तक पृथ्वी के औसत तापमान में लगभग 1 डिग्री से अधिक की वृद्धि हो चुकी है। यह वृद्धि भले ही नगण्य प्रतीत हो, परंतु इसके परिणाम अत्यंत व्यापक हैं। पृथ्वी की ऊष्मा संतुलन प्रणाली, जिसमें सूर्य से प्राप्त ऊर्जा और अंतरिक्ष में उत्सर्जित ऊर्जा का संतुलन शामिल है- अब असंतुलित हो रही है। वायुमंडल में कार्बन युक्त गैसों की मात्रा बढ़ने से यह ऊष्मा पृथ्वी की सतह पर अधिक समय तक बनी रहती है, जिससे तापमान में वृद्धि होती है।

डॉ. जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

वर्तमान समय में वायुमंडल में कार्बन युक्त गैसों की सांद्रता ऐतिहासिक रूप से उच्च स्तर पर पहुंच चुकी है। यह वृद्धि मुख्यतः जीवाश्म ईंधनों के दहन, वनों की कटाई और औद्योगिक प्रक्रियाओं के कारण हुई है। परिणामस्वरूप, पृथ्वी की सतह, महासागरों और वायुमंडल का तापमान निरंतर बढ़ रहा है। वन इस संतुलन को बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वृक्ष प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया के माध्यम से वायुमंडल से कार्बन युक्त गैसों को अवशोषित करते हैं और प्राणवायु का उत्सर्जन करते हैं। तापमान वृद्धि का सीधा प्रभाव वनों की संरचना और उनकी जैव विविधता पर पड़ता है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, तापमान में वृद्धि के कारण अनेक वृक्ष प्रजातियां अपने पारंपरिक आवास क्षेत्रों से विस्थापित हो रही हैं। वे ऊंचाई वाले या ठंडे क्षेत्रों की ओर प्रवास कर रही हैं, जिससे वन पारिस्थितिकी तंत्र में असंतुलन उत्पन्न हो रहा है।

वनाग्नि की घटनाओं में वृद्धि भी तापमान वृद्धि का एक गंभीर परिणाम है। उच्च तापमान, कम आर्द्रता और सूखे की स्थिति वनों को अत्यधिक ज्वलनशील बना देती है। एक बार आग लगने पर यह तेजी से फैलती है और विशाल क्षेत्रों को नष्ट कर देती है। इन आगों के कारण न केवल वृक्षों की हानि होती है, बल्कि वायुमंडल में बड़ी मात्रा में कार्बन युक्त गैसें भी उत्सर्जित होती हैं, जो तापमान वृद्धि को और बढ़ाती हैं। वन्यजीवों पर इसका प्रभाव अत्यंत गंभीर है। प्रत्येक जीव की एक तापीय सीमा होती है, जिसके भीतर वह जीवित रह सकता है। जब तापमान इस सीमा से बाहर जाता है, तो उनके शरीर की जैव-रासायनिक क्रियाएं प्रभावित होती हैं।

जल स्रोतों का सूखना इस संकट को और गहरा करता है। जंगलों में रहने वाले जीव जल के लिए लंबी दूरी तय करने को विवश हो जाते हैं, जिससे उनका जीवन और अधिक संकटग्रस्त हो जाता है। यह स्थिति कई बार मानव और वन्यजीवों के बीच संघर्ष को जन्म देती है, जो दोनों के लिए हानिकारक है। समाधान के स्तर पर हमें बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, वनों का संरक्षण और विस्तार आवश्यक है। वृक्षारोपण केवल संख्या बढ़ाने का प्रयास नहीं होना चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लगाए गए वृक्ष दीर्घकाल तक जीवित रहें और पारिस्थितिक संतुलन में योगदान दें। इसमें समाज और शासन की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पर्यावरण संरक्षण के लिए कठोर नियम बनाए जाने चाहिए और उनका पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। शिक्षा के माध्यम से लोगों में जागरूकता फैलाना आवश्यक है, ताकि वे अपने कर्तव्यों को समझ सकें।

जैव विविधता की स्थिति

वन्यजीव इस तंत्र की दूसरी महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे बीजों के प्रसार में सहायक होते हैं, जिससे नए वृक्षों का जन्म होता है। वे खाद्य श्रृंखला का हिस्सा होते हैं, जिससे विभिन्न जीवों की संख्या संतुलित रहती है। यदि यह संतुलन बिगड़ता है, तो इसका प्रभाव पूरे पर्यावरण पर पड़ता है।

तापमान वृद्धि के कारण जल स्रोतों का सूखना भी वन्यजीवों के लिए एक बड़ी चुनौती है। वैज्ञानिक अध्ययनों से यह ज्ञात हुआ है कि वैश्विक ताप वृद्धि के साथ-साथ वर्षा के पैटर्न में भी परिवर्तन हो रहा है। इससे अनेक क्षेत्रों में सूखे की स्थिति उत्पन्न हो रही है, जिससे जल स्रोत समाप्त हो रहे हैं। जल के अभाव में वन्यजीवों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे उनकी ऊर्जा खपत बढ़ती है और वे अधिक जोखिम में आ जाते हैं।

जैव विविधता के संदर्भ में भी यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि वर्तमान समय में प्रजातियों के विलुप्त होने की दर प्राकृतिक दर से कई गुना अधिक हो गई है। यह संकेत करता है कि हम एक ऐसे कालखंड में प्रवेश कर चुके हैं, जहां व्यापक स्तर पर जैव विविधता का ह्रास हो रहा है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	77,664	24,173.05
गिरावट	852.49	205.05
प्रतिशत में	1.09	0.84

सोना 1,56,100 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,50,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

श्रीकांत वेलमकन्नी बने नैसकॉम के चेयरमैन

नई दिल्ली। देश की कृत्रिम मेधा (एआई) कंपनी फ्रैक्टल के सह-संस्थापक और समूह मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीकांत वेलमकन्नी को नैसकॉम का नया चेयरमैन नियुक्त किया गया है। प्रौद्योगिकी कंपनियों के शीर्ष निकाय नैसकॉम ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। वेलमकन्नी ने एसएपी लैब्स इंडिया की प्रबंध निदेशक सिंधु गंगाधरन का स्थान लिया है, जिनका चेयरमैन के रूप में कार्यकाल अप्रैल 2026 में पूरा हो रहा है। नैसकॉम ने बताया कि किशोर पाटिल को संस्था का वाइस चेयरमैन चुना गया है। नैसकॉम के अनुसार, वेलमकन्नी देश की शुरुआती और एआई आधारित प्रमुख कंपनियों में से एक के सह-संस्थापक हैं और उनके पास कृत्रिम मेधा, डेटा विश्लेषण और वैश्विक बाजार की गहरी समझ है, जो इस समय उद्योग के लिए महत्वपूर्ण है।

केपी एनर्जी को मिली सीईआरसी की मंजूरी

नई दिल्ली। केपी एनर्जी को केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग (सीईआरसी) से अंतर-राज्यीय बिजली व्यापार का लाइसेंस मिल गया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस अनुमोदन से कंपनी को राज्य की सीमाओं के पार बिजली का व्यापार करने का अधिकार मिल जाता है, जिससे वह राष्ट्रीय बिजली बाजारों में भाग ले सकेगी और विभिन्न क्षेत्रों में मांग के अनुसार बिजली की बिक्री को समायोजित करने की अपनी क्षमता को बढ़ा सकेगी।

यूनियन बैंक का मुनाफा 5,316 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का एकल शुद्ध लाभ 2025-26 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 6.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,316 करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 4,985 करोड़ रुपये था। बैंक ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में शुद्ध ब्याज आय या मुख्य आय सालाना आधार पर 1.14 प्रतिशत घटकर 9,406 करोड़ रुपये रह गई। कुल आय घटकर 31,851.15 करोड़ रुपये रह गई जो जनवरी-मार्च 2025 में 32,752.67 करोड़ रुपये थी।

बिड़ला सन लाइफ का लाभ 18 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। आदित्य बिड़ला सन लाइफ एएमसी का मार्च, 2026 में समाप्त तिमाही में शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 187 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 228 करोड़ रुपये था।

एक वित्त वर्ष में 7.5% घटा चावल निर्यात

नई दिल्ली, एजेंसी। देश का चावल निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में 7.5 प्रतिशत घटकर 11.53 अरब डॉलर रह गया। पश्चिम एशिया क्षेत्र के देशों सहित प्रमुख बाजारों को निर्यात में कमी इसकी मुख्य वजह रही। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। वहीं मार्च में निर्यात 15.36 प्रतिशत घटकर 99.75 करोड़ डॉलर रहा। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध के कारण ईरान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब और ओमान सहित पश्चिम एशिया क्षेत्र के देशों को होने वाले निर्यात पर असर पड़ा है।

प. एशिया में तनाव से शेयर बाजार में गिरावट जारी, सेंसेक्स 852 अंक टूटा

अमेरिका-ईरान वार्ता रुकने से कच्चा तेल फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचा

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 852.49 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी 205 अंक नुकसान में रहा। अमेरिकी-ईरान वार्ता रुकने के कारण कच्चा तेल एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने से बाजार में गिरावट आई। कारोबारियों के अनुसार विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के साथ ही एशियाई और यूरोपीय बाजारों में कमजोर रुख ने भी निवेशकों को प्रभावित किया।

तीस शेयर वाला बीएसई सेंसेक्स 852.49 अंक यानी 1.09 प्रतिशत टूटकर 77,664 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 942.31 अंक यानी 1.20 प्रतिशत फिसलकर 77,574.18 पर आ गया था। दूसरी ओर 50 शेयर पर आधारित एनएसई निफ्टी 205.05 अंक यानी 0.84 प्रतिशत गिरकर 24,173.05 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.89 प्रतिशत बढ़कर 103.8 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। मझोली कंपनियों से जुड़ा बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.39 प्रतिशत और स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.34 प्रतिशत की गिरावट आई। दूसरी ओर स्वास्थ्य देखभाल में 1.66, पूंजीगत वस्तुओं क्षेत्रवार प्रदर्शन देखें तो पीएसयू बैंक में 2.36 प्रतिशत, वाहन में 2.27 %, रियल्टी में 1.91 %, उपभोक्ता विवेकाधीन वस्तुओं में 1.71 %, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं में 1.63 और बैंकएक्स में 1.46 प्रतिशत की गिरावट आई। दूसरी ओर स्वास्थ्य देखभाल में 1.66, पूंजीगत वस्तुओं में 0.40, बिजली में 0.40 और औद्योगिकी वस्तुओं में 0.11 % की तेजी रही। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2,078.36 करोड़ के शेयर बेचे।

एशिया के बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए। दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजार भी नुकसान में थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को बढ़त में रहे थे।

हॉर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान से टूटा भरोसा

लाइवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक हरिप्रसाद ने कहा कि भारतीय बाजारों में गिरावट का सिलसिला जारी रहा, निफ्टी में लगातार दूसरे दिन नरमी देखी गई। बाजार का मिजाज जोखिम से बचने का है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान से जुड़ी चिंताओं ने निवेशकों के भरोसे को कमजोर किया है।

गिरावट वाले शेयर

ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस और एचडीएफसी बैंक

ये रहे लाभ में

अदाणी पोर्ट्स, लार्सन एंड टुब्रो, सन फार्मा, भारती एयरटेल और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स

रुपया 23 पैसे टूटकर 94.01 प्रति डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये में लगातार चौथे दिन गिरावट आई और यह 23 पैसे टूटकर 94.01 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। रुपया एक महीने में दूसरी बार 94 के स्तर से नीचे आया।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट और अमेरिकी मुद्रा की वैश्विक मांग में वृद्धि के बीच विदेशी पूंजी की निकासी के कारण भी रुपये पर दबाव बना रहा। पिछले एक सप्ताह में रुपया एक प्रतिशत से अधिक टूटा है। रुपया 94.03 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले 94.17 के निचले स्तर तक पहुंचा। बाद में दिन के उच्च स्तर 93.98 को छूने के बाद यह 94.01 पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 23 पैसे की गिरावट है।

2,800 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी अमेजन

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेजन इंडिया कर्मचारियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं वित्तीय कल्याण उपायों को मजबूत करने और देशभर में अपने संचालन नेटवर्क को बढ़ाने के लिए 2,800 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने की योजना है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि यह नया निवेश कंपनी की 2030 तक भारत में 35 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक निवेश करने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। इसमें कारोबार विस्तार, कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित डिजिटलीकरण, निर्यात वृद्धि और रोजगार सृजन जैसे उपाय शामिल हैं।

ब्रोकरेज कंपनी बर्नस्टीन ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र

बिना सुधारों और नवाचारों के पिछड़ जाएगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्रोकरेज कंपनी बर्नस्टीन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम लिखे एक खुले पत्र में आगाह किया कि यदि भारत संरचनात्मक सुधारों, विशेषकर रोजगार, विनिर्माण एवं नवाचार में तेजी नहीं लाता है तो हाल के आर्थिक लाभ व्यर्थ हो सकते हैं। इसमें कहा गया है कि पिछले छह वर्ष दिखाते हैं कि जब नीतियां समन्वित होती हैं तो भारत क्या कर सकता है। लेकिन साथ ही एक जोखिम भी है..., यह मान लेना कि सफलता आगे भी जारी रहेगी और इस बात को कम आंकना कि कितना काम बाकी है।

बर्नस्टीन ने कहा कि वैश्विक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) रैंकिंग में भारत की बढ़त और सब्सिडी के बजाय बुनियादी ढांचे पर ध्यान ने वृद्धि को आधार दिया है, लेकिन वैश्विक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है जहां आपूर्ति श्रृंखलाएं पुनर्गठित हो रही हैं और प्रौद्योगिकी व्यवधान तेज हो रहा है।

रोजगार है प्रमुख चिंता

एक प्रमुख चिंता रोजगार है, खासकर तब जब 'जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' (जेन एआई) उस सेवा क्षेत्र के लिए खतरा बन रहा है जिसने दशकों तक भारत के मध्यम वर्ग को आगे बढ़ाया है। बर्नस्टीन ने साथ ही यह भी सवाल उठाया कि क्या विनिर्माण क्षेत्र बड़े पैमाने पर विस्थापित श्रम को समायोजित कर सकता है। पत्र में कहा गया है कि अंततः, कोई देश अपने लोगों को कहां और कैसे तैनात करता है, यही उसके दीर्घकालिक भविष्य को निर्धारित करता है।

संरचनात्मक बाधाएं

पत्र में कृषि को एक प्रमुख बाधा बताया गया, जहां लगभग 42-45 प्रतिशत कार्यबल केवल 15-16 प्रतिशत जीडीपी में योगदान देता है। कृषि कानूनों की वापसी के बावजूद सुधारों को फिर से शुरू करने, सिंचाई बढ़ाने और सब्सिडी पर निर्भरता घटाने की बात कही गई।

एआई एवं विनिर्माण में दूरी

बर्नस्टीन ने आगाह किया कि भारत बुनियादी प्रौद्योगिकी विकसित करने के बजाय डेटा सेंटर पर ध्यान केंद्रित करके कृत्रिम मेधा (एआई) में पीछे रह सकता है।

निर्णायक कार्रवाई जरूरी

बर्नस्टीन ने कहा कि भारत में पूंजी, प्रतिभा या महत्वाकांक्षा की कमी नहीं है। अब आवश्यकता है कि कठिन निर्णयों को टालने के बजाय जल्दी लेने की अधिक स्पष्ट इच्छा दिखाई जाए। कार्रवाई का अवसर अब भी खुला है, लेकिन यह तेजी से कम होता जा रहा है।

सोना 900 रुपये टूटा, चांदी 5,300 रुपये लुढ़की

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 900 रुपये टूटकर 1.56 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर रही वहीं कमजोर वैश्विक रुझानों के बीच चांदी 5,300 रुपये लुढ़ककर 2.50 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। पिछले कारोबारी सत्र में सोने की कीमत 1,57,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, बृहस्पतिवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 900 रुपये टूटकर 1,56,100 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रहा। चांदी की कीमत 5,300 रुपये टूटकर 2,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रही, जो बुधवार के बंद भाव 2,55,300 रुपये प्रति किलोग्राम से कम है।

राजस्व वृद्धि और एआई का प्रसार शीर्ष प्राथमिकता

नयी दिल्ली, एजेंसी

आईटी उद्योग की संस्था नैस्कॉम के नवनियुक्त चेयरमैन श्रीकांत वेलामकन्नी ने गुरुवार को कहा कि आईटी कंपनियों में राजस्व वृद्धि को बहाल करना और कंपनियों में कृत्रिम मेधा (एआई) तथा नई तकनीकों की बढ़ती भूमिका का प्रचार-प्रसार उनकी प्रमुख प्राथमिकताएं होंगी।

फ्रैक्टल के सह-संस्थापक और समूह मुख्य कार्यकारी वेलामकन्नी ने एक साक्षात्मकार में कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान वह भारत को एआई के युग में और भी बेहतर तथा आक्रामक तरीके से प्रतिस्पर्धा करते हुए देखना चाहेंगे।कहा कि उद्योग निकाय अधिक क्षमता निर्माण और शिक्षा प्रणाली में एआई-आधारित पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए नीतिगत समर्थन पर ध्यान देगा। वेलामकन्नी ने कहा कि पूरे (आईटी) उद्योग में राजस्व वृद्धि को बहाल करना बहुत महत्वपूर्ण है। जैसे-जैसे साल आगे बढ़ेगा, राजस्व वृद्धि में कुछ सुधार होगा।

उन्होंने कहा कि तकनीक में तेजी से हो रही प्रगति के साथ मशीनें मानवीय कार्यों को पीछे छोड़ देंगी, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मानवीय भूमिकाओं का महत्व कम हो जाएगा।

● नैस्कॉम के नवनियुक्त चेयरमैन श्रीकांत वेलामकन्नी ने साक्षात्कार में गिनाईं प्राथमिकताएं

अमेरिका में बेरोजगारी भत्ते के आवेदकों की संख्या बढ़ी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन करने वालों की संख्या पिछले सप्ताह थोड़ी बढ़ी है। हालांकि यह अब भी हाल के वर्षों के सामान्य स्तर पर बनी हुई है।

अमेरिकी श्रम विभाग के अनुसार, 18 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में नए आवेदन 6,000 बढ़कर 2,14,000 हो गए, जबकि इससे पहले सप्ताह यह संख्या 2,08,000 थी। यह आंकड़ा अनुमान से थोड़ा अधिक है। बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन को आम तौर पर छंटनी का संकेत और यह रोजगार बाजार की स्थिति का ताजा संकेत देता है। ईरान युद्ध ने अमेरिकी और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर को लेकर अनिश्चितता बढ़ा दी है। श्रम विभाग के अनुसार, मार्च में अमेरिकी नियोक्ताओं ने उम्मीद से अधिक 1,78,000 नई नौकरियां जोड़ीं, जिससे बेरोजगारी दर घटकर 4.3 प्रतिशत पर रही।

नए ऑनलाइन गेमिंग नियमों से भारत के ई-स्पोर्ट्स परिवेश में आएगी स्पष्टता: उद्योग

नई दिल्ली, एजेंसी

गेमिंग उद्योग ने गुरुवार को कहा कि नए ऑनलाइन गेमिंग नियम स्पष्ट रूप से पंजीकृत 'ई-स्पोर्ट्स' को एक वैध खेल के रूप में मान्यता देते हैं। यह रूपरेखा वास्तवित रूप से पैसे से जुड़े मंच को ई-स्पोर्ट्स के रूप में खुद को पेश करने से रोकेगा।

कुछ विशेषज्ञों ने ई-स्पोर्ट्स टीमों और खिलाड़ियों के सामने आने वाले वित्तीय रूपरेखा की स्पष्टता की कमी जैसी प्रमुख कमियों की ओर ध्यान दिलाया। साथ ही, उन्होंने इस बात पर भी चिंता जताई कि बैंक ई-स्पोर्ट्स से होने वाली कमाई और 'रियल मनी गेमिंग' के बीच अंतर करने में अभी भी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

यह प्रतिक्रिया केंद्र सरकार द्वारा बुधवार को ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन अधिनियम को प्रभावी बनाने के लिए अधिसूचित नियमों के बाद आई है। ये नियम 'डिजिटल-फर्स्ट' नियामक ऑनलाइन गेमिंग प्राधिकरण के गठन का रास्ता साफ करते हैं और ये एक मई, 2026 से प्रभावी होंगे।

नोडविन गेमिंग के सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक अक्षत राठी ने कहा कि ये नियम भारत के ई-स्पोर्ट्स परिवेश में बहुप्रतीक्षित स्पष्टता और संरचना लाते हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों, टीमों और प्रायोजकों के लिए यह एक स्पष्ट संकेत है- एक बार पंजीकृत होने के बाद ई-स्पोर्ट्स को निर्विवाद रूप से एक वैध खेल विधा के रूप में मान्यता दी जाएगी।

एस8यूएल के सह-संस्थापक और सीईओ अनिमेष अग्रवाल ने कहा कि ये मानक ई-स्पोर्ट्स को ऑनलाइन मनी गेमिंग से स्पष्ट रूप से अलग करते हैं।

साइबरपावरपीसी इंडिया के सीओओ विशाल पारेख ने कहा कि ये नियम भारतीय गेमिंग परिवेश में जवाबदेही लाएंगे, जिससे वैश्विक भागीदारों और निवेशकों के बीच विश्वास बढ़ेगा।

गडकरी ने दोहराई एससीओ के बीच क्षेत्रीय सहयोग के लिए भारत की प्रतिबद्धता

नयी दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के बीच क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करने, व्यापार बढ़ाने और जन-संपर्क को गहरा करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।

किर्गिस्तान में आयोजित एससीओ परिवहन मंत्रियों की 13वीं बैठक को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए गडकरी ने मल्टीमॉडल संपर्क, टिकाऊ बुनियादी ढांचे और हरित परिवहन पर जोर दिया। गडकरी के कार्यालय ने सोशल मीडिया पर लिखा कि राजमार्ग मंत्री ने निर्बाध, टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयार परिवहन प्रणालियों को विकसित करने कीभारत की मजबूत प्रतिबद्धता के बारे में बताया।

पश्चिम एशिया संघर्ष, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान से अर्थव्यवस्था के लिए चुनौतियां: आरबीआई बुलेटिन

मुंबई, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, ऊर्जा लागत, व्यापार प्रवाह में बाधा और वित्तीय बाजार पर पड़ने वाले प्रभावों से घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। आरबीआई के एक बुलेटिन में यह बात कही गई।

रिजर्व बैंक के गुरुवार को प्रकाशित अप्रैल बुलेटिन में 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' शीर्षक वाले लेख में कहा गया कि पश्चिम एशिया के संघर्ष ने मार्च में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव बढ़ा दिया था, हालांकि अप्रैल के पहले पखवाड़े में कुछ राहत देखी गई है। लेख के अनुसार घरेलू आर्थिक गतिविधियों ने कई क्षेत्रों में मजबूती दिखायी है, जबकि कुछ अन्य क्षेत्रों में सुस्ती देखी गई है। इसमें आगे कहा गया कि संघर्ष की तीव्रता और अवधि, साथ ही ऊर्जा एवं अन्य बुनियादी ढांचे को होने वाला नुकसान, मुद्रास्फीति और वृद्धि के लिए जोखिम पैदा करता है। कहा गया है कि यदि संघर्ष जारी रहता है और आपूर्ति श्रृंखलाएं जल्द बहाल नहीं होती हैं, तो यह उच्च ऊर्जा लागत, व्यापार प्रवाह में व्यवधान और वित्तीय बाजार में अस्थिरता के रूप में घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए चुनौतियां पैदा कर सकता है।

चौथी तिमाही में 21% बढ़ा इन्फोसिस का लाभ

नयी दिल्ली, एजेंसी। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 20.8 प्रतिशत बढ़कर 8,501 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए आय में 1.5 से 3.5 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया है। यह उम्मीद वित्तीय सेवाओं, जनोपयोगी सेवाओं और एआई सेवाओं में बढ़ती मांग पर आधारित है।

अभी नहीं बढ़ेंगी पेट्रोल-डीजल की कीमतें : मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने विधानसभा चुनाव के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतें 25-28 रुपये प्रति लीटर बढ़ाए जाने का दावा करने वाली खबरों को गुरुवार को खारिज कर दिया और कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि कुछ खबरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ने की बात कही जा रही है। स्पष्ट किया जाता है कि सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। यह स्पष्टीकरण कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की एक रिपोर्ट के बाद आया है जिसमें संकेत दिया गया था कि पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में 29 अप्रैल को मतदान खत्म होने के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हो सकती है। कोटक ने कच्चे तेल की कीमत करीब 120 डॉलर प्रति बैरल रहने के आधार पर 25-28 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी का अनुमान लगाया था। मंत्रालय ने कहा कि ऐसी खबरें और ये भ्रामक व गुमराह करने वाली हैं।

मारुति ने एक साल में बनाई रिकॉर्ड 23.4 लाख कारें

नयी दिल्ली, एजेंसी

मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 में 23.4 लाख इकाई का अब तक का सर्वाधिक वार्षिक उत्पादन दर्ज किया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि वाहन विनिर्माता संगठन सियाम के आंकड़ों के अनुसार वह 23.4 लाख इकाई का उत्पादन करने वाली भारत की एकमात्र यात्री वाहन विनिर्माता है। मोटर वाहन विनिर्माता ने कहा कि वह सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन की वैश्विक मोटर वाहन विनिर्माण इकाइयों में इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल करने वाली एकमात्र कंपनी भी बन गई है। एमएसआईएल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने रिकॉर्ड उत्पादन पर कहा कि दुनिया भर में बहुत कम कंपनियां एक ही देश में इतनी बड़ी मात्रा में उत्पादन करने में सक्षम रही हैं। ताकेउची ने कहा कि सरकार के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती का फैसला लागू करने से बाजार के विश्वास को बल मिला।

आकलन | रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक ने जारी की 'द वेल्थ रिपोर्ट 2026'

भारत में तेजी से बढ़ रहे अरबपति, पांच साल में हो जाएंगे 313

नयी दिल्ली,एजेंसी

देश में प्रौद्योगिकी, औद्योगिक क्षेत्रों और पूंजी बाजारों में संपत्ति सृजन से 2031 तक अत्यधिक नेटवर्थ वाले व्यक्तियों की संख्या 25,217 और अरबपतियों की 313 होने का अनुमान है।

अत्यधिक नेटवर्थ वाले व्यक्ति (यूएचएनडब्ल्यूआई) वे होते हैं जिनकी कुल संपत्ति तीन करोड़ डॉलर या उससे अधिक होती है। वर्तमान में भारत में ऐसे व्यक्तियों की संख्या 19,877 है। जबकि अरबपतियों की संख्या 207 हैं। रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक ने अपनी 'द वेल्थ रिपोर्ट 2026' बृहस्पतिवार को जारी की।

इसमें कहा गया कि वैश्विक अनिश्चितताओं, बढ़ती ब्याज दरों की चिंताओं और असमान आर्थिक प्रदर्शन के बावजूद वैश्विक संपत्ति सृजन में 'तेजी से वृद्धि' हुई है। नाइट फ्रैंक के अनुसार, भारत में यूएचएनडब्ल्यूआई की संख्या 19,877 से बढ़कर 2031 तक 25,217 होने का अनुमान है, जो वैश्विक संपत्ति परिदृश्य में उसकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। साथ ही प्रौद्योगिकी, औद्योगिक क्षेत्रों और पूंजी बाजारों में असाधारण संपत्ति सृजन को भी रेखांकित करता है।

भारत में यूएचएनडब्ल्यूआई की कुल संख्या में मुंबई की हिस्सेदारी 35.4 प्रतिशत है। भारत अब दुनिया में यूएचएनडब्ल्यूआई की छठी सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। वैश्विक स्तर पर यूएचएनडब्ल्यूआई की संख्या 2021 के 5,51,435 से बढ़कर 7,13,626 हो गई है।

● रिपोर्ट के अनुसार 2031 तक 25,217 हो जाएंगे तीन करोड़ डॉलर की नेटवर्थ वाले लोग

नाइट फ्रैंक के अनुसार, देश में पिछले पांच वर्ष में अरबपतियों की संख्या 58 प्रतिशत बढ़कर 2026 में 207 हो गई है जिससे यह अमेरिका (914) और चीन (485) के बाद तीसरे स्थान पर आ गया है। देश में अरबपतियों की संख्या 2026 की शुरुआत के 207 से बढ़कर 2031 तक 51 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 313 होने का अनुमान है।

नाइट फ्रैंक इंडिया के अंतरराष्ट्रीय साझेदार, चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा कि भारत में धनवानों की संख्या का बढ़ना उसकी आर्थिक विकास को दर्शाता है। अधिक उद्यमशील अर्थव्यवस्था बनते हुए मजबूत पूंजी भंडार, अधिक विकसित वित्तीय बाजारों और वैश्विक स्तर पर जुड़े संस्थापकों एवं निवेशकों के बढ़ते समूह के साथ आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि डिजिटलीकरण, सूचीबद्ध शेयर बाजार, निजी पूंजी और पारिवारिक स्वामित्व वाले व्यवसाय सभी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बिहार में पहली बार मसूर की व्यवस्थित खरीद, 100 टन से अधिक की खरीदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय खाद्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'आत्मनिर्भर दलहन मिशन' के तहत शुरू की गई पहली व्यवस्थित दलहन खरीद पहल के अंतर्गत बिहार में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 100 टन से अधिक मसूर दाल की खरीद की गई है। यह खरीद पीएम-आशा (प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान) योजना की मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत की जा रही है, जो दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में सरकार के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। बिहार में एनसीसीएफ ने पहली बार मसूर की संगठित खरीद शुरू की है।

वर्ल्ड ब्रीफ

फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति दुतेर्ते पर चलेगा मुकदमा

द हेग। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते पर मानवता के विरुद्ध अपराधों के आरोप में मुकदमा चलाया जाएगा। आरोप है कि दुतेर्ते के कार्यकाल के दौरान मादक पदार्थ-रोधी अभियानों में कार्रवाई के नाम पर अत्याचार किए गए। तीन न्यायाधीशों की पीठ ने सर्वसम्मति से पाया कि यह मानने के लिए पर्याप्त आधार हैं कि पहले दक्षिणी फिलीपींस के दवाओ शहर के महापौर के रूप में और फिर राष्ट्रपति पद पर रहते हुए दुतेर्ते दर्जनों हत्याओं के लिए जिम्मेदार थे। दुतेर्ते (80) को पिछले साल फिलीपींस में गिरफ्तार किया गया था और उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंताओं के कारण अदालती कार्यवाही में देरी हुई है।

नेपाल: राष्ट्रपति पौडेल ने बुलाए बिना संसद सत्र स्थगित किया

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने संसद के दोनों सदनों का सत्र बिना बुलाए ही बृहस्पतिवार को स्थगित कर दिया। पौडेल ने 21 अप्रैल को मंत्रिमंडल की सिफारिश पर 30 अप्रैल को संसद का सत्र बुलाया था। राष्ट्रपति कार्यालय के प्रवक्ता रितेश कुमार शाक्य ने बताया कि नेपाल सरकार और मंत्रिमंडल की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने प्रतिनिधि सभा और राष्ट्रीय सभा के सत्र को स्थगित करने के लिए विशेष कारणों का हवाला दिया। संसद सत्र को आहूत किये बिना स्थगित करने के फैसले को लेकर कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। संसद के सबसे वरिष्ठ सदस्य और नेपाली कांग्रेस के नेता अर्जुन नरसिंह केसी ने कहा कि संसद सत्र को बुलाए बिना ही स्थगित करने का सरकार का निर्णय अभूतपूर्व और हतप्रभ करने वाला है।

अवैध बर्खास्तगी पर 45 लाख रुपये का मुआवजे के आदेश

जयपुर। राजस्थान में जयपुर में श्रम न्यायालय ने रेलवे स्टेशन रोड स्थित पांच सितारा होटल राजपूताना शेरेटन से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायाधीश दिनेश कुमार गुप्ता ने दो कर्मचारियों की सेवा समाप्ति को अवैध करार देते हुए होटल प्रबंधन को एकमुश्त 45 लाख रुपये मुआवजा देने के आदेश दिए हैं। हालांकि अदालत ने कर्मचारियों को पुन: नौकरी पर बहाल करने के बजाय आर्थिक क्षतिपूर्ति को उचित माना। ये दोनों मामले विद्याधर नगर निवासी शैलेन्द्र कुमार और बनीपार्क निवासी अजय बहादुर द्वारा दायर किए गए थे। दोनों श्रमिकों की ओर से एडवोकेट कुणाल रावत ने पैरवी की।

होर्मुज से बारूदी सुरंगों को हटाने में लग सकता है छह महीने का वक्त: पेंटागन

वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति लंबे समय तक बाधित रहने की आशंका उच्चस्तर तक पहुंची

वाशिंगटन, एजेंसी

पेंटागन ने अमेरिकी सांसदों को चेतावनी दी है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगों को हटाने में छह महीने तक का समय लग सकता है। इस चेतावनी के बाद वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में लंबे समय तक व्यवधान की संभावना सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई है। हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के सदस्यों को दी गई एक गोपनीय ब्रीफिंग से परिचित अधिकारियों के अनुसार इस समयसीमा से फरवरी के अंत में युद्ध की शुरुआत के बाद से ईरान की ओर से तैनात की गई बारूदी सुरंगों को हटाने की जटिलता का पता चलता है।

सांसदों को बताया गया कि तेहरान ने जलडमरूमध्य में और उसके आसपास कम से कम 20 सुरंगें बिछाई होंगी, जिनमें से कुछ जीपीएस सक्षम प्रणालियों से लैस हैं जो उन्हें बहने या दूर से स्थित किए जाने की अनुमति देती हैं। इस कारण उनका पता लगाना और उन्हें हटाना कहीं अधिक कठिन हो जाता है। इस सप्ताह की शुरुआत में हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के सदस्यों के लिए एक गोपनीय ब्रीफिंग में साझा किए गए पेंटागन के आकलन के अनुसार युद्ध समाप्त होने के बाद ही इस तरह की कोई कार्रवाई शुरू होने की संभावना है। होर्मुज जलडमरूमध्य, समुद्री ऊर्जा आपूर्ति के सबसे महत्वपूर्ण मार्गों में से एक है जहां से आमतौर पर विश्व की तेल आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है, जो अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कुल ऊर्जा आपूर्ति का 20 प्रतिशत है। इस मार्ग के बंद होने से ऊर्जा बाजारों में पहले ही हलचल मच गई है, जलडमरूमध्य में टैंकरों का आवागमन पहले की तुलना में काफी कम हो गया है, जबकि तेल और गैस की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।

फिर गलत साबित हुआ ट्रंप का दावा

इस ब्रीफिंग ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया दावों का पुरजोर खंडन किया कि ईरान ने पहले ही उस क्षेत्र से बारूदी सुरंगें हटाना शुरू कर दिया है। इसके विपरीत, पेंटागन के आंतरिक आकलन से पता चलता है कि यह प्रक्रिया कहीं अधिक लंबी और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण है, जिससे रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों दलों के सांसद नाराज हैं। मौजूदा व्यवधानों के अनिश्चितकालीन विस्तार से आने वाले महीनों में तेल और गैस की कीमतें ऊंची बनी रह सकती हैं, जिसका असर मुद्रास्फीति और घरेलू ईंधन लागत पर भी पड़ेगा। पिछले सप्ताह होर्मुज को कुछ समय के लिए फिर से खोला गया था, लेकिन ईरान द्वारा वाशिंगटन पर नौसैनिक नाकाबंदी जारी रखकर प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन करने का आरोप लगाने के बाद इसे तुरंत फिर बंद कर दिया गया।

मिनाब के बच्चे अब भी चित्र बनाते हैं... शीर्षक पर नई दिल्ली में ईरानी दूतावास की आयोजित की प्रदर्शनी।

ईरान ने होर्मुज से पहली बार वसूला टोल

तेहरान। ईरानी संसद के उप अध्यक्ष हामिद रेजा हाजी बाबाई ने कहा कि देश के केंद्रीय बैंक को नवगठित होर्मुज टोल प्रणाली से अपना पहला राजस्व प्राप्त हुआ है। पिछले महीने ईरानी संसद के सुरक्षा आयोग ने रणनीतिक जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर परिवहन शुल्क लगाने की योजना को मंजूरी दी थी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसे दुनिया के लिए खतरनाक बताया था।

बर्लिन में रजा पहलवी पर फेंका लाल रंग

बर्लिन। ईरान के निर्वासित युवराज रजा पहलवी पर बृहस्पतिवार को बर्लिन की एक इमारत से बाहर निकलते समय लाल रंग का तरल पदार्थ फेंका गया। यह घटना जर्मनी के संघीय प्रेस कॉन्फ्रेंस भवन के बाहर तब हुई जब पहलवी संवाददाता सम्मेलन करके बाहर निकल रहे थे।

सेंटकॉम ने 31 जहाजों को वापस लौटाया

वाशिंगटन। ईरान के खिलाफ अपनी समुद्री घेराबंदी को और सख्त करते हुए अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने गुरुवार को पुष्टि की कि उसने ईरान के विरुद्ध अमेरिकी घेराबंदी के हिस्से के रूप में 31 जहाजों को बंदरगाह पर लौटने का निर्देश दिया है। इन जहाजों में अधिकांश तेल टैंकर बताए जा रहे हैं।

ट्रंप ने होर्मुज में बारूदी सुरंगे बिछा रही नावें नष्ट करने का दिया आदेश

दुबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सुबह सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में अमेरिकी सेना को होर्मुज जलडमरूमध्य को अवरुद्ध करने वाली छोटी ईरानी नावों को नष्ट करने का आदेश दिया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से बारूदी सुरंगों को हटाने के प्रयास तेज कर रही है। उन्होंने पोस्ट किया, 'मैंने अमेरिकी नौसेना को आदेश दिया है कि होर्मुज के पानी में बारूदी सुरंगें बिछाने वाली किसी भी नाव, चाहे वह छोटी ही क्यों न हो, उसे गोली मारकर नष्ट कर दिया जाए। उन्होंने लिखा, हमारे बारूदी सुरंग हटाने वाले यंत्र इस समय जलडमरूमध्य को साफ कर रहे हैं। मैं यह कार्य तीन गुना अधिक रफ्तार से जारी रखने का आदेश देता हूं।

ईरान युद्ध अमेरिका की सेना पर भारी अब नौसेना प्रमुख ने दिया त्यागपत्र

वाशिंगटन, एजेंसी

ईरान युद्ध के बीच अमेरिका के एक और वरिष्ठ सैन्य अफसर ने त्यागपत्र दे दिया है। ताजा इस्तीफा अमेरिकी नौसेना प्रमुख जॉन सी फेलन का है जिनके बारे में अमेरिका के युद्ध विभाग ने बयान जारी किया है कि वह तत्काल प्रभाव से पद छोड़ रहे हैं। इसके बाद उप प्रमुख हंग काओ नौसेना के कार्यवाहक प्रमुख के रूप में सेवा देंगे।

फेलन की विदाई कई लोगों के लिए आश्चर्यजनक रही। उनके संबंध युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ के साथ ठीक नहीं थे, हालांकि बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनके संबंध अच्छे थे। एक सूत्र ने कहा, फेलन यह नहीं समझ पाए कि वह सर्वोच्च अधिकारी नहीं थे। उनका काम दिए गए आदेशों का पालन करना था, न कि उन आदेशों का पालन करना जो उनके अनुसार दिए जाने चाहिए। फेलन ने मंगलवार को नौसेना के भविष्य और गोल्डन फ्लीट पहल सहित इसके प्रमुख निवेशों पर चर्चा करने के लिए संवाददाताओं से बात की थी।

फेलन का त्यागपत्र उस महत्वपूर्ण मोड़ पर आया है, जब अमेरिकी नौसेना ने 13 अप्रैल को होर्मुज जलडमरूमध्य के दोनों ओर ईरानी बंदरगाहों में प्रवेश करने और बाहर निकलने वाले सभी समुद्री यातायात की घेराबंदी शुरू कर दी है। दुनिया के तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और तरल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है।

- रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से थे मतभेद, होर्मुज की नाकेबंदी की चुनौती के बीच पद छोड़ा

संकट: अमेरिका की सेना में एक के बाद एक इस्तीफे

ईरान युद्ध शुरू होने के बाद सबसे चर्चित और बड़ा इस्तीफा नेशनल काउंटर टेररिज्म सेंटर के निदेशक जो कैंट का था जिन्होंने यह कहते हुए त्यागपत्र दिया था कि ट्रंप ने इजराइल के दबाव में ईरान पर हमला किया है और वह इस युद्ध का अंतरात्मा से समर्थन नहीं कर सकते। डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल जेफरी क्रूस को इसलिए हटाया गया था क्योंकि उनकी रिपोर्ट ने राष्ट्रपति के दावों के विपरीत बताया था कि अमेरिकी हमलों से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को केवल कुछ महीनों का नुकसान हुआ है। अब सेना प्रमुख जनरल रैंडी जॉर्ज को भी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के निर्देश पर पद छोड़ने के लिए कह दिया गया था। जॉन फेलन को हटाए जाने को भी ईरान युद्ध की रणनीतियों से जोड़कर देखा जा रहा है।

अमेरिकी नौसेना ने किया ईरान से जुड़े एक और तेल टैंकर को जब्त कर अपने कब्जे में लेने का दावा

दुबई। अमेरिकी सेना ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उसने ईरान से जुड़ा एक और तेल टैंकर जब्त किया है, जिसका इस्तेमाल ईरानी तेल की तस्करी के लिए किया जा रहा था। अमेरिकी रक्षा विभाग ने कहा कि उसने हिंद महासागर में तेल टैंकर मैजेस्टिक एक्स को जब्त किया है। यह घटना ईरान द्वारा बुधवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन मालवाहक जहाजों पर हमला करने और उनमें से दो को अपने कब्जे में लेने के बाद हुई है। रक्षा विभाग ने तेल टैंकर को जब्त करने का फुटेज जारी किया, जिसमें जहाज पर अमेरिकी सैनिक दिखाई दे रहे हैं।

लुफ्थांसा एयरलाइन ने रद्द कीं 20,000 उड़ानें

ईंधन संकट की मार, सहायक कंपनी सिटीलाइन को भी किया बंद

लास वेगास, एजेंसी

लुफ्थांसा एयरलाइंस और अन्य यूरोपीय एयरलाइन का मालिकाना हक रखने वाली जर्मन कंपनी ने मंगलवार को ईरान युद्ध के कारण तेल की कीमतों में वृद्धि और कुछ देशों में विमान ईंधन की कमी की चिंताएं गहराने के मद्देनजर अक्टूबर तक छोटी दूरी की 20,000 उड़ानों में कटौती करने की घोषणा की। लुफ्थांसा समूह के मुताबिक कम मुनाफे वाले मार्गों की उड़ानों को रद्द करने से लगभग 40,000 मीट्रिक टन विमान ईंधन के बराबर बचत होगी।

- कम मुनाफे वाली इन उड़ानों को रद्द करने से होगी 40,000 हजार मीट्रिक टन ईंधन की बचत

कंपनी ने पिछले सप्ताह लागत कम करने के लिए अपनी एक क्षेत्रीय सहायक कंपनी सिटीलाइन को बंद कर दिया। कंपनी ने कहा कि उसने योजनाबद्ध तरीके से कई केंद्रों का एकीकरण किया है जिसमें लुफ्थांसा एयरलाइन, ऑस्ट्रियन एयरलाइन, ब्रसेल्स एयरलाइन, स्विस और आईटीए एयरवेज के साथ-साथ ब्रसेल्स, रोम, वियना और ज्यूरिख में स्थित केंद्र भी शामिल होंगे। फरवरी के अंत में जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमले किए तब से कुछ बाजारों में विमान ईंधन की कीमत दोगुनी से भी अधिक हो गई है। यात्रियों पर इसका असर पहले से दिख रहा है जो कुछ मार्गों पर उड़ान विकल्पों में कमी और गर्मियों के मौसम में बढ़ते शुल्क तथा किराए में वृद्धि के रूप में देखा जा सकता है, वहीं कई एयरलाइन बैग जांच के शुल्क में वृद्धि कर रही हैं या ईंधन अधिभार जोड़ रही हैं।

ईरान युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास जारी लड़ाई ने दुनिया भर में ईंधन की कीमतों और आपूर्ति को बाधित कर दिया है। लुफ्थांसा ने कहा कि उसने आने वाले हफ्तों के लिए पर्याप्त जेट ईंधन सुरक्षित कर लिया है और गर्मियों के दौरान अपनी ईंधन आपूर्ति को स्थिर रखने के लिए विभिन्न उपायों पर काम कर रही है जिसमें जेट ईंधन की भौतिक खरीद भी शामिल है।लुफ्थांसा एयरलाइन परिचालन में कटौती करने वाली अकेली एयरलाइन नहीं है।

अमेरिका हार मान लेने तक बातचीत नहीं : हाजी बाबाई

तेहरान। ईरान के सांसद हामिद रजा हाजी बाबाई ने कहा है कि जब तक अमेरिका अपनी हार स्वीकार नहीं करता, तब तक उससे किसी भी प्रकार की वार्ता संभव नहीं है।

ईरानी संसद के उपाध्यक्ष हाजी बाबाई ने क्षेत्रीय देशों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे ईरान के खिलाफ किसी हमले में सहयोग न करें। जो देश आतंकी गतिविधियों को सुविधाएं देंगे, उनके हवाई अड्डों, होटलों और यहां तक कि नेतृत्व को भी निशाना बनाया जा सकता है। ये बयान ऐसे समय आए हैं, जब ईरान पर इजराइल व अमेरिकी हमलों के बावजूद उसकी सैन्य क्षमता बरकरार बताई जा रही है।

नोटबंदी में जब्त दो लाख रुपये मूल्य के नोट बदले रिजर्व बैंक : हाईकोर्ट

मुंबई। बंबई हाईकोर्ट की नागपुर पीठ ने भारतीय रिजर्व बैंक को नोटबंदी के दौरान एक व्यक्ति से जब्त किए गए दो लाख रुपये मूल्य के 500 रुपये के नोट बदलने के निर्देश दिए हैं, जिन्हें उसे नोट बदलने के लिए निर्धारित अवधि के बाद लौटाया गया था।

न्यायमूर्ति उर्मिला जोशी-फाल्के और न्यायमूर्ति निवेदिता मेहता की पीठ ने आदेश में कहा कि व्यक्ति को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि पुलिस ने उसके पास मौजूद नोट चलन से बाहर किए गए नोटों को बदलने की अंतिम तिथि से पहले ही जब्त कर लिए थे और ये नोट उस अवधि के खत्म होने तक पुलिस के कब्जे में थे। पीठ ने गिरीश मलानी की याचिका को स्वीकार करते हुए आरबीआई को नोटबंदी के दौरान उससे जब्त किए गए दो लाख रुपये मूल्य के 500 रुपये के नोटों को बदलने के निर्देश दिए। मलानी ने अपनी याचिका में कहा था कि वह एक दिसंबर 2016 को 500 रुपये के 400 नोटों के साथ माहुर की ओर जा रहा था, तभी नगरपालिका चुनावों के मद्देनजर पुलिस गश्ती दल ने उसके वाहन को रोका और एहतियात के तौर पर दो लाख रुपये नकद जब्त कर माहुर थाने में जमा करा दिए।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज भौतिक सुविधाओं का आनंद उठाएंगे। सहयोगी आपके काम में हस्तक्षेप कर सकते हैं। घर में धार्मिक गतिविधियां हो सकती हैं।

वृष — आज किसी जरूरी सूचना या व्यक्ति से जुड़कर काम आगे बढ़ सकता है। छोटी कोशिश भी अच्छा परिणाम दे सकती है।

मिथुन — आज खर्च को लेकर सजग रहने की जरूरत है। सोच-समझकर लिया गया फैसला आगे लाभ देगा। विद्यार्थी नए कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं।

कर्क — आज आपको सफलता मिलेगी। अपनी क्षमताओं का कुशल प्रयोग करेंगे। जिम्मेदारियों का आसानी से निर्वहन कर पाएंगे।

सिंह — आज थोड़ा शांत रहकर स्थिति को समझना बेहतर रहेगा। हर बात में तुरंत प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है। चीजें आपके पक्ष में होंगी।

कन्या — आज किसी के साथ मिलकर किया गया काम सफल होगा। योजनाओं को आगे बढ़ाने का अच्छा समय है। संपर्कों से लाभ मिलने के संकेत हैं।

तुला — आज मेहनत करेंगे, तो परिणाम भी अच्छा मिलेगा। काम को लेकर जिम्मेदारी बढ़ सकती है। खुद को साबित करने का मौका मिलेगा।

वृश्चिक — आज आपका नजरिया पॉजिटिव रहेगा। आप हर स्थिति में रास्ता निकाल लेंगे। कुछ नया सीखने या समझने का मौका मिल सकता है।

धनु — आज थोड़ा संभलकर चलने की जरूरत है। किसी बात को लेकर असहज महसूस हो सकता है। धैर्य बनाए रखें।

मकर — आज साझेदारी पर ध्यान देना जरूरी रहेगा। संतुलन बनाए रखें। पारिवारिक मामलों को शांतिपूर्ण तरीके से निपटा लें।

कुंभ — आज सही प्राथमिकता तय करेंगे, तो दिन आपके पक्ष में रहेगा। काम का दबाव बढ़ सकता है। बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है।

मीन — आज का दिन सकारात्मक रहेगा। आपको अपने मन के अनुसार काम करने का मौका मिलेगा। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

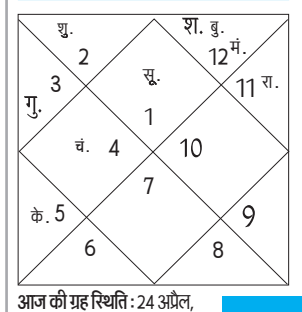

आज की ग्रह स्थिति : 24 अप्रैल, शुक्रवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-शुक्ल पक्ष, अष्टमी 19.21 तक तत्पश्चात नवमी।

दिशाशूल-पश्चिम, **ऋतु**- ग्रीष्म।

चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।

ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-पुष्य 20.14 तक तत्पश्चात अश्लेशा।

सुडोकू - 128 का हल

8	4	3	2	1	5	7	9	6
9	6	2	4	3	7	8	5	1
7	1	5	6	8	9	3	2	4
1	9	4	8	7	6	5	3	2
2	5	6	3	9	1	4	7	8
3	8	7	5	4	2	6	1	9
6	3	9	7	2	4	1	8	5
5	2	8	1	6	3	9	4	7
4	7	1	9	5	8	2	6	3

सुडोकू -129

				6		1		
4		7						
9					5	8		
					9		7	
2								5
	3							
		2	1					3
					7	6		4
5				3				

भारत की विदेश नीति में अफ्रीका अहम

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि आज भारत की विदेश नीति में अफ्रीका का अहम स्थान है और नई दिल्ली का अफ्रीका के साथ संबंध समानता, परस्पर सम्मान और साझा प्रगति के सिद्धांतों पर आधारित एक स्पष्ट दृष्टिकोण से निर्देशित है।

जयशंकर ने आगामी 'भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन-4' के लोगो, थीम और वेबसाइट के अनावरण के अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए कहा, हम यहां भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन ढांचे के माध्यम से भारत और अफ्रीका के बीच स्थायी साझेदारी में एक नया अध्याय शुरू करने के लिए एकत्रित हुए हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत-अफ्रीका संबंध हमारे सभ्यतागत संबंधों पर आधारित हैं, जो सदियों से सांस्कृतिक आदान-प्रदान और लोगों के बीच संबंध के माध्यम से विकसित साझा इतिहास हमारी साझेदारी को आकार देता है। जयशंकर ने कहा कि आज अफ्रीका भारत की विदेश नीति में अहम स्थान रखता है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि विकसित भारत 2047 की परिकल्पना और अफ्रीका का ''एजेंडा 2063'' सतत विकास और समावेशी विकास के माध्यम से समृद्धि और प्रगति की दिशा में पूरक रोडमैप हैं। जयशंकर ने यह भी कहा कि कई उच्च स्तरीय वार्ताओं के साथ भारत और अफ्रीका के बीच प्रमुख स्तंभों पर संबंध मजबूत हुए हैं, और भारत वैश्विक व्यवस्था में अफ्रीका के उचित स्थान का समर्थन कर रहा है।

मंत्री ने कहा कि इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम 2023 में भारत की जी20 की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को समूह में शामिल करना था। उन्होंने कहा, यह हमारे इस दृढ़ विश्वास को दर्शाता है कि आने वाले समय में वैश्विक शासन को दिशा देने में ग्लोबल साउथ की आवाजों का विशेष महत्व होगा।

- भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन के लोगो के अनावरण पर हुई सभा में बोले जयशंकर

हुए हैं। उन्होंने कहा, उपनिवेशवाद के खिलाफ संघर्ष में भारत ने अफ्रीकी देशों के प्रति एकजुटता दिखाई थी और इससे हमारे संबंध और मजबूत हुए।

विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम की कहानी अफ्रीका से भी गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा, संघर्ष, एकजुटता, लचीलेपन और आकांक्षाओं का हमारा

दो पाकिस्तानी चीनी स्पेस स्टेशन जाने वाले पहले विदेशी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ़ ने चीन के अंतरिक्ष मिशन के लिए चयनित पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्रियों खुर्रम दाऊद और मोहम्मद जीशान अली से गुरुवार को मुलाकात कर उनके प्रयासों की सराहना की। इस दौरान पाकिस्तान की अंतरिक्ष एजेंसी सुपारको की अंतरिक्ष यात्री आताशी हस्नान इफ्तिखार भी उपस्थित थीं।

शरीफ ने अंतरिक्ष यात्रियों से

- दोनों से मिले शरीफ, कहा- यह मिशन पाकिस्तान की उपलब्धि

कहा कि उनसे मिलना उनके लिए गर्व का विषय है और यह मिशन पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगा। शरीफ ने चीनी राजदूत के साथ बातचीत में कहा कि अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में पाकिस्तान और चीन की मित्रता नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, चीन के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए विदेशी अंतरिक्ष यात्रियों के पहले समूह के चयन में पाकिस्तान के दो उम्मीदवारों का चयन किया गया है। दोनों चयनित उम्मीदवार प्रशिक्षण के लिए शीघ्र ही चीन जाएंगे और आवश्यक प्रशिक्षण तथा मूल्यांकन पूरा करने के बाद उनमें से एक को अंतरिक्ष मिशन में भेजा जाएगा।

पाकिस्तानी विमानों पर भारत के हवाई क्षेत्र में प्रतिबंध बढ़ा

नई दिल्ली। भारत ने अपने हवाई क्षेत्र में पाकिस्तानी विमानों पर लगाए गए प्रतिबंध को मंगलवार को 24 मई तक के लिए बढ़ा दिया। प्रतिबंध में इस नए विस्तार के साथ पाकिस्तान के विमानों के लिए भारतीय हवाई क्षेत्र बंद रहने की अवधि एक वर्ष से अधिक हो जाएगी। यह फैसला 22 अप्रैल 2025 को हुए पहलगाम आतंकी हमले के कुछ दिनों बाद पहली बार लागू किया गया था।

भ्रष्टाचार में शहबाज की बेटी-दामाद के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट पर रोक

लाहौर। पाकिस्तान की एक अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की बेटी और दामाद के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट को निलंबित कर दिया है। अदालत के एक अधिकारी ने कहा कि लाहौर की जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश राणा आरिफ ने बुधवार को 'पंजाब साफ पानी कंपनी' से संबंधित भ्रष्टाचार मामले में राबिया इमरान और उनके पति इमरान अली यूसुफ के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट निलंबित कर दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को निष्पक्ष और न्यायसंगत सुनवाई का अधिकार है। अदालत ने 2022 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान के कार्यकाल के दौरान उनकी गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी किए थे।

ईयू ने यूक्रेन के लिए 106 अरब डॉलर का ऋण मंजूर किया

ब्रसेल्स। हंगरी द्वारा अपना वीटो वापस लेने के बाद, यूरोपीय संघ ने यूक्रेन को दो वर्षों के लिए आर्थिक और सैन्य जरूरतों को पूरा करने में मदद के वास्ते 106 अरब अमेरिकी डॉलर के ऋण पैकेज को मंजूरी दे दी।

ईयू ने यूक्रेन पर रूस के युद्ध को लेकर उसके खिलाफ नए प्रतिबंधों को भी मंजूरी दे दी है। इन उपायों को साल की शुरुआत में तैयार किया गया था और संघर्ष का चौथा साल पूरा होने पर फरवरी में इनकी घोषणा की जानी थी, लेकिन हंगरी और स्लोवाकिया ने इस कदम का विरोध किया।

कूटनीति

पहलगाम हमले की बरसी पर भारतीय दूतावास की ओर से आयोजित प्रदर्शनी में अमेरिकी सांसदों ने की मांग

जैश और लश्कर-ए-तैयबा पर कार्रवाई करे पाकिस्तान

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी सांसदों ने आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक एकजुटता का आह्वान करते हुए पाकिस्तान से लश्कर-ए-तैयबा और जैश जैसे आतंकी संगठनों पर कठोर नकेल कसने की अपील की है। वाशिंगटन डीसी स्थित कैपिटल हिल में भारतीय दूतावास की ओर से आयोजित प्रदर्शनी 'आतंकवाद की मानवीय कीमत' के दौरान सांसदों ने पहलगाम हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

पहलगाम हमले की पहली बरसी के अवसर पर आयोजित इस विशेष प्रदर्शनी में अमेरिकी कांग्रेस के 19 सदस्य और 60 से अधिक कांग्रेसी कार्यालयों के प्रतिनिधि शामिल हुए। कांग्रेस के सदस्य ब्रैड शेरमन ने पाकिस्तान को आड़े हाथों लेते हुए कहा, पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को लश्कर-ए-तैयबा का ही हिस्सा माना जाता है, जिसे पाकिस्तान में पनाह मिली हुई है। हमें पाकिस्तान सरकार से यह स्पष्ट मांग करनी चाहिए कि वह लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद जैसे समूहों को पूरी तरह खत्म करे। हाउस रिपब्लिकन कॉन्फ्रेंस की अध्यक्ष लिसा मैककलेन और सांसद रिचर्ड मैककॉर्मिक ने भी इस खतरे को साझा दुश्मन बताया।

भारतीय दूतावास की ओर से आयोजित प्रदर्शनी में पहुंचे अमेरिकी सांसद।

भारत पर बड़े आतंकी हमलों को किया प्रदर्शित

डिजिटल और इंटरैक्टिव डिस्प्ले के माध्यम से इस प्रदर्शनी में 1993 के मुंबई बम धमाकों से लेकर 2008 के मुंबई हमलों और पिछले साल हुए पहलगाम हमले के विनाशकारी परिणामों को दिखाया गया। यह आयोजन उन परिवारों और समुदायों को समर्पित था जिन्होंने आतंकी हिंसा में अपने प्रियजनों को खोया है।

मशहूर नहीं हुआ हूं, मैं वैसा ही बने रहने की कोशिश कर रहा हूं जैसा मैं पहले था। मुझे नहीं लगता कि मैं बदल गया हूं। मुझे अभी भी बहुत कुछ करना है क्योंकि यह तो बस शुरुआत है। इसलिए मैं चीजों को जितना हो सके उतना आसान रखता हूं।

–प्रफुल हिंगे, तेज गेंदबाज, सनराइजर्स

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, शुक्रवार ,24 अप्रैल 2026

IPL 2026

आज के मुकाबले

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु — बनाम — गुजरात टाइटंस

समय - शाम 7:30 बजे

सैमसन के शतकीय प्रहार के बाद स्पिनरों ने मुंबई को जाल में फंसाया

आईपीएल-2026 : चेन्नई सुपर किंग्स ने 103 रनों के बड़े अंतर से किया परास्त

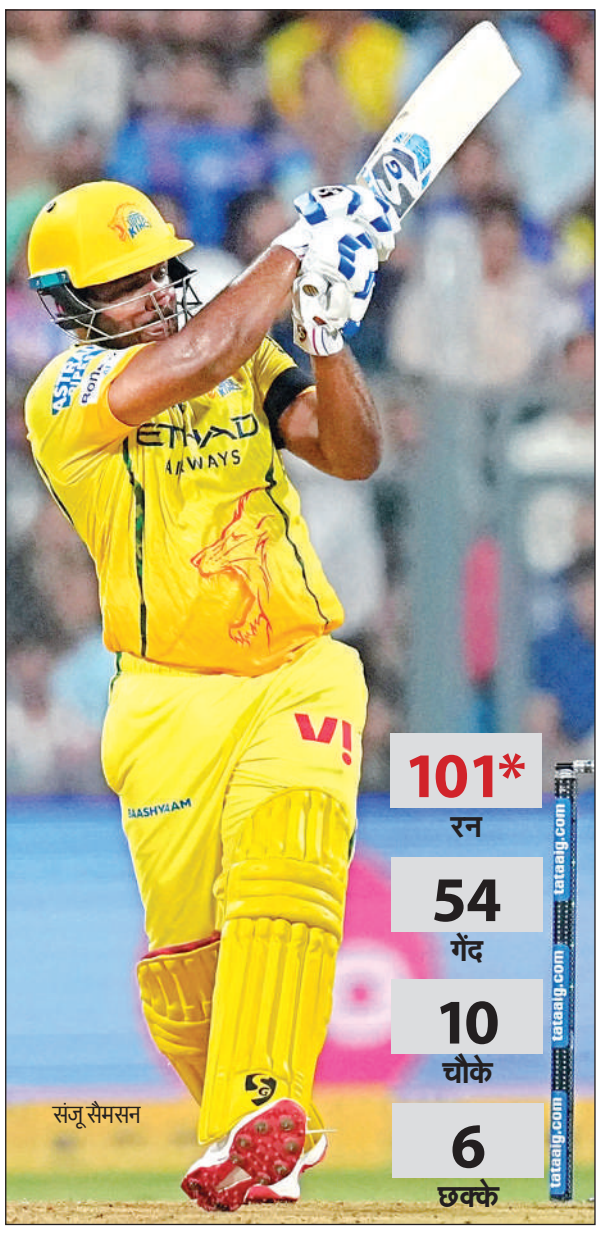

मुंबई, एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन (नाबाद 101) के सत्र के दूसरे शतक और बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन (17 रन देकर चार विकेट, एक मेडन) की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से बृहस्पतिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में मुंबई इंडियंस को 103 रन से करारी शिकस्त दी।

इस जीत से सीएसके छह अंक लेकर तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई जबकि मुंबई इंडियंस चार अंक से आठवें स्थान पर खिसक गई। सैमसन के आईपीएल में अपने पांचवें शतक के लिए 54 गेंद खेलीं जिसमें 10 चौके और छह छक्के जडे. थे। उनके शतक से सीएसके ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद छह विकेट पर 207 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस शुरुआती झटकों से नहीं उबर सकी और 19 ओवर में महज 104 रन पर ऑल आउट हो गई। यह पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस की आईपीएल में सबसे बड़ी हार है। पांच बार की चैंपियन सीएसके की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। सीएसके के लिए वेस्टइंडीज के हुसैन सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने एक ओवर मेडन डाला जिसमें एक विकेट भी शामिल रहा। उन्होंने तिलक वर्मा (37 रन) को आउट कर उनके और सूर्यकुमार यादव (35 रन) के बीच 73 रन की भागीदारी का अंत किया। उनके अलावा नूर अहमद ने भी अच्छी गेंदबाजी करते हुए 23 रन देकर दो विकेट झटके जबकि मुकेश चौधरी, जेमी ओवरटन और गुरजपनीत सिंह ने एक एक विकेट झटका। मुंबई इंडियंस की शुरूआत काफी खराब हुई जिसने पहले ही ओवर में दानिश मालेवार का विकेट खो दिया। हुसैन की गेंद मालेवार के बल्ले का किनारा छूकर विकेट के पीछे सैमसन के हाथों में समां गई। इस तरह मालेवार लगातार दो मैच में असफल रहे। टीम को दूसरा झटका दूसरे ओवर में चौधरी की गेंद पर लगा जो क्विंटन डिकॉक के स्टंप उखाड़ गई। इस तरह मुंबई ने सात रन पर दूसरा विकेट खो दिया। सूर्यकुमार क्रीज पर उतरे जिन्होंने चौका लगाकर खाता खोला। तीसरे ओवर में नमन धीर के रूप में मुंबई इंडियंस को तीसरा झटका लगा जो हुसैन की गेंद पर बोल्ड हो गए। मुंबई इंडियंस का छह ओवर में स्कोर तीन विकेट पर 29 रहा जो इस सत्र में उसका सबसे कम पावरप्ले स्कोर है।

चेन्नई सुपर किंग्स

207/6 (20 ओवर)

संजू सैमसन नाबाद	101
रुतुराज गायकवाड़ का तिलक बो गजनफर	22
सरफराज खान बो सैंटनर	14
शिवम दुबे का गजनफर	05
डेवाल्ड ब्रेविस का बुमराह बो अश्विनी	21
कार्तिक शर्मा का सैंटनर बो बुमराह	18
जेमी ओवरटन का धीर बो अश्विनी	15
अकील हुसैन नाबाद	02

अतिरिक्त : 09, **विकेट पतन** : 1-32, 2-72, 3-91, 4-122, 5-165, 6-181

गेंदबाजी : बुमराह 4-0-31-1, हार्दिक 2-0-38-0, गजनफर 4-0-25-2, सैंटनर 4-0-44-1, अश्विनी 4-0-37-2, कृष भगत 2-0-31-0

02 शतक हो गए संजू सैमसन के इस सत्र में, वहीं आईपीएल में पांच शतक पूरे हो गए

04 विकेट लिए अकील हुसैन ने सिर्फ 17 रन देकर

मुंबई इंडियंस

104/10 (19 ओवर)

क्विंटन डिकॉक बो मुकेश चौधरी	07
दानिश मालेवार का सैमसन बो हुसैन	00
नमन धीर बो हुसैन	00
सूर्यकुमार यादव का सरफराज बो हुसैन	35
तिलक वर्मा बो हुसैन	37
हार्दिक पांड्या का चौधरी बो नूर	01
शेरफाने रदरफोर्ड का कंबोज बो नूर	00
शार्दुल ठाकुर का ब्रेविस बो कंबोज	06
कृष भगत का गुरजपनीत बो ओवरटन	07
अश्विनी कुमार नाबाद	01
बुमराह का सैमसन बो गुरजपनीत	02

अतिरिक्त : 08, **विकेट पतन** : 1-7, 2-7, 3-11, 4-122, 5-85, 6-85, 7-87, 8-100, 9-100

गेंदबाजी : अकील हुसैन 4-0-17-4, मुकेश चौधरी 4-0-31-1, अंशुल कंबोज 3-0-10-1, नूर अहमद 4-0-23-2, जेमी ओवरटन 2-0-14-1, गुरजपनीत सिंह 2-0-7-1

ऑरेंज कैप

- अभिषेक शर्मा हैदराबाद-323 रन
- हेनरिच क्लोसेन हैदाराबाद -320
- संजू सैमसन चेन्नई -293 रन

पर्पल कैप

- अंशुल कंबोज चेन्नई - 14 विकेट
- प्रिंस यादव गुजरात - 13 विकेट
- इशान मलिंगा हैदाबाद- 12 विकेट

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	6	5	0	1	11	1.420
2.	राजस्थान रॉयल्स	7	5	2	0	10	0.790
3.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	6	4	2	0	8	1.171
4.	सनराइज़र्स हैदराबाद	7	4	3	0	8	0.820
5.	चेन्नई सुपर किंग्स	7	3	4	0	6	0.118
6.	दिल्ली कैपिटल्स	6	3	3	0	6	-0.130
7.	गुजरात टाइटंस	6	3	3	0	6	-0.821
8.	मुंबई इंडियंस	7	2	5	0	4	-0.736
9.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	7	2	5	0	4	-1.277
10.	कोलकाता नाइट राइडर्स	7	1	5	1	3	-0.879

धोनी विकेटकीपर के तौर पर लौटेंगे, सिर्फ 'इम्पैक्ट प्लेयर' के तौर पर नहीं, अभी फिट नहीं

मुंबई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने गुरुवार को साफ किया कि जब भी एमएस धोनी अपनी पिंडली की चोट से उबरकर लौटेंगे तो वह विकेटकीपर के तौर पर ही अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे, न कि सिर्फ एक 'इम्पैक्ट प्लेयर' के तौर पर खेलेंगे। 44 साल के धोनी गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के ख़िलाफ हुए मैच में आईपीएल 2026 का अपना लगातार सातवां मैच नहीं खेल पाए। वह अभी भी उस चोट से उबर रहे हैं जिसकी वजह से 28 मार्च को उन्हें शुरू में दो हफ्ते के लिए टीम से बाहर होना पड़ा था। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि धोनी 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम का इस्तेमाल करते हुए सिर्फ एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर वापसी कर सकते हैं, खासकर तब जब संजू सैमसन और कार्तिक शर्मा विकेटकीपिंग के विकल्प के तौर पर उपलब्ध हैं। हसी ने इस संभावना को खारिज कर दिया और संकेत दिया कि धोनी विकेट के पीछे अपनी पुरानी और जानी-पहचानी भूमिका में ही वापसी करेंगे। मैच के बीच में हसी ने प्रसारक से कहा, ''मुझे पूरा यकीन है कि वह विकेट के पीछे ही होंगे। उनके लिए सबसे बड़ी बात यह है कि उन्हें पिंडली में चोट लगी है। दिक्कत सिर्फ दौड़ने में है। अगर वह पारी के आखिरी ओवरों में बल्लेबाजी करने आते हैं, तो उन्हें तेजी से एक-दो रन लेने पड़ेंगे। उन्हें बस यह पक्का करना होगा कि उनकी पिंडली इतनी मजबूत हो कि वह इस दबाव को झेल सके।

हाईलाइट

नाइट राइडर्स का मैदान ओलंपिक में क्रिकेट की मेजबानी करेगा

लॉस एंजलिस। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) संजोग गुप्ता ने कहा कि 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट प्रतियोगिता लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स के घरेलू मैदान पर आयोजित की जाएगी, जिसका गुरुवार को शिलान्यास किया गया। गुप्ता ने कहा दुनिया का दूसरा सबसे लोकप्रिय खेल इतने लंबे समय से ओलंपिक मंच से गायब रहा। जब अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने लॉस एंजिलिस 2028 खेलों में क्रिकेट को शामिल करने की औपचारिक मंजूरी दी। इससे इस बात का पता चलता है कि ओलंपिक में उन खेलों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए जिन्हें अरबों लोग पसंद करते हैं।

बार्सिलोना ने लगातार सातवीं बार जीता महिला स्पेनिश लीग

बार्सिलोना। बार्सिलोना ने एस्पेनयोल को 4-1 से हराकर लगातार सातवीं बार महिला स्पेनिश लीग फ़ुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। इस जीत से बार्सिलोना दूसरे स्थान पर मौजूद रियाल मैड्रिड से 16 अंक आगे हो गया है जो खिताब जीतने के लिए पर्याप्त हैं। बार्सिलोना का यह 11वां लीग खिताब है। बार्सिलोना ने इस साल के टूर्नामेंट में अपने 26 मैचों में से 25 मैच जीते हैं। पिछले साल नवंबर में उसे रियल सोसिडाड के हाथों 1-0 से हार का सामना करना पड़ा था जो उसकी एकमात्र हार थी। बार्सिलोना की महिला टीम ने लीग में अब तक 116 गोल किए हैं और सात गोल खाए हैं। इस तरह से उसका गोल अंतर 109 है।

हर मैच में नहीं कर सकते 'फिनिशिंग' : टिम डेविड

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज टिम डेविड समझते हैं कि एक 'फिनिशर' के तौर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करना मुश्किल होता है और उन्होंने इस बात को स्वीकार लिया है और उनके अनुसार असफलता के समय खुद को ज्यादा सख्ती से नहीं आंकना ही सबसे जरूरी है पिछले साल आरसीबी को अपना पहला आईपीएल खिताब जिताने में डेविड के निचले क्रम में की गई जोरदार बल्लेबाजी ने अहम भूमिका निभाई थी और इस बार भी उन्होंने अपनी 'पावर-हिटिंग' की झलक दिखाई है। डेविड ने कहा, ''हमारी टीम काफी अच्छी है और टी20 क्रिकेट में मध्यक्रम बल्लेबाज़ के तौर पर आप हर मैच में फिनिशिंग नहीं कर सकते। इसलिए अगर आप हर बार ऐसा करने की उम्मीद करते हैं तो यह बहुत मुश्किल हो जाता है। हम बस अपना खेल खेलते हैं और उसका मजा लेने की कोशिश करते हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 9 विकेट से रौंद शृंखला में बनाई अजेय बढ़त

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

कप्तान लॉरा वोल्वार्ट (53 गेंदों में 115 रन) की आतिशी शतकीय पारी और पहले विकेट के लिए सुने लुस (42 गेंदों में नाबाद 64 रन) के साथ 92 गेंदों में 183 रन की साझेदारी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने भारत को तीसरे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में नौ विकेट से करारी शिकस्त देकर पांच मैचों की सीरीज में 3-0 से अजेय बढ़त बना ली।

भारत ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (66) और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (64) के अर्धशतकों तथा दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 42 गेंदों में 73 रन की साझेदारी की बदौलत चार विकेट पर 192 रन बनाए थे, लेकिन वोल्वार्ट की ताबड़तोड़ पारी ने इस बड़े स्कोर को भी बौना साबित कर दिया। दक्षिण अफ्रीका ने 16.3 ओवर में एक विकेट पर 193 रन बनाकर भारत के खिलाफ अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। शानदार फॉर्म में चल रही वोल्वार्ट ने पहले दो मैचों में 51 और 54 रन बनाए थे। यह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में लक्ष्य का पीछा करते हुए तीसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने क्रमशः 2023 और 2018 में ऑस्ट्रेलिया और भारत के खिलाफ 212 और 198 रन के लक्ष्य हासिल किए थे।

कप्तान लॉरा वोल्वार्ट (दाएं)।

- कप्तान लॉरा वोल्वार्ट ने खेली शतकीय पारी

टी-20 विश्व कप से पहले कमजोरियां हुईं उजागर : हरमनप्रीत

भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनकी टीम ने सही समय पर खराब प्रदर्शन किया क्योंकि इससे टीम प्रबंधन को कमजोरियों को दूर करने और जून में होने वाले टी20 विश्व कप में 'मजबूत वापसी' करने के लिए पर्याप्त समय मिल गया है। भारतीय महिला टीम को अक्टूबर 2024 में हुए टी20 विश्व कप में ग्रुप चरण से बाहर होने के बाद पहली बार किसी टी20 अंतर्राष्ट्रीय शृंखला में हार का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने तीसरा मैच नौ क्रिकेट से जीतकर पांच मैच की शृंखला में 3-0 से अजेय बढ़त हासिल कर ली। पिछले टी20 विश्व कप से जल्दी बाहर होने के बाद भारतीय टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया तथा वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शृंखलाएं जीती।

बल्लेबाजी पर फोकस करेंगे बेंगलुरु-गुजरात

बेंगलुरु, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस की टीम शुक्रवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में आमने-सामने होगी तो उनका लक्ष्य बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। चिन्नास्वामी की थोड़ी चिपचिपी पिच पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में आरसीबी के बल्लेबाज नहीं चल पाए थे जिससे उसकी टीम को छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। आरसीबी की यह इस सत्र में दूसरी हार थी जिससे उसने शीर्ष चार में अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका गंवा दिया था।

मौजूदा चैंपियन आरसीबी को यह बात अच्छी तरह से पता होगी कि गुजरात टाइटंस के खिलाफ कमजोर प्रदर्शन से उसकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं क्योंकि उसे अब अपने अधिकतर मैच विरोधी टीम के मैदान पर खेलने हैं। यही नहीं वह अब अपने दो घरेलू मैच भी रायपुर में खेलेगा। आरसीबी अब चिन्नास्वामी स्टेडियम में जीत हासिल करके अपने प्रशंसकों को शानदार विदाई देना चाहेगा लेकिन इसके लिए उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी बड़ा स्कोर बनाने का तरीका ढूंढना होगा। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ फिल साल्ट को छोड़कर कोई भी अन्य बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था। कप्तान रजत पाटीदार और टिम डेविड जैसे छक्के जड़ने में माहिर बल्लेबाजों को भी रन बनाने के वैकल्पिक तरीके खोजने पड़े, हालांकि उन्हें इसमें बहुत अधिक सफलता नहीं मिली।

अभ्यास सत्र के दौरान विराट कोहली। एजेंसी

आरसीबी को प्लान बी तैयार रखना होगा

आरसीबी के बल्लेबाजों को एक प्लान बी तैयार रखना चाहिए, क्योंकि इसकी कोई गारंटी नहीं है कि उनका आक्रामक खेल हर समय कारगर साबित होगा। इसी तरह से गुजरात टाइटंस भी अपने बल्लेबाजों के प्रदर्शन से चिंतित है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में उसकी पूरी टीम 100 रन पर आउट हो गई थी और उसे 99 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा था।

- घरेलू मैदान का पूरा फायदा उठाना चाहेगा बेंगलुरु

टीम

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, टिम डेविड, जैकब बेथेल, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेज़लवुड, नुवान तुषारा, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, रसिख डार, भुवनेश्वर कुमार, जॉर्डन कॉक्स, सुयश शर्मा, वेंकटेश अय्यर, स्वप्निल सिंह, जैकब डफी, कनिष्क चौहान, अभिनंदन सिंह, मंगेश यादव, फिल साल्ट, सात्विक देसवाल, विक्की ओस्तवाल, विहान मल्होत्रा।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, शाहरुख खान, अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, टॉम बैंटन, ग्लेन फिलिप्स, जेसन होल्डर, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, साई किशोर, जयंत यादव, अरशद खान, शाहरुख खान, मानव सुथार, राशिद खान, मोहम्मद सिराज, कागिसो रबाडा, प्रसिद्ध कृष्णा।

बोले-जडेजा — राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए अधिकतर मैचों में अपने कोटे के चार ओवर पूरे नहीं कर पाए हैं 'जड्डू'

'मैदान पर आने से पहले होटल में ही छोड़ देता हूं अहंकार'

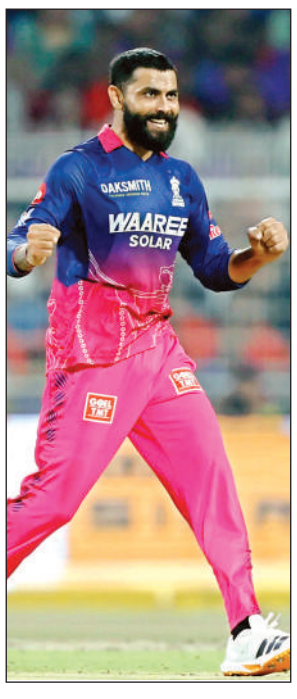

नई दिल्ली, एजेंसी

रविंद्र जडेजा ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए विभिन्न कारणों से अधिकतर मैचों में अपने कोटे के चार ओवर पूरे नहीं किए हैं लेकिन उन्हें इस बात का कोई शिकवा नहीं है और उनका कहना है कि वह मैदान पर आने से पहले अपना अहंकार होटल के कमरे में छोड़ देते हैं। जडेजा ने बुधवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपनी टीम को 40 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

इससे पहले कुछ मैचों में अपने कोटे के चार ओवर पूरे न कर पाने के बारे में जडेजा ने जियोहॉटस्टार से कहा जब मैं मैदान पर आता हूं, तो मैं अपना अहंकार होटल के कमरे में ही छोड़ देता हूं। मैं केवल इस बारे में सोचता हूं कि टीम मुझसे जिस तरह की भी अपेक्षा करेगी मैं उसे पूरी करने की कोशिश करूंगा। उन्होंने कहा अगर इस मैच में बल्लेबाजी की बात करें तो मैं पारी के आखिर तक खेलना चाहता था क्योंकि अगर मैं 17वें या 18वें ओवर में गलत शॉट खेलकर आउट हो जाता तो हम 159 रन तक नहीं पहुंच पाते और शायद 20-25 रन कम बना पाते। जडेजा ने 29 गेंद पर 43 रन बनाए और फिर चार ओवरों में 29 रन देकर एक विकेट लेकर जीत में अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा एलएसजी के लिए छोटा लक्ष्य हासिल करना शायद आसान होता। टी20 क्रिकेट में हर पिच, हर परिस्थिति और हर मैच की स्थिति अलग होती है, इसलिए आपको उसके अनुसार खेलना होता है। एकाना स्टेडियम की पिच पर धीमी गेंदबाजी करने के बारे में जडेजा ने कहा जब मैं दिग्वेश राठी के सामने बल्लेबाजी कर रहा था तो उनकी कुछ गेंदें रुक कर विकेट पर आ रही थी। इसलिए मैंने सोचा कि अगर मैं इस पिच पर धीमी गेंदबाजी करूं तो शायद मुझे भी कुछ मदद मिल सके। इस बीच पूर्व भारतीय खिलाड़ी और बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत के बल्लेबाजी के तरीके पर निराशा व्यक्त की। बांगड़ ने कहा अपनी पारी की शुरुआत में उन्होंने जिस शॉट को खेलने की कोशिश की, वह सही तरीका नहीं था। उन्होंने जिन तीन गेंद का सामना किया उन पर 'एक्रॉस द लाइन' शॉट खेलने का प्रयास किया। उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का काफी अनुभव है और अगर वह शुरुआत में स्पष्ट रणनीति के साथ खेलते हैं तो उन्हें बेहतर परिणाम मिलेंगे।

इकाना की पिच वाका जैसी : मुख्य कोच लैंगर

लखनऊ : लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने एकाना की पिच की तुलना पर्थ की बीते जमाने की मशहूर वाका पिच से की और स्वीकार किया कि उनकी टीम इसमें मिलने वाली गति और उछाल से तालमेल बिठाने में नाकाम रही है। एलएसजी अपने घरेलू मैदान पर अब तक खेले गए तीनों मैच हार चुका है। दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के खिलाफ उसे यहां क्रमशः छह और सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा जबकि बुधवार को राजस्थान रॉयल्स ने उसे 40 रन से हराया।

प्राची-वंशिका ने जीता स्वर्ण पदक भारत पदक तालिका में शीर्ष पर

काहिरा, एजेंसी

जूनियर निशानेबाजी विश्व कप

भारत की प्राची गायकवाड़ ने बृहस्पतिवार को यहां महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन्स में स्वर्ण पदक जीता जबकि वंशिका चौधरी और सेजल कांबले ने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में शीर्ष दो स्थान हासिल किए जिससे यहां चल रहे आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में भारत का पदक तालिका में दबदबा कायम रहा।

गुरुवार को दो स्वर्ण के साथ भारत के प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण हो गए हैं। इससे पूर्व पहले दिन पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में शिव नरवाल ने स्वर्ण जीता था। इसके साथ ही भारत के कुल पदक की संख्या 11 हो गई है जिसमें तीन स्वर्ण, पांच रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं। नारायण प्रणव ने भी पुरुष 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य पदक जीता। प्राची ने फाइनल में 354.6 का स्कोर किया और व्यक्तिगत तटस्थ खिलाड़ी (एआईएन) दार्या चुप्रिस को पीछे छोड़ा जिन्होंने 354.4 का स्कोर बनाया। एक अन्य एआईएन निशानेबाज एलेना क्रेटिनिना ने 343.3 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। इस बीच, नारायण ने अपनी स्पर्धा में 229.5 के फाइनल स्कोर के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

वंशिका ने महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में 241.3 का स्कोर करके स्वर्ण पदक जीता जबकि सेजल ने 24 शॉट के बाद 239.6 के स्कोर के साथ रजत पदक हासिल किया। चीनी ताइपे की लियाओ के रोंग को 218.3 के स्कोर के साथ कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

प्राची श्री पोजीशन्स फाइनल में पहुंचने वाली एकमात्र भारतीय थीं। उन्होंने 578 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर क्वालीफाई किया था। पदक दौर में नीलिंग पोजीशन में पहले 10 शॉट के बाद वह पांचवें स्थान पर थी। प्रोन राउंड में शानदार प्रदर्शन के बाद वह दूसरे स्थान पर पहुंच गईं और उस समय शीर्ष पर चल रही डार्या से सिर्फ 0.6 अंक पीछे थीं। इसके बाद स्टैंडिंग के शुरुआती पांच शॉट में 50 से अधिक का स्कोर करके भारतीय निशानेबाज पहली बार बढ़त बनाने में कामयाब रहीं लेकिन डार्या ने अगली सीरीज में 51.0 का स्कोर करके पलटवार किया।